kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-13 | अंक-320 | शुक्रवार, 20 दिसम्बर 2024 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

संसद संवाद, विचार विमर्श और बहस का स्थान है। अगर संसद संवाद, बहस और चर्चा का केंद्र नहीं बनी रही और अगर

लोगों के मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया तो संसद अप्रासंगिक हो जाएगी। इस तरह का पतन हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करेगा। **जगदीप धनखड़**

छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल क्षेत्र चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार 11

कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल को मिला भारत गौरव पुरस्कार 12

संक्षेप

अवैध रूप से बिजली उपभोग करने पर सांसद के खिलाफ रिपोर्ट

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में अवैध रूप से बिजली का उपभोग करने पर बिजली विभाग के उपखंड अधिकारी ने सांसद के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उपखंड अधिकारी संतोष त्रिपाठी द्वारा एंटी थेफ्ट थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार थाना नखासा के अंतर्गत के मोहल्ला दीपा सराय की बल्ले की पुलिया निवासी सांसद जियाउर्रहमान के परिसर के दो किलोवाट के घरेलू कनेक्शन की जांच करने पर 16480 वाट विद्युत भार पाया गया। विद्युत प्रशिक्षणशाला से मिली मीटर की एमआरआई रिपोर्ट से भी पुष्टि होने पर स्पष्ट हो गया कि मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से बिजली का प्रयोग कर बिजली की चोरी की गई है, जिस पर विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत जियाउर्रहमान के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।
जियाउर्रहमान वर्क मौजूदा समय में सपा से संभल के सांसद हैं और हाल ही में संभल की जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान संभल में हुए बवाल के बाद से काफी चर्चा में है। बवाल में चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी। बवाल के मामले में सांसद के विरुद्ध भी रिपोर्ट दर्ज हुई है।

प्लास्टिक मुक्त होगा महाकुंभ 2025

प्रयागराज। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए संतों के सर्वोच्च संगठन अखाड़ा परिषद् ने भी महाकुंभ 2025 को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया है। इस वर्ष स्नान के लिए निर्धारित प्रमुख दिनों पर महाकुंभ मेला क्षेत्र में पांच करोड़ श्रद्धालुओं एवं स्थायी रूप से 50 लाख कल्पवासियों के ठहरने का अनुमान है। प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ की तैयारियों के साथ ही स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र में लाखों की संख्या में टॉयलेट और डस्टबिन भी लगाए जा रहे हैं। इस लक्ष्य को सफल बनाने की दिशा में विशेष कार्य योजना तैयार कर उसके दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू किया गया है। अधिकृत सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि सभी कार्य मिशन मोड पर शुरू किए जा चुके हैं, ताकि महाकुंभ 2025 का आयोजन न केवल धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से ऐतिहासिक हो, बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वच्छता की दृष्टि से भी एक प्रेरक बन सके।
महाकुंभ में सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने के साथ ही उसके विकल्प के रूप में दोने-पत्तल, कुल्हड़, जूट एवं कपड़े के थैले आदि जैसे प्राकृतिक उत्पाद बड़े स्तर पर तैयार किए जा रहे हैं। इस कार्य के लिए उत्तर प्रदेश के 28 जिलों सहित बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड की महिलाओं को जिम्मेदारी दी गई है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण की ओर से महाकुंभ के दौरान मेला क्षेत्र में ही इन प्राकृतिक उत्पादों के स्टॉल लगाकर पूरे क्षेत्र में सप्लाई की जाएगी। प्रयागराज नगर निगम ने मेला क्षेत्र के दुकानदारों को भी प्राकृतिक उत्पादों का ही प्रयोग करने का निर्देश जारी किया गया है।

अम्बेडकर मुद्दे पर संसद से सड़क तक हंगामा

एजेंसी

नयी दिल्ली। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को लेकर सियासत तेज हो गई है और गुरुवार को संसद के भीतर ही नहीं, संसद परिसर में भी सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के सांसदों के बीच धक्का-मुक्की होने के साथ ही जमकर हंगामा हुआ।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि उनके साथ सदन में जाते हुए संसद के द्वार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों ने धक्का मुक्की की है। श्री गांधी ने कहा कि सरकार बाबा साहब का अपमान कर रही है और संविधान पर आक्रमण किया जा रहा है। भाजपा के लोगों ने संसद के मकर द्वार को ब्लॉक करने की कोशिश कर उन्हें अंदर जाने से रोकने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि वह सदन में जा रहे थे तो भाजपा के एक सांसद ने उन्हें धक्का दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गाँधी वाड्रा ने कहा कि सरकार ने बाबा साहब अंबेडकर के साथ संसद से बाहर छेड़छाड़ करते हुए उनकी फोटो हटा दी है। उन्होंने कहा, सदन में बाबा साहेब का अपमान करने के बाद आज फिर भाजपा ने उनका अपमान किया। उनकी फोटो के साथ छेड़-छाड़ करके किसी और की फोटो लगा दी। ये वही मानसिकता है जो जगह-जगह लगी बाबा साहेब की मूर्तियों को क्षति पहुँचाती है। ये बाबा साहेब का अपमान है। संविधान निर्माता का अपमान है ये। इससे पहले लोकसभा में श्री गांधी ने संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की एक बैठक की और उसमें पार्टी की रणनीति पर विचार विमर्श किया गया। कांग्रेस सांसदों ने बाद में बाबा साहब की मूर्ति के सामने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया और संसद भवन के मकर द्वार तक मार्च किया। संसद भवन के मकर द्वार पर गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर के बारे में दिये गये बयान के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे इंडी गठबंधन के सांसदों एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की में गिरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सांसद घायल हो गये, जिन्हें यहां उपचार के लिए राममनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। संसद भवन के मकर द्वार पर पूर्वाह्न 11 बजे बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का चित्र लेकर भाजपा और इंडिया समूह के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान हुई धक्का-मुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत गिर गये जिससे वे घायल हो गये। श्री सारंगी के सिर में चोट आयी है। श्री सारंगी को व्हील चेयर पर और श्री राजपूत को स्ट्रेचर पर एम्बुलेंस तक ले जाया गया। श्री सारंगी ने कहा कि वह सीढ़ियों के पास खड़े थे तभी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी आये और उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया जो मेरे (श्री सारंगी के) ऊपर गिरा जिससे वह भी गिर गये।

बाद में दोनों घायल सांसदों को यहां डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में ले जाया गया। पता चला है कि श्री राजपूत को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस धक्कामुक्की में दो नेता घायल हुए हैं। 4-5 अन्य सांसदों ने इस बारे में शिकायत की है...सभी सांसदों को विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने (राहुल गांधी) शारीरिक हिंसा की ● शेष पेज 11 पर

संग्राम

- ❒ न0संसद भवन के द्वार पर धक्का-मुक्की में भाजपा के दो सांसद घायल
- ❒ संसद परिसर में हम पर हमला किया गया : खरगे-राहुल
- ❒ संसद भवन परिसर में धक्का मुक्की मामले पर रिपोर्ट दर्ज : अनुराग ठाकुर
- ❒ राहुल का आचरण असभ्य, गैर भारतीय, देश माफ नहीं करेगा: शिवराज

हंगामें के चलते केवल दो मिनट में बिना चर्चा पास हो गया अनूपूरक बजट

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। डा. भीम राम आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री की टिप्पणी के विरोध में समाजवादी पार्टी के जबरदस्त हंगामे के चलते उत्तर प्रदेश विधानसभा का सत्र नहीं चल सका। सरकार ने भारी शोर शराबे के बीच दो मिनट में अनुपूरक बजट तो पास करा लिया। लेकिन उस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन नहीं हो सका। यह संभवतः पहली बार हुआ है कि अनुपूरक बजट पर मुख्यमंत्री अपना जवाब नहीं दे सके। बाबा साहेब की तस्वीर तो ठीक से पकड़ लो, सम्मान क्या करोगे

गुरुवार को जब विधानसभा सुबह 11 बजे शुरू हुई तो नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय खड़े हो गए और बोले, दिल्ली व लखनऊ की सरकार आंबेडकर का अपमान कर रही है। इतना कहते ही सपा सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में आ गए। उन्होंने हाथ में आंबेडकर की तस्वीरें ले रखीं थीं। बाबा तेरा मिशन अधूरा, अखिलेश यादव करेंगे पूरा का नारा लगा रहे सपा सदस्यों को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने टोकते हुए कहा कि आप लोग पहले बाबा साहेब की तस्वीर तो ठीक से पकड़ लो, आप लोग क्या सम्मान करोगे। बाबा साहब की फोटो का सम्मान कीजिए, उसे गले से लगाइए।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन में किसानों उद्योग, निवेश के मुद्दे पर चर्चा करनी है। पूरा प्रदेश देख रहा है। मै आपसे प्रार्थना करता हूं कि अपनी सीट पर जाएं और सवाल पूछें सरकार जवाब देगी। बाबा साहेब ने कहा था कि सदन में जनता के कल्याण की बात होगी।

सदन में आज अजीब स्थिति रही। अध्यक्ष ने बाबा साहेब के सम्मान का वास्ता देकर उनसे अपनी सीट पर जाने का आग्रह किया लेकिन सदन फिर भी व्यवस्थित नहीं हो सका। इसके बाद अध्यक्ष ने कार्यसूची में सवाल लगाने वालों के एक एक करके बीस नाम पुकारे ताकि वह अपना सवाल पूछ सकें। लेकिन इसके लिए कोई तैयार नहीं हुआ। काफी देर तक यही स्थिति रही।

इसके बाद अध्यक्ष ने प्रश्नकाल खत्म होने की घोषणा कर अन्य विधाई कार्य निपटाए। इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने अनुपूरक बजट पेश किया और एक साथ सभी अनुपूरक मांगे पास करा लीं। चूंकि शोरशराबे में विपक्ष की ओर से ना नहीं सुना गया, इसलिए अध्यक्ष ने कहा कि अनुपूरक बजट सर्वसम्मति से पास हो गया। ● शेष पेज 11 पर

- ❒ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन नहीं हो सका, कुम्भ पर नहीं हो सकी चर्चा
- ❒ आंबेडकर का सबसे ज्यादा सम्मान भाजपा ने किया: सुरेश खन्ना

कुलगाम मुठभेड़ : पांच आतंकवादी ढेर, दो सुरक्षाकर्मी घायल

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में हिज्बुल मुजाहिदीन के एक स्वयंभू शीर्ष कमांडर सहित संगठन के पांच आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सुरक्षाबलों के दो जवान घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि संदिग्ध आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने बीती रात जिले के बेहिबाग इलाके के कद्देर गांव में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलाईं जिसके बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों में हिज्बुल मुजाहिदीन का स्वयंभू शीर्ष कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ नाली भी शामिल है जो कथित तौर पर दक्षिण कश्मीर क्षेत्र में आतंकवाद से जुड़े कई अपराधों में संलिप्त था। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान ● शेष पेज 11 पर

उपराष्ट्रपति के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव त्रुटिपूर्ण, संवैधानिक पद को नीचा दिखाने का दुस्साहस : उप सभापति हरिवंश

एजेंसी

नयी दिल्ली। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने उपराष्ट्रपति के विरुद्ध विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को त्रुटिपूर्ण तथा राष्ट्र के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद को जानबूझकर तुच्छ बनाने और नीचा दिखाने का दुस्साहस बताते हुए कहा है कि इस संबंध में समीचीन हुआ, तो विस्तृत आदेश 24 दिसंबर के बाद ही दिया जाएगा।

श्री हरिवंश ने गुरुवार को राज्यसभा में भोजनावकाश के बाद पटल पर रखे अंतरिम आदेश में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 67 -ख के तहत उप राष्ट्रपति को पद हटाये जाने पर विचार करने वाले किसी भी प्रस्ताव के लिए कम से कम 14 दिन की पूर्व सूचना अलंघनीय रुप से अनिवार्य है। आदेश में कहा गया है कि विपक्ष के 60 सदस्यों के कथित हस्ताक्षर वाला यह प्रस्ताव 10 दिसंबर को दिया गया था। इस प्रकार इस पर 24 दिसंबर 2024 के बाद ही कोई अनुमति दी जा सकती है। उप सभापति ने कहा है कि विपक्ष के इस प्रस्ताव पर एक विस्तृत आदेश समीचीन होने पर बाद में जारी किया जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि विपक्षी सदस्यों के संबंधित पत्र में किसी विशिष्ट प्राधिकारी को संबोधित नहीं किया गया है और बाद में मुख्य विपक्षी दल कंग्रेस ने इसका प्रचार किया। उप सभापति ने अपनी अंतरिम व्यवस्था में कहा है कि प्रस्ताव लाने वालों को जानकारी थी कि यह प्रस्ताव इस सत्र के दौरान विचार के लिए नहीं लाया जा सकता है। फिर भी इसे इस उद्देश्य के साथ लाया गया कि देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के खिलाफ एक कहानी फैलायी जा सके। अंतरिम आदेश के अनुसार पूरे सूचना पत्र पर एक नजर डालने से ही पता लगता है कि यह एक अत्यधिक बेढंगा , लापरवाहीपूर्ण और प्रत्येक कल्पनीय पहलू पर गंभीररुप से त्रुटिपूर्ण है। प्रस्ताव में प्रेषिती का नाम नहीं है, संकल्प पाठ अनुपस्थित है, संपूर्ण याचिका में पदस्थ उप राष्ट्रपति का नाम सही ढंग से नहीं लिखा गया है और जिन दस्तावेजों और वीडियो का दावा किया गया है, उन्हें याचिका का हिस्सा नहीं बनाया गया है तथा यह बिना प्रमाणीकरण के असंबद्ध मीडिया रिपोर्टो के लिंक पर आधारित है। उप सभापति ने इसे संसद और सांसदों की प्रतिष्ठा के लिए चिंताजनक विषय बताया है। इसमें यह भी कहा गया है कि मौजूदा उप राष्ट्रपति के अगस्त 2022 में पद ग्रहण करने से लेकर अब की घटनाओं का इसमें उल्लेख उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से झूठे दावों से भरा हुआ है। इस आदेश में उप राष्ट्रपति के विरुद्ध मीडिया अभियान ● शेष पेज 11 पर

प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ परिनिन्दा प्रविष्टि की सजा स्थगित

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पुलिस कमिश्नर प्रयागराज, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर, प्रयागराज एवं डिप्टी पुलिस कमिश्नर, गंगापार, प्रयागराज को नोटिस जारी करते हुए दो सप्ताह में जवाब तलब किया है तथा याचिका स्वीकार करते हुए तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक, नवाबगंज, प्रयागराज यशपाल सिंह के विरूद्ध पारित परिनिन्दा प्रविष्टि का दण्डादेश अग्रिम आदेशो तक स्थगित कर दिया है।

कोर्ट ने यह भी आदेशित किया है कि उक्त परिनिन्दा प्रविष्टि अग्रिम आदेशों तक प्रभावी नहीं होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक, नवाबगंज, प्रयागराज यशपाल सिंह की याचिका पर वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम एवं अतिप्रिया गौतम की बहस सुनकर पारित किया। मामले के अनुसार याची यशपाल सिंह प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज जनपद प्रयागराज में नियुक्त था। उसे एक ही घटना के सम्बन्ध में अलग अलग विवेचनात्मक कार्यवाही कर अलग-अलग धाराओं में आरोप पत्र दाखिल करने के सम्बन्ध में दोषी ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री ने सुशासन सप्ताह का किया शुभारंभ, प्रदर्शनी का किया उद्घाटन व अवलोकन

भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे अटल : योगी

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। उन्हे सुशासन का प्रतीक माना जाता है।

उन्होने कहा राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलना, सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त करना, देश के अंदर अंत्योदय की योजना, हर गरीब-वंचित को अधिकार मिले, अंत्योदय कार्ड-राशन उपलब्ध कराने की कार्रवाई हो, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, अनुसूचित जाति-जनजाति या पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार दिलाने के साथ ही स्वर्णिम चतुर्भुज, विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर व हाईवे अटल जी की देन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को संगीत नाटक अकादमी में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ किया। उन्होने श्री वाजपेयी के व्यक्तित्व, कृतित्व पर लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व अवलोकन किया। श्री वाजपेयी के जन्मदिवस की 100वीं वर्षगांठ पर 25 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत मां के महान सपूत, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का यह जन्म शताब्दी वर्ष है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आज से पूरे देश-प्रदेश में सुशासन सप्ताह का शुभारंभ हो रहा है। अटल जी की पैतृक जन्मभूमि उत्तर प्रदेश है। उन्होंने अपनी कर्मभूमि के रूप में भी उत्तर प्रदेश को ही चुना। बलरामपुर व लखनऊ से कई बार उन्होंने संसद में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्होंने देश को सक्षम नेतृत्व प्रदान किया। अटल जी कवि, पत्रकार, साहित्यकार व राजनेता थे। वे समन्वय के साथ सबको लेकर चलने का सामर्थ्य रखते थे। वे भारतीय राजनीति के अजातशत्रु कहे जाते थे। अटल जी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन बिना किसी कलंक के रहा।

श्री योगी ने कहा कि आज से हर जनपद में कार्यक्रम प्रारंभ हुए है, जो सप्ताह भर (25 दिसंबर) चलेंगे। स्कूली बच्चों के लिए सुशासन पर निबंध लेखन, उच्च शिक्षा स्तर पर भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिता, ग्रामीण क्षेत्र में संगोष्ठी के आयोजन हो रहे हैं। इसके साथ ही पूरे वर्ष भर भी आयोजन होंगे।

विजेताओं को 25 दिसंबर को सम्मानित किया जाएगा। इस दिन शाम को अटल जी की कविताओं पर आधारित काव्य संध्या भी हर जनपद, स्कूलों-कॉलेजों में होगी। इसमें नवोदित कवियों को मंच प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल जी की सेवाएं व कृतित्व देशवासियों के लिए प्रेरणा है। सुशासन सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के हर स्कूल-कॉलेज, संस्थान में इससे संबंधित कार्यक्रम होंगे। श्रद्धेय अटल जी के आदर्शों से प्रेरणा हम सभी का मार्गदर्शन होगा। अटल जी ने सुशासन के जिन लक्ष्यों को देखा और सोचा था, पीएम मोदी के नेतृत्व में देश इसे प्रभावी ढंग से लागू भी कर रहा है। यह लक्ष्य प्रदेश भी प्राप्त करेगा। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, संस्कृति व पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कथित 'धर्म संसद' : अवमानना याचिका पर विचार करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में यति नरसिंहानंद फाउंडेशन को कथित धर्म संसद आयोजित करने की अनुमति देने के मामले को अदालत की अवमानना बताते हुए कई पूर्व वरिष्ठ नौकरशाहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से दायर याचिका गुरुवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले पर विचार करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ताओं को कहा कि वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकते हैं। पीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश प्रशांत भूषण की दलीलें सुनने के बाद कहा, सभी मामले उच्चतम न्यायालय में नहीं आ सकते। अगर मैं एक पर (इस याचिका) विचार करता हूं तो मुझे ऐसी अन्य सभी याचिकाओं पर विचार करना होगा। पीठ ने हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार को सतर्कता बरतने की नसीहत देते हुए राज्य सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज से कहा, ह्लकृपया इस बात पर नज़र रखें कि क्या हो रहा है, कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग होनी चाहिए। सिर्फ इस तथ्य का मतलब यह नहीं है कि हम उस पर विचार नहीं कर रहे हैं कि उल्लंघन हुआ या नहीं है। गौरतलब है कि गाजियाबाद में यति नरसिंहानंद फाउंडेशन को 17-21 दिसंबर को कथित धर्म संसद आयोजित करने की अनुमति देने के मामले को कई पूर्व वरिष्ठ नौकरशाहों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत की अवमानना करार देते हुए राज्य की पुलिस और संबंधित जिला प्रशासन के खिलाफ याचिका दायर की थी।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस अवमानना याचिका पर तत्काल सुनवाई की अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर विचार करने का सोमवार को आश्वासन देते हुए उन्हें याचिका के संबंध में अपने अनुरोध ईमेल के जरिए भेजने को कहा था। याचिकाकर्ताओं में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी अरुणा रॉय के अलावा सेवानिवृत्त आईएफएस अशोक कुमार शर्मा, देब मुखर्जी और नवरेखा शर्मा, योजना आयोग की पूर्व सदस्य सईदा हमीद और सामाजिक शोधकर्ता और नीति विश्लेषक विजयन एमजे शामिल हैं। उन्होंने अपनी याचिका दावा किया था कि गाजियाबाद कथित धर्म संसद मामले में शीर्ष अदालत के आदेशों की जानबूझकर अवमानना का मामला बनता है। याचिका में कहा गया है शीर्ष ● शेष पेज 11 पर

डा अंबेडकर का हुआ अपमान माफी मांगे गृहमंत्री : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

उन्होने गुरुवार को कहा कि गृह मंत्री की माफी को लेकर सांसदों की मांग सही है। बाबा साहब पिछड़े, दलितों, गरीबों, वंचितों, शोषितों और पीड़ित वर्गों के भगवान हैं। पीडीए के लोग बाबा साहब को भगवान मानते हैं। आज गांव गांव घर-घर उनको पूजा जाता है। हम सब उनका बहुत सम्मान करते हैं।

श्री यादव ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से गरीब और वंचित समाज को सम्मान पूर्वक जीने का रास्ता दिखाया। भाजपा बाबा साहब का संविधान नहीं मानती है। पूरा देश देख रहा है कि भाजपा के लोग बाबा साहब अंबेडकर के लिए किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। यह वही लोग हैं जो बाबा साहब अंबेडकर के बनाए हुए संविधान को बदलना चाहते थे। यह संविधान नहीं मन विधान से चलने वाले लोग हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि बाबा साहब के बारे में जो निकलकर सामने आया है वह भाजपा नेताओं का नेचुरल भाव है। हम लोग पहले से भी कह रहे हैं कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। यह बात राज्यसभा में सामने आ गई।

श्री यादव ने संभल बिजली विभाग की छापेमारी को लेकर कहा कि वहां पर सरकार के अधिकारियों ने खेल किया है। अधिकारी छापा मार रहे हैं और परेशान कर रहे हैं। महिलाओं को अपमानित कर रहे हैं, सांसद के भी घर गए थे। उन्होने कहा ह्न मैं तो कहूंगा कि मुख्यमंत्री जी अपने भाजपा के लोगों की भी जांच करें, उनके घरों पर भी छापे मारे, वह बड़े पैमाने पर बिजली चोरी कर रहे हैं। अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश में जहां-जहां बड़ी-बड़ी कंपनियों को छापे पड़े थे वह सब भाजपा के लोग हैं।

भाजपा-कांग्रेस बाबा साहेब का नहीं करती सम्मान : मायावती

गृहमंत्री डा. भीमराव अंबेडकर के लिए कहे गए शब्द वापस लें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि भाजपा व कांग्रेस जातिवादी दल हैं और बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का सम्मान नहीं करते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में डा. भीमराव अंबेडकर के बारे में जिन शब्दों का इस्तेमाल किया है, उससे उनकी गरिमा व अस्तित्व को काफी ठेस पहुंची है। इससे उनका अपमान हुआ है। इसको लेकर पूरे देश में उनके अनुयाइयों में जबरदस्त गुस्सा है। उन्हें अपने शब्द वापस लेने चाहिए और इसके लिए पश्चाताप भी करना चाहिए।

मायावती ने गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में बातचीत में कहा कि बाबा साहेब के अनुयायी इस घटना को कभी भुला नहीं पाएंगे और न ही गृहमंत्री को कभी माफ कर पाएंगे। जिस प्रकार कांग्रेस पार्टी के असंख्य रहे गलत कारनामों को इनके अनुयायी अभी तक भुला नहीं पाए हैं। कांग्रेस को इनके अनुयायी कभी माफ करने वाले नहीं हैं, चाहे ये लोग अपने कितने ही रंग, ढंग व चाल आदि क्यों न बदल लें। उन्होंने कहा कि दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों को भाजपा व कांग्रेस की दिखावटी व छलावा वाली सियासत से बचना चाहिए। इनके लुभावने वादे व गारंटी आदि से गुमराह नहीं होना चाहिए। समाज के लोगों को इनसे सावधान रहने की जरूरत है। देश में दलितों व उपेक्षितों को पता है कि कांग्रेस की तरह भाजपा भी पीछे नहीं है। भाजपा भी इन वर्गों के वोटों को लुभाने के लिए आए दिन किस्म किस्म की सियासत करती रहती है। इसी चक्कर में पार्टी अब खुद ही अपने जंजाल में बहुत बुरी तरह से फंस गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने डा. अंबेडकर के देहांत के बाद संविधान निर्माण में रहे इनके योगदान को इतिहास के पन्नों से मिटाने की पूरी कोशिश की है। भाजपा व कांग्रेस पार्टी एंड कंपनी के लोग जातिवादी दल हैं। वे सभी अभी भी बाबा साहेब का कतई दिल से सम्मान नहीं करते हैं। इनका सम्मान केवल दिखावटी व छलावा है। उन्होंने सत्ता व विपक्ष दलों को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इन्होंने दलितों व अन्य उपेक्षित वर्गों के वोटों की खातिर अपनी यह सियासत बंद नहीं की तो बसपा पूरे देश में इनके खिलाफ आवाज उठाते इनका पर्दाफाश करेगी।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

झरेखापुर सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत ब्रहस्पतिवार को हरगांव पुलिस टीम ने झरेखापुर के कमला शिक्षा निकेतन इण्टर कालेज की छात्राओं को जागरूक किया। महिलाओं और छात्राओं को सुरक्षा व महिला अपराधों के बारे में बताया।कार्यक्रम में महिला हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गयी। झरेखापुर चौकी प्रभारी राजेश कुमार सरोज ने छात्राओं में आत्मविश्वास भरते हुए सुरक्षा के प्रति जागरूक किया और कहा कोई भी समस्या होने पुलिस की मदद निर्भीकता से मांगे। इस मौके पर प्रधानाचार्य अनुपम पाण्डेय व महिला आरक्षी माया पूजा अंजना त्यागी कांस्टेबल सतीश कुमार मौजूद रहे।

जांच में मिला नवीन परती भूमि पर कब्जा

हरगांव सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। ग्राम सभा में नवीन परती की भूमि पर कब्जे की शिकायत की गई थी।राजस्व विभाग की जांच में भूमि पर लोगों का कब्जा पाया गया है।लहरपुर तहसील क्षेत्र के सरावां ग्राम पंचायत मजरा पंडित पुरवा निवासिनी शारिफा गाजी ने गांव के उस्मान, मुजाबिर,मुजाहिम,इसरार,अबरार इसराज द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की थी।लेखपाल व राजस्व निरीक्षक ने पैमाईश कर 17 दिसंबर को शिकायती पत्र में दिए गए कब्जेदारों का कब्जा कर पक्के मकान बने होने की पुष्टि कर दी है।

पानी भरने गई महिला की कपड़े उतार कर पिटाई

झरेखापुर सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता।। सरकारी नल पर पानी भरने गई महिला से मारपीट की गई है।कोतवाली देहात क्षेत्र के गौरा अर्जुनपुर निवासिनी संगीता पत्नी फूल चंद्र ने गुरुवार को कोतवाली में तहरीर देकर रामेंद्र हरिशंकर व नीरज पर मारपीट का आरोप लगाया है।आरोप है कि तीनों ने मिलकर महिला के कपड़े उतारकर जमकर मारा पीटा।शोरगुल सुनकर ग्रामीणों ने पहुंचकर महिला को सुरक्षित किया।तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।मामले में प्रभारी निरीक्षक अपराध राजबहादुर ने बताया शाहमहोली चौकी प्रभारी हरिश्चंद्र यादव को जांच के लिए भेजा गया था।मामला मारपीट का है अन्य आरोप निराधार हैं।

कल तक कार्रवाई न हुई तो शुरू होगा आमरण अनशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भाकियू (किसान) संगठन ने मेजा एसडीएम को ज्ञापन सौंपा, मेजा ब्लाक में चौथे दिन भी आमरण अनशन जारी , सीडीओ को सत्याग्रह स्थल पर बुलाने पर अड़े किसान

मेजा प्रयागराज। ब्लाक में हिसाब दो, जवाब दो सत्याग्रह के चौथे दिन सैकड़ों की संख्या में किसान- मजदूर तहसील मुख्यालय पहुंचे और एसडीएम मेजा को ज्ञापन सौंपा। भाकियू किसान संरक्षक राम शिरोमणि तिवारी ने एसडीएम से कहा कि कल दोपहर तक सत्याग्रह पर बैठे किसानों-मजदूरों को न्याय न मिला तो सत्याग्रह पर बैठे लोग आमरण अनशन शुरू कर देंगे। एसडीएम को सौंपे गये ज्ञापन में सीडीओ को सत्याग्रह स्थल पर आने और न्याय दिलाने की मांग की गयी है।

बता दें कि ग्राम पंचायत में विकास कार्यों के लिये मिले सरकारी धन के गबन को लेकर भारतीय किसान यूनियन (किसान) के प्रदेश अध्यक्ष पूर्वांचल राजीव चन्देल के नेतृत्व में मेजा ब्लाक में 'हिसाब दो जवाब दो' सत्याग्रह आन्दोलन चल रहा है। आन्दोलन के तीसरे दिन बीडीओ मेजा मांग पत्र लेकर जांच टीम के साथ ग्राम पंचायत कौहट पहुंचे। जहां मनरेगा, आवास , ईंटरलाकिंग सड़कों की जांच शुरू हुई, जहां भारी पैमाने पर खामियां पायी गयीं। मौके पर ग्रामीणों ने बीडीओ से घटिया निर्माण कार्यों को लेकर जमकर शिकायत की। करीब आठ घंटे तक सभी अधिकारी गांव में डटे रहे, लेकिन मांग पत्र में शामिल 17 बिन्दुओं पर जांच नही हो सकी। ग्रामीणों को बताया गया कि जांच दूसरे दिन भी जारी रहेगी। लेकिन दूसरे दिन कोई भी अधिकारी जांच करने गांव नहीं पहुँचे। इसकी जानकारी होते ही सत्याग्रह स्थल से सैकड़ों की संख्या में बैठे महिलाएं, नवजवान सीधे एसडीएम कार्यालय पहुंच गये और बीडीओ मेजा के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। शोरगुल सुनकर अपने आवास पर बैठे एसडीएम बाहर आ गये। जहां संरक्षक राम शिरोमणि तिवारी, मंडल अध्यक्ष मंजू राज आदिवासी, भइया जी मिश्रा ने एसडीएम को ज्ञापन के माध्यम से बताया कि कल तक ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार को लेकर हो रही जांच के विषय में कोई समुचित कार्रवाई न हुई तो सत्याग्रह पर बैठे लोग आमरण अनशन करने को बाध्य हो जायेंगे। ज्ञापन लेने के बाद एसडीएम ने तत्काल सीडीओ को लिखित तौर पर जानकारी दे दी । इधर प्रदेश अध्यक्ष पूर्वांचल राजीव चन्देल ने कहा कि जब तक ग्राम पंचायत में हुई सरकारी धन की हेराफ़ेरी की जांच कर उचित कार्रवाई नहीं हो जाती तब तक आन्दोलन जारी रहेगा। सत्याग्रह आन्दोलन पर मंडल महासचिव मोहिनी पांडेय, तहसील अध्यक्ष करछना श्याम पान्डेय, जिला उपाध्यक्ष रत्नाकर सिंह लाल साहब, मंडल महासचिव धर्मेंद्र सिंह पटेल, जिला संगठन मंत्री शिव शंकर सिंह, जिला उपाध्यक्ष रमाकांत यादव, मंडल महासचिव मनोरमा आदिवासी, मंडल उपाध्यक्ष पंकज चन्देल, पवन सिंह, विष्णु मिश्रा, जिलाध्यक्ष रीना गौतम, ब्लाक अध्यक्ष शंकराचार्य भूर्तिया, तहसील अध्यक्ष करछना, जिला उपाध्यक्ष राकेश पटेल, ब्लाक अध्यक्ष कौंधियारा मोनू दुबे सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

विजय बहादुर ने विंध्यवासिनी मंदिर के करीब शराब बिक्री का किया विरोध

मिर्ज़ापुर। मीरजापुर जिले में मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर के आसपास नशीले पदार्थों की बिक्री का मामला विधान परिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पार्षद विजय बहादुर पाठक ने उठाते हुये इस पर तत्काल प्रबंध की मांग की है। गौरतलब है कि पिछले पखवाड़े केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद अनुप्रिया पटेल ने भी विंध्याचल में शराब और हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों की बिक्री को लेकर चिंता व्यक्त की थी और जिला प्रशासन से मंदिर परिसर के आसपास मादक पदार्थों की बिक्री और सेवन पर अंकुश के निर्देश दिये थे। विधान परिषद में गुरुवार को विंध्यवासिनी धाम में नशीले पदार्थों की बिक्री का मामला भाजपा विधायक विजय बहादुर पाठक ने उठाया। उन्होंने तर्क रखा कि विंध्याचल में धाम के पास ही शराब का ठेका है। विधान परिषद में मामला उठने के साथ देवी भक्तों को एक बार फिर मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध की उम्मीद बंध गयी है।

नौनिहाल बच्चों को फावड़ा देकर कराया जा रहा विद्यालय का काम, अभिभावकों में आक्रोश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मेजा प्रयागराज। जहां एक तरफ सरकार द्वारा शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का कार्य कर रही है वहीं देखा जाए तो विद्यालय के प्रधानाचार्य सहायक अध्यापकों की लापरवाही से नौनिहालों के साथ शिक्षा के नाम पर खिलवाड़ किया जा रहा है। मामला यमुनापार के मेजा खास प्राथमिक विद्यालय द्वितीय का है जहां नौनिहालो की प्रताड़ना रुकने का नाम नहीं ले रही है। पढ़ाई की जगह नौनिहालों से आए दिन शिक्षकों द्वारा काम कराए जा रहे हैं।

एक बार फिर मेजा मे नौनिहालों से साफ सफाई व फावड़े से इंट साहित मिट्टी खुदाई का कार्य कराए जाने का एक वीडियो खूब तेजी से वायरल हो रहा हैं। वायरल वीडियो क्षेत्र मे चर्चा का विषय बनकर रह गया है। मेजा तहसील क्षेत्र के मेजा खास प्राथमिक विद्यालय मे गुरुवर की सुबह प्रिंसिपल अनामिका मिश्रा द्वारा नौनिहालों से ईंट हटवाने एवं फावडे से मिट्टी खुदाई एवं समतलीकरण कराया जा रहा था। इसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही अभिभावकों साहित शिक्षकों में खलबली मच गई। वायरल वीडियो मे साफ साफ देखा जा रहा है की नौनिहाल विद्यालय परिसर मे कार्य करते दिखाई दे रहे हैं। कुछ नौनिहालों के हाथ मे फावड़ा भी साफ देखा जा रहा है। इतना ही नहीं वीडियो बनाने वाले शख्स को मना किए जाने की बात भी सुनाई दे रही है।

ऐसी दशा मे बात सामने आती है की मेजा के तमाम विद्यालयों मे आए दिन ऐसे कामकाज नौनिहालो से कराए जा रहे है लेकिन अधिकारी कार्यवाही के नाम पर महज पल्ला झाड़ने मे मस्त हैं। कार्यवाही न होने के कारण ही शिक्षकों की मनमनी आए दिन देखने को मिल रही है। जिससे अभिभावकों मे आक्रोश व्याप्त है।

कर्नलगंज थाना की पुलिस ने दर्ज किया गुमशुदगी तलाश जारी

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। धूमनगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले रामदेव सिंह पुत्र स्व0 शिवनंदन सिंह उम्र करीब 83 वर्ष निवासी 373J/A न्याय विहार कॉलोनी प्रयागराज कटरा रामलीला कमेटी कर्नलगंज से 11दिसम्बर .2024 को सुबह 5 साढ़े पाँच बजे के आसपास गुम हो गए परिजनों ने अपने स्तर सें काफी खोजबीन किया लेकीन कोई पता नहीँ चला परिजनों ने थाना कर्नलगंज को गुमशुदगी की तहरीर दी तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करके भिभिन्न माध्यम सें खोजने का पूरा अथक प्रयास कर रही है।

न्यायालय के आदेश पर हुई 82 सीआरपीसी कुर्की की कार्रवाही

कोरांव प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। सोनभद्र जिला के करमा थाना मे उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम व पशु क्रूरता अधिनियम के तहत प्रयागराज जनपद के खीरी थाना क्षेत्र के उचगांव (कुंडवा) के रहने वाले साहरुख खान पुत्र शमीम अहमद व मुख्तार अहमद पुत्र नसीरुद्दीन के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत है दोनो अभियुक्त लगातार फरार चल रहे है विवेचक द्वारा लगातार गिरफ्तारी के लिए जगह जगह दबीश दिया गया लेकीन पकड़ सें बाहर है विवेचक द्वारा उक्त मुकदमा मे न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनभद्र द्वारा पहले एन बी डब्लू लिया गया इसके बावजूद आरोपी नहीँ पकड़ मे आये तो पुनः विवेचक द्वारा धारा 82 सी आर पीसी कुर्की उदघोषणा कार्रवाही की मुनादी अभियुक्तगणो के आवास उचगांव (कुंड वा)खीरी पुलिस के सहयोग सें किया गया फिलहाल विवेचक द्वारा निरंतर गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है लेकीन अभियुक्तगण लगातार फरार है

बोरे की व्यवस्था कर किसान क्रय केंद्र तक पहुंचा रहे धान

मेजा प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। तहसील क्षेत्र में विपणन विभाग के मेजा खास, चपरतला, मेजा रोड,बजहा में धान बेचने वाले किसानों की भारी भीड़ लगी हुई है। केन्द्र प्रभारी किसानों को टोकन देकर बारी-बारी से धान की खरीद कर रहे हैं। अब तक मेजा खास धान क्रय केन्द्र पर दस हजार दो सौ क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। केन्द्र प्रभारी शिखा पांडेय ने बताया कि उनके केन्द्र पर लक्ष्य के सापेक्ष 13500 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। उधर चपरतला क्रय केंद्र के प्रभारी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि 12 हजार 200 सौ क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है। विभाग से तीस हजार क्विंटल धान की खरीद की जानी है। इस केन्द्र पर धान बेचने वाले किसान लल्लन प्रसाद यादव निवासी चपरतला, कृष्णदेव शुक्ला निवासी भरूही,सूर्यमणि निषाद निवासी गेंदुराही ने बताया कि केंद्र पर बोरा मौजूद नहीं है, जिससे वह बोरे की व्यवस्था कर धान क्रय केन्द्र तक पहुंच रहे हैं। इस बारे में प्रभारी ने बताया कि इस बार धान मिलरों व कोटेदारों से बोरा नहीं मिल सका है, जिससे केन्द्र पर ऐसी स्थिति बनी हुई है। सूत्रों की माने तो पिछले वर्ष कोटेदारों व मिलरों से बोरे क्रय केन्द्र द्वारा मंगाए गए थे, उनका भुगतान नहीं किया जा सका, जिससे बोरे की दिक्कत बन गई है। उधर विपणन विभाग के मेजारोड क्रय केन्द्र पर दस हजार पाँच सौ क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है, जबकि बजहा क्रय केन्द्र पर धान की खरीद 9 हजार 7 सौ 96 क्विंटल धान की खरीद की जा चुकी है, केन्द्र की प्रभारी अर्चना तिवारी ने बताया कि बांदा जिले के चित्रकूट संभाग से बोरा आने वाला है, जिसमें किसानों का धान लिया जाएगा।

शेरों को कब्ज मुक्ति के लिये दी जा रही आयुर्वेदिक गोलियां

इटावा। इटावा सफारी पार्क प्रबंधन ने पार्क के शेरों में कब्ज की समस्या को दूर करने के लिए आयुर्वेदिक गोलियां देने का निर्णय लिया है।

पार्क के निदेशक डॉ.अनिल कुमार पटेल ने गुरुवार को यूनीवार्ता को बताया कि ऐसा देखा गया है कि सर्दी के मौसम और बढ़ती उम्र में शेरों को कब्ज की समस्या खड़ी हो जाती है और उन्हे मल त्याग करने में कठिनाई होती है। इन्हीं सभी समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सफारी प्रबंधन ने आयुर्वेद का सहारा लिया है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने अपनी जांच में पाया है कि कभी कभी शेरों में भी कब्ज की समस्या होती है। इसलिए इटावा लॉयन सफारी में एशियाई शेरों को कब्ज होने की स्थिति में इस समस्या से निजात दिलाने के लिए आयुर्वेदिक दवाएं देना शुरू कर दिया गया है ।

अतिक्रमण से आये दिन लग रहा कस्बा कोरांव में जाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव(प्रयागराज) नगर पंचायत कोरांव कस्बा मे ज्यादातर ब्यापारियों द्वारा नाली के भीतर दुकान न लगाकर नाली के काफी बाहर दोनों तरफ दुकान लगा रहे है जिसके कारण कस्बा कोरांव का मुख्य मार्ग सकरा हो गया है जिससे आयेदिन जाम लग रहा है इसी जाम मे प्रसव पीड़ा दर्द सें कराहती महिला व घायल ब्यक्ति एम्बुलेंस वाहन आयेदिन जाम मे फसा रहता है इसके बावजूद ब्यापारियों को जरा सा भी रहम नहीँ है की दुकान नाली के अंदर लगाये जाम सें जल्दबाजी मे निकलने की होड़ को लेकर आयेदिन आपस मे राहगीर उलझ भी जाते है नौबत मारपीट तक आ जाती है कई वर्षो पहले तहसील के आला अधिकारी व पुलिस प्रशासन व नगर पंचायत के सहयोग सें ब्यापारियों द्वारा किया गया अतिक्रमण को हटवाया गया था कुछ दिन तक आने जाने मे सहूलियत रहा लेकीन पुनः पूर्व की तरह सड़क तक काफी कब्जा करके स्थाई निर्माण करके कब्जे किए हुये है जिससे आयेदिन जाम की नौबत बना रहता है साथ ही महाकुम्भ प्रयागराज मे अधिकांश लोग मध्य प्रदेश सें कोरांव बाजार होकर गुजरते है जिससें काफी और आने जाने वाले लोगो को जाम सें जूझना पड़ेगा ब्यापारियों द्वारा कूड़ा कचरा को नाली मे ही डाल दिया जाता है जिसके कारण नाली पूरी जाम है जिससे बदबू दुर्गन्ध आ रहा मच्छर भी खूब पनप रहे है क्षेत्रवाशियो ने एसडीएम कोरांव, नगर पंचायत कोरांव, स्थानीय पुलिस का ध्यान आकृस्ट कराते हुये अतिक्रमण हटवाने की माँग की है जिससे जाम की समस्या सें निजात मिल सके।

उत्कृष्ट कार्य पर प्रधान को मंडलायुक्त ने किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

करछना प्रयागराज विकास खंड करछना अन्तर्गत चनैनी ग्राम पंचायत प्रधान धीतेश तिवारी द्वारा ग्राम पंचायत चनैनी विकास खंड करछना प्रयागराज के कार्य में सफलता हेतु उत्कृष्ट कार्य लेकर गांव की तस्वीर बदल दी जो अन्य ग्राम पंचायतों की तुलना में एक माडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया गया है जिसको लेकर अपने कार्यों के लिए सर्वोच्च प्रधान का अवार्ड अल्ट्राटेक सीमेंट के द्वारा मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, सीडीओ गौरव कुमार व जिला पंचायत अध्यक्ष डा बीके सिंह अध्यक्ष जिला पंचायत के द्वारा देकर सम्मानित किया गया।क्षेत्र के लिए गौरव की बात है , विकास खंड करछना के अस्सी प्रधानों में एकलौते प्रधान को उनके उत्कृष्ट कार्य करने पर मंडलायुक्त के हाथों सम्मानित होने पर प्रधान संघ अध्यक्ष अवतार किशन सिंह एडवोकेट सहित सुरेश पांडे, परमानंद मौर्या, बजरंगी, बिरूसिह, दिवाकर सिंह, नागेन्द्र पांडे सहित प्रधान प्रतिनिधियों ने बधाई दी है

महाकुम्भ नगर में सज रही है उपलों व मिट्टी के चूल्हों की मंडी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महाकुम्भ नगर में साधु-संतों व कल्पवासियों के अस्थाई शिविरों में रहती है उपलों व मिट्टी के चूल्हों की विशेष मांग

मेला प्रशासन द्वारा मेला में हीटर व छोटे एलपीजी सिलेंडर पर लगी पाबंदी से भी उपलों व मिट्टी के चूल्हों की बढ़ी मांग

15 हजार से अधिक महिलाओं के लिए बना आजीविका का जरिया

प्रयागराज महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ को दिव्य, भव्य व सुरक्षित बनाने में योगी सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। आस्था व अध्यात्म के यह महा समागम लाखों लोगों की जीविका का जरिया भी बन रहा है। महाकुम्भ नगर के अंतर्गत आने वाले गांवों की ग्रामीण महिलाओं की आजीविका बढ़ाने के महाकुम्भ ने नए अवसर दे दिए हैं।

संगम किनारे 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 के मध्य आयोजित होने जा रहा महाकुम्भ होटल, ट्रैवल और टेंटेज , फूड जैसी बड़ी इंडस्ट्रीज के साथ छोटे मोटे काम करने वाले लोगों के लिए भी जीविका के अवसर प्रदान कर रहा है। महाकुम्भ नगर नाम से सृजित हुए अस्थाई जिले के अंतर्गत आने वाले 67 गांवों में पशुपालन से जुड़े कार्य में लगे परिवारों की 15 हजार से अधिक महिलाओं के लिए इस महाकुम्भ ने जीविका का जरिया दे दिया है। गंगा व यमुना किनारे बसे कई गाँवों में इन दिनों ईंधन के परम्परागत रूप उपलों का नया बाजार विकसित होने लगा है। इन गाँवों में नदी किनारे बड़ी तादाद में उपलों की मंडी बन गई है। गाँवों में इन दिनों गोबर से बने उपलों को बनाने में स्थानीय महिलाएं पूरे दिन लगी हुई हैं।

हेतापट्टी गांव की सावित्री का कहना है कि पिछले एक महीने से उनके पास महाकुम्भ में अपने शिविर लगाने वाली संस्थाएं उपले सप्लाई करने के ऑर्डर दे रही हैं । इसी गांव की सीमा सुबह से ही अपने घर की आमतौर पर खाली रहने वाली महिलाओं के साथ मिट्टी के चूल्हे तैयार करने में जुट जाती हैं। सीमा बताती हैं कि महाकुम्भ में कल्पवास करने आने वाले श्रद्धालुओं का खाना इन्ही चूल्हों पर तैयार होता है । इसके लिए अभी तक उनके पास सात हजार मिट्टी के चूल्हे तैयार करने के ऑर्डर मिल चुके हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक महाकुम्भ में दस हजार से अधिक संस्थाएं इस बार लगेंगी। इसमें सात लाख से अधिक कल्पवासियों को भी जगह मिलेगी। मेला क्षेत्र में बड़ी संस्थाएं और अखाड़े वैसे तो कुकिंग गैस के बड़े सिलेंडर का इस्तेमाल करती हैं क्योंकि इन्हें प्रतिदिन लाखों लोगों को भोजन कराना होता है। लेकिन, धर्माचार्यों, साधु संतों और कल्पवासी अभी भी अपनी पुरानी व्यवस्था के अंदर ही खाना बनाते हैं। कुछ स्थानों पर आग लगने की घटनाओं में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर का इस्तेमाल बड़ी वजह पाई जाने के मेला प्रशासन ने शिविरों में हीटर और छोटे गैस सिलेंडर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इस नई व्यवस्था की वजह से भी अब गांव की इन महिलाओं के हाथ से बने उपलों और मिट्टी के चूल्हों की मांग बढ़ गई है। तीर्थ पुरोहित संकटा तिवारी बताते हैं कि तीर्थ पुरोहितों के यहां ही सबसे अधिक कल्पवासी रुकते हैं। ऐसे में, उनकी पहली प्राथमिकता पवित्रता व परम्परा होती है इसके लिए वह मिट्टी के चूल्हों पर उपलों से बना भोजन ही बनाना पसंद करते हैं।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अपने पुत्र श्रेय सिंह को गलत चाल-चलन व गलत गतिविधियों में लिप्त होने के कारण दिनांक-19.12.2024 को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्धों को विच्छेद कर लिया है इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूं जिसकी समस्त जिम्मेदारी श्रेय सिंह की होगी।

एलडीए की जनता अदालत में हुआ जनता की समस्याओं का निस्तारण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। गुरूवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण में जनता अदालत का आयोजन किया गया। इस जनता अदालत में नामांतरण, रजिस्ट्री, फ्री-होल्ड व अवैध निर्माण आदि से सम्बंधित कुल 42 मामले आये। जिनमें से 15 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया और शेष प्रकरणों के निस्तारण के सम्बंध में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार द्वारा समय-सीमा निर्धारित करते हुए अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देश दिए गए है। एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि जन सामान्य एवं आवंटियों की समस्याओं एवं उनके कार्यों को त्वरित गति से शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित किये जाने के उद्देश्य से गुरूवार को प्राधिकरण भवन के पारिजात सभागार में ल्लप्राधिकरण दिवस/जनता अदालतल्ल का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जनता अदालत में उपस्थित होकर जन सामान्य की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुना। जनता अदालत में पहुंची कानपुर निवासी नीलम सिंह ने मानसरोवर योजना के सेक्टर-ओ स्थित भूखण्ड संख्या सी-3/181 के निबंधन के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने बताया कि भूखण्ड में लगभग 100 वर्गमीटर अतिरिक्त भूमि है। जिसकी गणना के अनुसार वह पूर्ण धनराशि जमा करा चुकी है लेकिन अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुयी है। इस पर उपाध्यक्ष ने सम्बंधित अधिकारी व बाबू को मौके पर बुलाकर जवाब तलब किया। पता चला कि भूखण्ड की मूल पत्रावली उपलब्ध नहीं होने से निबंधन की कार्यवाही लंबित है। उपाध्यक्ष ने बाबू को फटकार लगाते हुए निर्देश दिये कि आवंटी के पास उपलब्ध रसीदों व दस्तावेज के आधार पर 15 दिन के अंदर डुपलीकेट फाइल बनाकर रजिस्ट्री करायी जाए। इस क्रम में चरनजीत कौर ने कानपुर रोड योजना के सेक्टर-एफ स्थित भवन संख्या एलडी-173 की रजिस्ट्री के लिए आवेदन किया। पता चला कि आवंटी द्वारा अभी तक पूर्ण धनराशि जमा नहीं करायी गयी है। इस पर उपाध्यक्ष ने मौके पर ही सम्पत्ति की गणना करवाकर आगे की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके अलावा प्रियदर्शिनी योजना के सेक्टर-सी निवासी कृष्ण कुमार ने प्रार्थना पत्र दिया कि पार्क का ट्यूबवेल खराब है, जिससे समस्या उत्पन्न हो रही है। इस पर जोन-4 के अधिशासी अभियंता को मौके पर टीम भेजकर कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। इस मौके पर अपर सचिव सीपी त्रिपाठी, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह एवं सोमकमल सीताराम, विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, वंदना पाण्डेय, रंजना अवस्थी, शशिभूषण पाठक एवं रवि नंदन सिंह समेत अन्य अधिकारी व अभियंता गण उपस्थित रहे।

पुलिस की निष्क्रियता और पक्षपाती रवैया पीड़ित परिवार ने उठाए गंभीर सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ।18 दिसंबर की रात करीब 2 बजे गौतमपल्ली थाना क्षेत्र स्थित 1090 चौराहे के पास एक सड़क हादसा हुआ, जिसमें डॉक्टर नायाब खान और उनके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों युवक अपनी व्हाइट बुलेट पर निजी काम से जा रहे थे, जब उनकी बुलेट एक कार से टकरा गई। हादसे में दोनों के पैरों की हड्डियां टूट गईं, और उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल भेजा गया। इलाज के लिए असंतुष्ट होने पर, पीड़ितों के परिजनों ने उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवा लिया। मामला बढ़ने पर, पीड़ित के भाई जब थाना पहुंचे और कार मालिक से इलाज हेतु मुआवजे की बात की तो पुलिस ने उनका सहयोग करने की बजाय एक और हैरान करने वाली भूमिका निभाई। पीड़ित के भाई का आरोप है कि पुलिस ने आरोपी कार चालक को थाने नहीं बुलाया और उसे बिना पूछताछ के छोड़ दिया। जब उन्होंने मुआवजे की बात की, तो पुलिस ने यह सवाल किया, ल्लआपको क्या चाहिए, आप हमें बताइए। पुलिस ने न केवल आरोपी का पक्ष लिया, बल्कि यह भी कहा कि ''जो भी चाहिए, हम कार मालिक से बात कर लेंगे।

पीड़ित के भाई ने पुलिस से कार मालिक से मिलवाने की मांग की, लेकिन पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति को भेजा, जो केवल पीड़ित की बातें सुनकर मालिक तक पहुंचने का दावा कर रहा था। पीड़ित और उनके परिवार ने यह आरोप भी लगाया कि पुलिस ने पूरी तरह से मामले में निष्क्रियता दिखाते हुए एक पक्ष का समर्थन किया और पीड़ित परिवार को अनदेखा किया है। यह घटना पुलिस की लापरवाही और पक्षपाती रवैये को उजागर करती है। पीड़ित परिवार ने इस मामले में तत्काल निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए अधिकारियों से न्याय की उम्मीद जताई है। इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं, और अब देखना यह है कि इस मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

लापता छात्र का खून से लथपथ मिला शव, ग्रामीणों ने किया हंगामा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी,लखनऊ। गुरुवार को बख्शी का तालाब थानांतर्गत एक सप्ताह से लापता इंटर प्रथम वर्ष के छात्र का शव एक ख़ाली निर्माधीन मकान में पाया गया वहीं शव मिलने की सूचना पर आसपास हड़कंप मच गया और मौक़े पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त करवाकर परिजनों को सूचना देकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई थी।प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकेटी थानांतर्गत हाजीपुर गांव निवासी आठ दिन से लापता छात्र पीयूष उर्फ मानू रावत (20) का शव एक निर्माणाधीन कालोनी के एक घर में पाया गया।वहीं घर मे शव पड़ा देख ग्रामीणों ने सूचना बीकेटी पुलिस को दी।वहीं मौके पर पहुंचे परिजनों समेत सैकड़ों ग्रामीण शव देखकर आक्रोशित हो गए और हंगामा करने लगे,पीयूष उर्फ मानू रावत (20) बीकेटी इंटर कालेज में इंटर प्रथम वर्ष का छात्र था।पिता द्वारा दर्ज कराई गुमसुदगी में बताया गया की 11 दिसम्बर की शाम करीब सात बजे वह अज्ञात दोस्त की बाइक पर बैठकर घर से गया था।जब देर रात तक वापस घर नहीं लौटा तो फोन मिलाया गया तो वह बंद था।जिसके बाद आसपास तलाश की गई परतु पता नहीं चला।फिर दूसरे दिन भी वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।जिसके बाद पुलिस व परिजन इधर उधर तलाश कर रहे थे।लेकिन कोई पता नही चल पा रहा था।वहीं मृतक छात्र का शव देखकर उनके परिजन हत्या का आरोप लगाकर जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा काट रहे थे,मौक़े पर पहुंचे एडीसीपी उत्तरी जीतेंद्र दुबे ने मृतक के परिजनों को जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी कर कठोर कार्यवाही का आश्वासन दिया जिसके बाद परिजन शांत हुए।

मोहनलालगंज बार एसोसिएशन ने अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में किया प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ जनपद के विधानसभा मोहनलालगंज के बार एसोसिएशन मोहनलालगंज द्वारा 18 दिसंबर 2024 को लोकसभा सदन में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा दलितों पिछड़ों व वंचितों के मसीहा और संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के खिलाफ की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया गया। सभी अधिवक्ताओं ने एक स्वर में मांग की कि गृहमंत्री अमित शाह को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन में पूर्व विधायक एवं पूर्व महा मंत्री बार एसोसिएशन

तहसील परिसर में भारी संख्या में अधिवक्ता रहे मौजूद

मोहनलालगंज अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, महामंत्री रामलखन यादव, पूर्व अध्यक्ष श्रवण कुमार यादव, केपी सिंह, उपाध्यक्ष जय बिंद चौधरी, रविशंकर रावत, राज बहादुर रावत, मुन्ना लाल यादव, मनोज यादव, आशीष यादव, संजय रावत, विपिन पाल, सुनील लोधी, अजय यादव, अखिलेश गौतम, पवन रावत, सतीश रावत, अरविन्द यादव, गुंजन यादव, ब्रजेश जयसवाल, संजय रावत, अशोक रावत, सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण शामिल रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ता की मौत की जांच करने प्रदेश कार्यालय पहुंची पुलिस

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। बुधवार को कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की मौत मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसकी जांच के लिए पुलिस गुरुवार सुबह कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पहुंची और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलित किये। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी के अनुसार कांग्रेस दफ्तर के केयरटेकर के बयान दर्ज किए जाएंगे। सीसीटीवी फुटेज को जब्त किया जाएगा। प्रदर्शन का आह्वान करने वाले और इसमें शामिल लोगों से पूछताछ की जाएगी और सभी के बयान दर्ज किए जाएंगे।

पुलिस के अनुसार प्रभात के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। यह भी जानकारी की जाएगी कि उनके साथ गोरखपुर से कौन-कौन लोग आए थे और प्रदर्शन के दौरान प्रभात के साथ कौन लोग थे। साक्ष्य संकलन के आधार पर जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मृतक प्रभात पांडेय के चाचा मनीष पांडेय ने हुसैनगंज थाने में तहरीर दी है। प्रभात पांडेय के परिजनों ने हत्या का मामला मानते हुए जांच करने की मांग की है।

हुसैनगंज पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। उधर, प्रभात पांडेय की मौत को लेकर कांग्रेस आज सड़क पर उतरेगी।

शटर उठाकर नकदी चोरी

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी के विजय नगर निलमथा इलाके में बुधवार की रात चोरो ने निलमथा के विजय नगर इलाके में एक दुकान का शटर जग से उठाकर अंदर उसे जिसके बाद दुकान में रखी हजारों रुपये की नकदी व कुछ सामान चोरी कर ले गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद पीड़ित से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार निश्रा ने बताया कि भगवंत नगर कालोनी निवासी आशीष कुमार सिंह निलमथा के विजय नगर इलाके जनरल मर्चेंट की दुकान चालाते है। बुधवार की रात चोरो ने दुकान का शटर जग के सहारे उठा कर दुकान में रखी नकदी चोरी की है। आसपास लगे सीसीटीवी व सर्विलांस टीम की मदद से चोरो का पता लगया जा रहा है।

इस हंगामे के बीच अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए प्रश्न लेना शुरू किए।

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में लखनऊ रिक्रिएशन क्लब ने लखनऊ ह्वाइट क्रिकेट क्लब को 199 रन से हरा दिया। लखनऊ रिक्रिएशन के सलमान रिजवी ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 75 बाल पर 93 रन बनाये। वहीं गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी झटके।

लखनऊ रिक्रिएशन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 325 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज जमाल काजिम ने 35 रन का योगदान दिया। वहीं सलमान रिजवी ने 10 चौका और दो छक्का की मदद से 75 बाल पर 93 रन बनाये, जबकि अब्बास ने नौ चौका और चार छक्का की मदद से 64 बाल पर 92 रन का योगदान दिया। वहीं लखनऊ ह्वाइट की पूरी टीम 126 रन बनाकर ही पवेलियन लौट गयी। सलामी बल्लेबाज सागर कुमार ने 16 रन का योगदान दिया। वहीं अपनी टीम में सर्वाधिक अभिषेक कुमार ने 34 रन का योगदान दिया। दो बल्लेबाज शून्य पर ही पवेलियन लौट गये।

पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा साहिबजादा दिवस : बलदेव सिंह औलख

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख द्वारा गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर सिक्ख समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ आगामी 26 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास पर मनाये जाने वाले साहिबजादा दिवस की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। औलख ने बताया कि यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा।

औलख ने बताया कि साहिबजादा दिवस की तैयारी को लेकर प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सिक्खों के 10 वें गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत के सम्मान में प्रतिवर्ष 26 दिसंबर को साहिबजादा दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि साहिबजादा दिवस का यह कार्यक्रम प्रदेश भर में मनाया जाएगा। इस अवसर पर सूचना निदेशक शिशिर, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य परवेंदर सिंह, गुरुद्वारा आलमबाग के प्रधान निर्मल सिंह, सुरेंद्र सिंह बक्शी, दिलप्रीत सिंह तथा लखविंदर सिंह सहित सिख समुदाय के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी की मंशा, उत्तर प्रदेश बने प्राकृतिक खेती का हब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कम होगी लागत, अच्छे मिलेंगे उत्पाद के दाम, खुशहाल होंगे किसान

लखनऊ, 19 दिसंबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को देश में प्राकृतिक खेती का हब बनाने के लिए हर मंच से पुरजोर पैरवी करते हैं। वह किसानों को भारतीय कृषि की इस परंपरागत कृषि पद्धति को तकनीक से जोड़कर और समृद्ध करने की बात भी करते हैं। इसके लिए उनकी सरकार किसानों को कई तरह की सुविधाएं भी दे रही है। गंगा के तटवर्ती गांवों और बुंदेलखंड में प्राकृतिक खेती पर सरकार का खासा जोर है। निराश्रित गोवंशों की भी होगी महत्वपूर्ण भूमिका सरकार की मंशा के अनुरूप गोवंश प्राकृतिक खेती की तरक्की की बुनियाद बनेंगे। निराश्रित गोवंशो की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इस खेती के और भी लाभ होंगे। मसलन, जहरीले रासायनिक खादों और कीटनाशकों का प्रयोग नहीं होने से क्रमशः जन, जमीन और जल की सेहत सुधरेगी। किसानों की खेती की लागत कम होगी। उत्पाद प्राकृतिक होने से किसानों को अपने उत्पाद के दाम भी अच्छे मिलेंगे। वैश्विक महामारी कोरोना के बाद पूरी दुनिया स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हुई है। हर जगह ऐसे उत्पादों की मांग बढ़ी है। मांग बढ़ने से इनके दाम भी अच्छे मिलेंगे। प्रदेश का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। सात वर्षों में यह बढ़कर दोगुना हो गया है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार 2017-2018 में उत्तर प्रदेश का निर्यात 88 हजार करोड़ रुपये था। 2023-2024 में यह बढ़कर 170 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से अन्नदाता किसान खुशहाल होंगे। खास बात यह है कि प्राकृतिक खेती से जो भी सुधार होगा, वह टिकाऊ (सस्टेनेबल), ठोस और स्थायी होगा। मुख्यमंत्री का गोवंश के प्रति प्रेम जगजाहिर है। वह अपने पहले कार्यकाल से ही गोवंश के संरक्षण पर जोर दे रहे हैं। इस बाबत निराश्रित गोवंश के लिए गोआश्रय केंद्र खोले गए। प्रति पशु के अनुसार भरण-पोषण के लिए पैसा भी दिया जाता है। चंद रोज पहले पेश किए गए अनुपूरक बजट में भी इस बाबत 1001 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री की मंशा इन गोआश्रयों को आत्मनिर्भर बनाने की है। ऐसा तभी संभव है जब इनके गोबर और मूत्र को आर्थिक रूप से उपयोगी बनाया जाए। इसके लिए समय-समय पर सरकार स्किल डेवलपमेंट का भी कार्यक्रम चलाती है। साथ ही मनरेगा के तहत भी पशुपालकों को सस्ते में कैटल शेड, पशु बाड़ा और गोबर गैस लगाने की सहूलियत दी जा रही। मिनी नंदिनी योजना भी गोवंश के संरक्षण और संवर्धन को ही ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें भी योगी सरकार कई तरह के अनुदान दे रही है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज की मानसिकता का बदलना जरूरी : स्वाती सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत ल्लअपने अधिकारों को जानें : महिलाओं के स्वास्थ्य शिक्षा और के लिए सरकारी नीतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना ङ्क विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। इसमें बतौर मुख्य अतिथि उप्र सरकार की पूर्व मंत्री स्वाती सिंह ने कहा कि समाज की मानसिकता को बदल बदलकर महिलाओं को सशक्त बनाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि भारत सरकार और प्रदेश सरकार ने वर्तमान में महिलाओं के उत्थान के लिए सैकड़ों नई योजनाओं की शुरुआत की है। इससे महिलाओं में आत्म सम्मान का भाव भी जागृत हुआ है। जरूरत समाज को बदलने की है। वह धीरे-धीरे ही हो सकता है, लेकिन इसकी शुरुआत विद्यालयों से होनी चाहिए। माता-पिता को भी अपने बच्चों में समानता का भाव जागृत करना जरूरी है।

डॉ. मानिनी श्रीवास्तव समन्वयक आईडब्ल्यूएस, नोडल अधिकारी, लखनऊ विश्वविद्यालय मौजूद थे। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर में आईएमएस, लॉ, फार्मेसी, योग, इंजीनियरिंग और पर्यटन के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन आईएमएस विश्वविद्यालय लखनऊ में मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. जॉली रस्तोगी ने किया।

प्रदेश को एक और मेडिकल कॉलेज का तोहफा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। यूपी में इलाज के साथ मेडिकल की पढ़ाई को और रफ्तार मिलेगी। प्रदेश को एक और मेडिकल कॉलेज का तोहफा मिला है। वाराणसी के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला अस्पताल को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। यह जानकारी गुरुवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी। एनेक्सी भवन के चतुर्थ तल स्थित सभागार में डिप्टी सीएम ने बताया कि मरीजों को आधुनिक इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है। प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं। इसका दोहारा फायदा है। मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। साथ ही मेडिकल की पढ़ाई भी कराई जा रही है।

430 बेड होंगे कॉलेज में

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि वाराणसी के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला अस्पताल को उच्चीकृत करते हुए वहां 430 बेड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे मरीजों को राहत मिलेगी। एमबीबीएस की पढ़ाई भी होगी। पैरामेडिकल कोर्स भी चालू किए जाएंगे। इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

मेडिकल कॉलेज के तीन ब्लॉक के निर्माण में दमानी ग्रुप सहयोग करेगा। इसके लिए गुरुवार को कंपनी के अधिकारियों के साथ करार किया गया। एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक, एकेडमिक एवं हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा।

वाराणसी का पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला अस्पताल बनेगा मेडिकल कॉलेज

समय पर निर्माण कार्य हो पूरा

डिप्टी सीएम ने कहा कि तय समय में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूरा कराए जाये। एमबीबीएस की पढ़ाई समय सीमा पर शुरू कराई जाएगी। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कॉलेज निर्माण आदि की प्रक्रिया को रफ्तार देने के लिए डॉ. आरबी कमल को नोडल प्रिंसिपल नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा, महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह एवं दमानी ग्रुप के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को नजरंदाज किया : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोला है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ़ सत्ता के लिए बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों और उनके संघर्ष को नजरअंदाज किया, बल्कि दलितों, पिछड़ों और वंचितों की आवाज़ को दबाने का काम भी किया। उप मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि बाबा साहेब ने संविधान के माध्यम से वंचित वर्ग को ताकत दी, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा उनके योगदान को भुलाकर झूठी राजनीति की। गृहमंत्री अमित शाह के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करने से कांग्रेस की असली सच्चाई नहीं छुपेगी। अब जनता जाग चुकी है। कांग्रेस मुक्त भारत निश्चित है। विदित हो कि इन दिनों कांग्रेस पार्टी गृहमंत्री अमित शाह का इस्तीफा मांग रही है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस अमित शाह के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश कर रही है।

ह्यूमपाइप टूटकर बंद होने से नालियों का पानी घरों के सामने भरा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। जहांगीराबाद ग्राम पंचायत में कस्बे के अन्दर जाने वाले बाईपास मार्ग पर नालियों का पानी निकलने के लिए पड़े सीमेंटेड पतले ह्यूमपाइप के टूटकर बंद हो जाने से नालियों का पानी आसपास के घरों के सामने भरने लगा है जिससे लोगों को अपने घरों में जाने के लिए भारी परेशानी हो रही है। बिसवां की ग्राम पंचायत जहांगीराबाद में काफी समय से नालियों की सफाई न होने से कूड़ा करकट से पटकर जगह जगह बजबजाती नजर आ रही हैं। कई जगहों पर तो नालियों से निकल कर गंदा पानी रास्तों पर भी रिसने लगा है जिससे ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। गांव में कई जगह कूड़े के ढेर लगे हैं जिनमें दुर्गंध उठ रही है जिससे किसी भी समय संक्रमण फैल सकता है। कस्बे में काफी समय से नालियों की सफाई नहीं करायी गयी है जिससे कस्बा के दक्षिण-पश्चिम मुहल्ले के नाला नालियों का हाल? बहुत ही खराब है।

ग्रामीणों को हो रही परेशानी। नहीं हो रही ग्राम पंचायत में नालियों की सफाई।

इन दिनों मतान अली व हुजेफा के घरों के निकट नालियों का पानी निकलने के लिए बाईपास रास्ते पर कस्बे के शुरुआत में सीमेंट का ह्यूमपाइप पड़ा था जो ईंटा, मौरंग, सीमेंट, गिट्टी व मिट्टी की लोडेड ट्रैक्टर ट्रालियों के आवागमन से टूटकर बंद हो गया जिससे मोहल्ले की नालियों का निकला गंदा बदबूदार पानी हुजेफा,मतान, बिलाल,शेर अली, हकीक, इश्तियाक, शाहनवाज,वसीक व खुर्शीद आदि लगभग एक दर्जन घरों के सामने भर गया है जिससे भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर टूटे ह्यूमपाइप की सफाई कराकर आगे नाली को साफ करा दिया जाये तो यह समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। इस सम्बन्ध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुनीर अहमद अंसारी ने बताया कि मैं मौके पर गया था वहां नाली में पानी निकालने को लेकर छोटा सा विवाद है जिस सम्बन्ध में आज वृहस्पतिवार को देबियापुर पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह मौके पर पहुंचेंगे। विवाद समाप्त कराकर पानी निकालने की व्यवस्था कर दी जायेगी।

स्वास्थ्य महकमे का चला मनमाना हंटर, सांई पैथोलॉजी को किया सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सांडा(सीतापुर) । स्वास्थ्य महकमे के हंटर से घायल हुए एक पैथोलॉजी के सीज होने से समूचे क्षेत्र में फैली सनसनी।कयास लगाए जा रहे कि क्षेत्र के अन्य पैथोलॉजी संचालकों के मध्य आपसी मनफुटौव्वल के चलते स्वास्थ्य महकमे के कोपभाजन का शिकार हुए सांई पैथोलॉजी के सीज होने से विभाग की कार्यवाई से उठने लगे सवाल। जब अन्य प्रतिष्ठान भी नहीं पूरे कर रहे मानक तो सिर्फ एक पर ही क्यों कार्यवाई? क्या किसी राजनैतिक साजिश का शिकार हुई सांई पैथोलॉजी या कुछ लेन देन के पचड़े ने कर दिया इस कृत्य को अंजाम। जहां एक तरफ क्षेत्र के दर्जनों पैथोलॉजी खुलेआम मानकों की अनदेखी कर दे रहे गरीबों की लूट को अंजाम तो फिर एक ही प्रतिष्ठान पर क्यों कार्यवाई उठ रहे सवाल। क्या स्वास्थ्य महकमे के उच्च पदाधिकारियों की नजरों से बचे रहेंगे अन्य क्षेत्रीय मानक विहीन पैथोलॉजी या विभाग की कृपा से लुटती रहेगी गरीब अवाम ।

क्षेत्र में कुकुरमुत्ते की तरह पनप चुके दर्जनों पैथोलॉजी के बीच मात्र एक पर कार्यवाई महकमे पर खड़ी कर रहे बड़े सवाल

पीएम श्री स्कूल के बच्चों को हरी झंडी दिखाकर शैक्षणिक भ्रमण को किया रवाना

कसमंडाकमलापुर । पीएम श्री स्कूल कंपोजिट सैदापुर के 22 बच्चों का शैक्षिक भ्रमण खंड शिक्षा अधिकारी कसमंडा सुरेंद्रनाथ प्रजापति के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने बताया इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नेतृत्व क्षमता की भावना का विकास होता है बच्चों को आंचलिक विज्ञान केंद्र का भ्रमण कराया गया परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक प्रवेश को बेहतर बनाने व बच्चों की विद्यालय में रुचि पैदा करने के उद्देश्य से सरकारी स्तर पर तमाम प्रयास किया जा रहे हैं तमाम उत्साही अध्यापक भी अपने स्तर पर विद्यालय में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार करते हुए कॉन्वेंट स्कूल को टक्कर दे रहा है प्रधानाध्यापिका ज्योति मिश्रा सहायक अध्यापक सीमा द्विवेदी, सरिता सिंह ,शशांक तिवारी, खेल अनुदेशक अनुराग सिंह, शिक्षामित्र सुरेंद्र भार्गव शैक्षणिक भ्रमण में मौजूद रहे।

दो दिवसीय कृषक मेला/गोष्ठी का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एम.आई.डी.एच.) योजनान्तर्गत दो दिवसीय कृषक मेला/गोष्ठी का आयोजन कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी परिसर सीतापुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी अभिषेक आनंद के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। जनपद के दस प्रगतिशील कृषकों/उद्यमियों द्वारा स्ट्रोबेरी, ड्रैगन फ्रूट की खेती में उत्कृष्ट कार्य व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना स्थापित उद्यमों के उत्कृष्ट उत्पादों करने की उद्यान के नये आयाम गढ़तें किसानों की सफलता की कहानी पुस्तिका का विमोचन जिलाधिकारी द्वारा किया गया, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक/उद्यमी यथा श्रीमती सीमा देवी, श्रीमती भारती रस्तोगी, श्रीमती वन्दना तिवारी, श्री संजय कुमार, श्री विकास वर्मा, श्री विकास सिंह, श्रीमती फूलमती, श्री नवीनमोहन राजवंशी, श्री रोहित सिंह, श्री फहद फारूकी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष सीतापुर के प्रतिनिधि श्री मुनीन्द्र अवस्थी, जनप्रतिनिधि श्री रामगोपाल अवस्थी, चेयरमैन, रामगढ़ चीनी मिल, उप निदेशक कृषि, प्रधान वैज्ञानिक सी0आई0एस0एच0 रहमानखेड़ा, आदि।

सावधान! कहीं आप सांडा विद्युत उपकेंद्र के उपभोक्ता तो नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन(सीतापुर) । उत्तर प्रदेश सरकार के अरमानों को पलीता लगाता विद्युत उपकेंद्र सांडा अपनी कार्यशैली व व्यवहार से बटोर रहा सुर्खियां,जिसको लेकर सामाजिक संगठनों व्याप्त है काफी रोष जिसके तहत किसान,मजदूर सहित संभ्रांत व्यक्तियों ने अपनी आवाज की बुलंद।

उपकेंद्र रेउसा व सांडा पर तैनात कुछ संविदाकर्मियों के उपभोक्ताओं से अवैध वसूली के साथ बिजली बिल वसूली के नाम पर ओपीएस के तहत प्राप्त बिल के अतिरिक्त न मिलने पर गाली गलौज के साथ आमादा फौजदारी,समूचे गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित कर धन उगाही अपने चरम पर है।जिसको लेकर पीड़ितों सहित भाकियू जनमंच के पदाधिकारियों ने इनके खिलाफ हल्लाबोल दिया है। भाकियू तहसील अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की बदनामी करने वाले,गरीबों की जमीनें बिकवाने वालों,महिलाओं के साथ अभद्रता करने वालों व अवैध धन उगाही करने वालों के खिलाफ उनके ट्रांसफर न होने तक संघर्ष जारी रहेगा। भाकियू जिलाध्यक्ष रेशू भार्गव ने बताया कि हम गरीब दलित पिछड़ी वंचित महिला किसानों मजदूरों की लड़ाई लड़ते हुए इन लूट खसोट ,गाली गलौज करने वाले रेउसा व सांडा के अप्रशिक्षित संविदा कर्मियों के खिलाफ नियुक्त करने वाली कंपनी के खिलाफ आवाज उठाएंगे,उनके ट्रांसफर न करने की स्थिति तक हमारा संगठन सड़क पर उतरेगा। संविदा विद्युत कर्मियों के कृत्यों के साक्ष्य इकट्ठा करने वाले पत्रकार के साथ मारपीट ,लूट व जान से मारने की धमकी दुर्भाग्यपूर्ण ये लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कुठाराघात, मामले को प्रशासन ले संज्ञानःसुशील राज ।

संविदा विद्युतकर्मियों के द्वारा उपभोक्ताओं के साथ की जा रही अभद्रता व अवैध धनउगाही से परेशान भाकियू ने कसी कमर।

चोरी की मोटरसाइकिल बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में चोरी/नकबजनी की घटनाओं को गम्भीरता से लेते हुए सर्वसंबंधित को घटनाओं को रोकने व अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में थाना महमूदाबाद पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान अभियुक्त शुभम कश्यप पुत्र प्रमोद कश्यप नि0 बेलदारी टोला थाना महमूदाबाद जिला सीतापुर को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से चोरी की हीरो पैशन प्रो ठ्ध्34क2558 मोटरसाइकिल बरामद हुई है। अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि बरामद मोटरसाइकिल उसने माह जून में हनुमान मंदिर रामकुंड चौराहा के पास से चोरी की थी तथा अभियुक्त द्वारा उपरोक्त मो0सा0 में कूटरचित नंबर प्लेट बदलकर चलाई जा रही थी। बरामद मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में मु.अ.सं. 512/24 धारा 379 भादवि पंजीकृत है। पंजीकृत अभियोग में धारा बढ़ोत्तरी करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त का चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है। जनपद में अपराधियों के विरूद्ध निरन्तर कार्यवाही इसी प्रकार प्रचलित रहेगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकों के माध्यम से संचालित शासन के महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि लम्बित पत्रावलियों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करायें। निर्धारित लक्ष्य से कम ऋण जमा अनुपात वाले बैंकों को सुधार हेतु भी जिलाधिकारी ने निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने सम्बंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि पशुपालन एवं मत्स्य पालन के केसीसी बनाने हेतु लक्ष्य के अनुरूप पत्रावलियां प्रेषित कराएं। सभी बैंकों के अधिकारियों को जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पशुपालन एवं मत्स्य पालन हेतु केसीसी से सम्बन्धित पत्रावलियों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें उनका गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि फसल बीमा योजना में हुए परिवर्तन के विषय में किसानों को समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाय।

कैंप लगाकर बिजली विभाग ने जमा किया राजस्व

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)। बिजली विभाग ने दान पुरवा गांव में कैंप लगाकर बिजली का बकाया राजस्व जमा किया। इस मौके पर सीतापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता विवेक अस्थाना व अधिशाषी अभियंता जय प्रकाश एवं अवर अभियंता सुरेश चन्द्र के साथ टीजीटू राम महेश, ब्रजेश सिंह तथा एस एस ओ दीपक कुमार आदि उपस्थित रहे। इन दिनों पावर कार्पोरेशन द्वारा बकाया बिलों को जमा कराने के लिए एक मुश्त समाधान योजना के रूप में विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नियमानुसार छूट का प्रावधान भी है। बिजली उपभोक्ता इन शिविरों में पहुंच कर अपना पुराना बिल भुगतान कर लाभ उठा रहे हैं। मुख्य अभियंता व अधिशाषी अभियंता ने अपने अधीनस्थ अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ गांव का भ्रमण कर लोगों की शिकायतें सुनी और उनका निस्तारण किये जाने को कहा साथ ही छूट का लाभ लेने के लिए समय से बकाया बिलों को भी जमा करने की अपील की।

बीआरसी कमलापुर प्रधान एवं प्रधानाध्यापकों के साथ हुआ संगोष्ठी का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कसमंडा कमलापुर । ब्लॉक संसाधन केंद्र कसमंडा के प्रांगण में एकदिवसीय ब्लॉक स्त्री प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान की संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मुन्नी देवी एवं विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी महेश कुमार व खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने मां सरस्वती के चित्र का पुष्पांजल तथा दीप प्रज्वलन करके किया । ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय कमलापुर एवं कंपोजिट विद्यालय दाउदपुर व कस्तूरबा के बच्चों के द्वारा देशभक्ति गीत एवं नाटक मंचन किया गया संबोधन करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने बताया उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के सरकार मे मैं प्रदेश के सभी विद्यालयों का कायाकल्प किया जा रहा है मूलभूत आवश्यकताओं को पूर्ण करके शिक्षा व्यवस्था को सुधारा जा रहा है शिक्षकों ने नामांकन बढ़कर बेसिक शिक्षा परिषद की शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में सरकार के साथ कदम से कम मिलाया है तेजी से सभी विद्यालयों का कायाकल्प करके सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने शिक्षकों तथा प्रधानों के के बीच आपसी तालमेल मिलकर चलें जिससे विद्यालय का पूर्ण रूप से विकास हो सके। कई ग्राम पंचायत में सभी 19 बिंदुओं को संतृप्त किया जा चुका है कायाकल्प में अच्छा कार्य करने वाली 10 ग्राम पंचायत हमीरपुर, नवागांव, सुजौलिया, बरेठी, पताराकला, सरोरा कला, चौंडिया, सरैया, महोली बम्भौरा, के ग्राम प्रधानों को मुख्य अतिथि , खंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा प्रशशित पत्र देकर सम्मानित किया गया । एआरपी दिनेश सिंह, हिमांशु शुक्ला ,नीलम वर्मा के द्वारा विभाग के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया एवं संगोष्ठी में प्रतिभा करने वाले बच्चों को मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मुन्नी देवी एवं खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति व विशिष्ट अतिथि प्रधान संघ अध्यक्ष संतोष भार्गव के द्वारा पुरस्कार देकर बच्चों को सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम का संचालन आशुतोष अवस्थी के द्वारा किया गया ।कार्यक्रम में ए डी ओ पंचायत ब्रह्म नारायण शर्मा, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष गिरिजेश अवस्थी एवं अध्यापक अनूप शुक्ला, रविंद्र मिश्रा ,अजीत सिंह, साधना दीक्षित ,काजल द्विवेदी ,सहित ग्राम प्रधान धर्मेंद्र सिंह, वेद सिंह,सुफियान ,संतोष कुमार यादव, विमल कुमार, श्रीकांत दीक्षित, मनोज कुमार, कुलदीप शुक्ला, विद्याधर पांडेय, मोहम्मद नफीस, संदीप गुप्ता, मो आमिर, बी आर सी के कर्मचारी मनोज सिंह, चंद्र मोहन अवस्थी , संकल्प त्रिपाठी, प्रशांत सिंह, अभिषेक सिंह, सुमित कुमार, अंकित कुमार ,रश्मि सहित ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

महमूदाबाद में रोजाना रूरल कॉमर्स स्टार्टअप सुपर स्टोर का किया गया उद्घाटन, ग्रामीण व रिटेलर भी हुए शामिल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर । जनपद सीतापुर के महमूदाबाद नगर क्षेत्र महमूदाबाद बिसवां रोड पर गुरुवार को समय लगभग दो बजे रोजाना रूरल कॉमर्स स्टार्टअप सुपर स्टोर का उद्घाटन किया गया। उक्त उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के पूर्व चीफ प्रिंसपल कमिश्नर अजय सिंह ने रोजाना रोस्टर बाजार में फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया गया। रोजाना निर्देशक अद्वैत विक्रम सिंह एवं अंकुर दहिया द्वारा बताया गया कि रोजाना भारत की सबसे तेजी से बढ़ती ग्रामीण ई कॉमर्स कंपनी है जो ग्रामीण क्षेत्रों रहने वाली 70से 80प्रतिशत आबादी को ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा देने के लिए समर्पित है रोजाना उत्तर प्रदेश के लगभग दस जनपदों के सौ विकास खण्डों के लगभग पंद्रह हजार से अधिक गांवों में परिचालन के साथ दिन प्रति दिन अपने आयामों को बढ़ा रहा है। इसी क्रम में रोजाना का सुपर बाजार महमूदाबाद में खोला गया है।जिसमें किराने के समान में फुटवेयर , घरेलू सभी समान से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि अजय सिंह ने कहा कि रोजाना अब ग्रामीण यूपी में एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार देता है। और पंद्रह हजार से अधिक ग्रामीण स्तर के उद्यमियों के साथ काम करता है। जिनमें ज्यादातर महिलाएं है ताकि दस लाख से अधिक परिवारों को उत्पाद पहुंचाए जा सकें।

माल निस्तारण अभियान के तहत 5,000 लीटर देसी शराब नष्ट करायी

सीतापुर। पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ परिक्षेत्र, लखनऊ एवं पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री चक्रेश मिश्र द्वारा चलाये जा रहे ख़्माल निस्तारण अभियानङ्क के तहत आज दिनांक 19.12.2024 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीतापुर के आदेश के अनुक्रम में एसडीम महोदय द्वारा गठित टीम नायब तहसीलदार औरंगाबाद श्रीराम सूरत यादव, आबकारी निरीक्षक श्री राजेश कुमार तथा प्रभारी निरीक्षक नैमिषारण्य के द्वारा 164 माल का निस्तारण कर करीब 5,000 लीटर देसी शराब को नष्ट कराया गया ।

दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कुल 17,030/-रु.नकदी व आभूषण बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। एसपी चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में लूट/चोरी/नकबजनी जैसी घटनाओ को गंभीरतापूर्वक लेते हुए टीमे गठित कर घटनाओं के शीघ्रातिशीघ्र अनावरण व संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी व बरामदगी हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी प्रकाश कुमार के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर अमन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा चोरी की घटनाओं में संलिप्त 02 शातिर अपराधियों 1.क्षितिज मिश्रा उर्फ कुत्ता काटा उर्फ चित्तू पुत्र पंकज मिश्रा निवासी 126 विजय लक्ष्मी नगर थाना कोतवाली नगर जनपद सीतापुर 2.मुकेश उर्फ अंबानी पुत्र गजराज नि0 कस्बा व थाना मछरेहटा जनपद सीतापुर हाल पता मो0 घूरामऊ बंगला थाना कोतवाली नगर जनपद सीतापुर को बहुगुणा चौराहा के पहले नहर कालोनी के पास से गिरफ्तार किया गया है। जिनसे कुल 17,030 रुपये नकदी, 08 जोड़ी पायल, 02 अंगूठी, 04 जोड़ी बिछिया, 05 सिक्के बरामद हुए हैं। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि दिनांक 02/11/2024 की रात में हम लोगो ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर में बंद मकान से तथा दिनांक 10/11/2024 की रात में मोहल्ला लोहार बाग एनसीसी चौराहे के पास बंद मकान में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। संदर्भित घटनाओं के संबंध में थाना कोतवाली नगर पर मु.अ.सं.410/24 व 422/24 पंजीकृत है। गिरफ्तार अभियुक्त क्षितिज उपरोक्त शातिर किस्म का अभ्यस्त एवम् टॉप 10 अपराधी भी है। अभियुक्तगण उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया है।

जिला जज, डीएम ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

सीजेएम, पुलिस अधीक्षक और अपर जिला सत्र न्यायाधीश भी रहे मौजूद

अधिकारियों ने कैदियों से बात कर सुनी उनकी समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । जनपद न्यायाधीश कुशीनगर सुशील कुमार शशि, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, सीजेएम कविता सिंह, पुलिस अधीक्षक संतोष मिश्र, अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने संयुक्त रूप गुरुवार को देवरिया जिला कारागार का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कुशीनगर के कैदियों को जिला कारागार में मिल रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिये।

जिला जज, जिलाधिकारी समेत सभी अधिकारी जेल परिसर पहुचे यहां बने अलग-अलग बैरक मे पहुंचकर कुशीनगर के कैदियों से मुलाकात की, उनसे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और बंदियों के उचित खान पान एवं चिकित्सीय व्यवस्था की गुणवत्ता का निरीक्षण करते हुए मरीजों के स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दरम्यान साफ-सफाई, जेल मेन्यू के अनुसार भोजन, जमानत की स्थिति सहित निरुद्ध कैदियों के जमानत के लिए वकील होने न होने की जानकारी ली।जिला जज ने कैदियों से बात कर पूछा कि कोई दिक्कत तो नहीं है, स्वास्थ्य सुविधाएं, जमानत की स्थिति, वकील आदि के बारे में जायजा लिया। महिला बैरक के निरीक्षण के दौरान जिला जज व जिलाधिकारी द्वारा बच्चों में बिस्कुट वितरण किया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कैदियों से संवाद करते हुए कैदियों के लिए चिकित्सक व अन्य सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जेल अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। जिन बंदियों के कोई रिश्तेदार नहीं है उनके जमानत की पैरवी के संबंध में सरकारी वकील की व्यवस्था के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ल, जेलर राजकुमार, उप जेलर आदित्य कुमार, शिवनाथ पांडे, मोतीलाल, चिकित्सक डा हरिपाल विश्वकर्मा, डा0 राहुल त्रिपाठी, फार्मासिस्ट रमेश दुबे, मोहन तिवारी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर सील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम ने रामकोला में शर्मा क्लिनिक और वर्मा पैथोलॉजी एंड एक्सरे सेंटर को भी किया सील

जनपद में बिना रजिस्टेशन व मानक के विपरीत संचालित हो रहे थे तीनों, क्लिनिक, पैथोलॉजी व हास्पिटल

कुशीनगर। जनपद के कसया नगर के देवरिया मार्ग पर फर्जी तरीके से बड़े पैमाने में विदेश जाने वालों का मेडिकल बनाया जा रहा अवैध रूप से संचालित एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सील कर दिया। इससे पूर्व रामकोला में शर्मा क्लिनिक और वर्मा पैथोलॉजी एंड एक्सरे सेंटर को सील किया गया। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से अवैध हास्पिटल संचालित करने वाले कारोबारियों में खलबली मची हुई है।

गौरतलब हो कि कसया नगर के देवरिया मार्ग पर एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर अवैध रूप से संचालित हो रहा था। अवैध हॉस्पिटल, क्लिनिक और पैथोलॉजी को लेकर मुख्य चिकित्साधिकारी सुरेश पटरिया को लगातार शिकायत मिल रही थी। शिकायत को गंभीरता से लेते स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ अवधेश कुशवाहा, सीएचसी अधीक्षक मार्कंडेय चतुर्वेदी, प्रशांत, विजय गिरी आदि की टीम बुधवार की शाम कसया नगर के देवरिया मार्ग स्थित एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पहुचे, जहां प्रशिक्षित कोई डाक्टर मौके से नहीं मिला। केवल व्यवस्थापक दीपक कुमार और संचालक प्रदीप कुमार ही मिले। बिना रजिस्टेशन, अवैध तरीक से एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर को संचालित कर रहे थे। जांच टीम ने हास्पिटल संचालन से संबंधित कागजात की मांग की तो किसी ने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नही किया। जांच टीम को यही स्थिति रामकोला में शर्मा क्लिनिक और वर्मा पैथोलॉजी एंड एक्सरे सेंटर में भी मिला। बताते चले कि नोडल अधिकारी डॉ. अवधेश कुशवाहा की अगुवाई में सीएचसी अधीक्षक मार्कडेय चतुर्वेदी, प्रशांत, विजय गिरी स्वास्थ्य विभाग की टीम कसया नगर के देवरिया मार्ग पर अवैध रूप से संचालित एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर पहुची तो जांच के दौरान टीम को काफी चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। टीम ने जब संचालक से हॉस्पिटल का रजिस्ट्रेशन मांगा तो संचालक प्रदीप कुमार रजिस्ट्रेशन दिखाने में असमर्थ रहे। हॉस्पिटल में फर्जी तरीके से बड़े पैमाने में विदेश जाने वालों का मेडिकल बनाया जा रहा था, जिसका एक रजिस्टर टीम के हाथ लगा। जिसमें केवल पासपोर्ट का नम्बर लिखा हुआ था। जांच टीम ने जब हॉस्पिटल का रजिस्टर मांगा तो संचालक व व्यवस्थापक रजिस्टर नहीं दे पाए। जांच के दौरान हॉस्पिटल का कोई भी वैध कागजात संचालक द्वारा प्रस्तुत नही किया गया।

विधि विशेषज्ञों व जानकारों की माने तो बिना रजिस्टेशन व बिना प्रशिक्षित चिकित्सक के अवैध रुप से संचालित हास्पिटल में जांच के दौरान हास्पिटल सील करने के साथ-साथ हास्पिटल संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने का प्रावधान है। किन्तु स्वास्थ्य विभाग अवैध तरीके से संचालित एच.एस. हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के संचालक के खिलाफ अब तक मुकदमा पंजीकृत नही कराया है जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

राजा इंद्रजीत प्रताप बहादुर शाही ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता 11 जनवरी से

राजापाकड़/कुशीनगर। फतेह मेमोरियल इंटर कॉलेज के मैदान में राजा इंद्रजीत प्रताप बहादुर शाही ऑल इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 16 जनवरी तक किया जाएगा। इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। इस आयोजन की जानकारी कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक राजा महेश्वर प्रताप शाही ने दी। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता अपने 31वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और इसे फुटबॉल प्रेमियों के लिए खास बनाया गया है। ट्रांसपोर्ट क्लब के भीम गुप्ता ने कहा कि प्रतियोगिता में देश की नामी टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें पिछले वर्ष की विजेता चक्रधरपुर रेल एफसी के साथ लखनऊ, गोरखपुर, पटना, कोलकाता, नेपाल, मध्यप्रदेश, दिल्ली आदि की टीमें मैदान में उतरेंगी। हर साल की तरह इस बार भी दर्शकों को रोमांचक और उच्च स्तर का फुटबॉल देखने को मिलेगा। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मैदान की सफाई, खिलाड़ियों के लिए विशेष व्यवस्था और रहने का इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं। ट्रांसपोर्ट क्लब के भीम गुप्ता ने सभी खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में शामिल होकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह प्रतियोगिता एक शानदार अवसर होगा, जहां उन्हें अलग-अलग क्षेत्रों की प्रतिभाओं को करीब से देखने का मौका मिलेगा।

अज्ञात वाहन की ठोकर से बाइक सवार व्यक्ति घायल

राजापाकड़/कुशीनगर। नया प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र करमैनी से घर आ रहे यक्ति को बृहस्पतिवार की दोपहर तुर्कपट्टी - पटहेरीया मार्ग पर स्तित करमैनी में अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी।दुकानदारों ने घायल व्यक्ति के परिजनों को सूचना दी। स्वजनों ने पहुँच कर घायल व्यक्ति को हल्की चोट के कारण पीएचसी करमैनी पर ही दवा कर घर चले गये। पटहेरवा थाना क्षेत्र के करमैनी टोला रामकोला निवासी जयचंद कुशवाहा (46) बृहस्पतिवार की दोपहर अपने बाइक से करमैनी पीएचसी में दवा लेने गये थे।वहाँ से दवा लेकर घर लौट रहे थे।कि तुर्कपट्टी - पटहेरीया मार्ग पर स्थित करमैनी चौराहे के पास तुर्कपट्टी के तरफ से तेज रफ्तार से आ रही अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी।इस हादसे में बाइक सवार जयचन्द कुशवाहा घायल हो गए।वहा के दुकानदारों ने घायल व्यक्ति के घर फोन कर स्वजनों बुलाया। मौके पर पहुचे स्वजनों ने घायल को इलाज के लिए पीएचसी करमैनी में प्राथमिक उपचार करने के बाद घर लेकर चले गये।

होगी विकास खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता

राजापाकड़/कुशीनगर। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान व क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी के निर्देशन में प्रतिवर्ष खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस क्रम में वर्ष 2024 में आयोजित होने वाली उक्त प्रतियोगिता की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रतियोगिता के लिए ब्लाकवार तिथियों की घोषणा कर दी गई हैं। तमकुही व फाजिलनगर के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विवेक गोंड के अनुसार तमकुही विकास खंड की प्रतियोगिता 24 दिसंबर को बरवाराजापाकड़ के सीताराम चौराहा स्थित शनीचरी फील्ड में होगी इसके पूर्व 21 दिसंबर को फाजिलनगर की खंड स्तरीय उक्त प्रतियोगिता कटया मैनुद्दीन मटिहनिया के मिनी स्टेडियम में संपन्न होगी। सेवरही व दुदही विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अशोक चौबे ने बताया कि सेवरही विकास खंड की प्रतियोगिता 22 दिसंबर को दि प्रेसीडेंट स्कूल दनियाड़ी व दुदही विकास खंड की प्रतियोगिता 25 दिसंबर को गौरीश्रीराम स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित होगी। अधिकारीद्वय ने बताया कि सब जूनियर, जूनियर व सीनियर बालक तथा बालिका वर्ग में एथलेटिक्स, वालीबाल, कुश्ती, कबड्डी, फुटबाल आदि प्रतियोगिताओं में संबंधित विकास खंड में निवास करने वाले खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। खिलाड़ियों के आधार कार्ड की फोटोप्रति अनिवार्य है। विजेता खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

हमीरपुर में सड़क हादसे मे दो मरे

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के मुस्करा क्षेत्र में गुरुवार को बाइक से गांव लौट रहे दो दोस्तों को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने चपेट में ले लिया जिससे दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र के गुंदेला गांव निवासी स्वतंत्र सिंह (50) अपने साथी महीपत (48) के साथ बाइक पर सवार होकर मुस्करा से वापस अपने गांव गुंदेला लौट रहे थे कि गुंदेला तिराहे के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार स्वतंत्र सिंह की मौके पर मौत हो गई है जबकि महीपत को गंभीर हालत में मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। उरई में महीपत ने दम तोड़ दिया।

तीसरी पुण्यतिथि पर याद की गईं पर्यावरण संरक्षिका मालती राय

सादगी, ममता, करुणा की प्रतिमूर्ति थीं श्रीमती राय : विमला पाण्डेय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामअशीष राय की धर्म पत्नी व पर्यावरण संरक्षिका श्रीमती मालती राय के तीसरी पुण्यतिथि के अवसर पर मल्लूडीह में रालोद महिला मोर्चा के सदस्यों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।

गुरुवार को रालोद महिला मोर्चा की वरिष्ठ पदाधिकारी श्रीमती विमला पाण्डेय ने कहा कि स्व. मालती राय सादगी, ममता, करुणा की प्रतिमूर्ति थीं वह महिलाओं के उत्थान के लिए सदा जागरूक रहीं और पर्यावरण संरक्षण को लेकर अभियान के माध्यम से लोगों को प्रेरित करतीं थी ताकि स्वच्छ, स्वस्थ्य परिवेश विकसित हो। इस दौरान श्रीमती स्नेहलता सोनी, श्रीमती मीरा देवी, श्रीमती गैसा देवी, श्रीमती कल्याणी देवी, श्रीमती मनोरमा राजभर, श्रीमती मंगरी देवी, श्रीमती कबूतरा देवी आदि ने श्रीमती स्व. राय के चित्र पर मल्यापर्ण किया।

बेतिया स्टेट की जमीन का राजस्व अधिकारी ने किया निरीक्षण

बेतिया स्टेट की जमीनों को अवैध रूप से कब्जा करने वालों में हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। बेतिया स्टेट ने अपने जमीनों का सर्वे शुरू कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार को बिहार सरकार के राजस्व अधिकारी व कप्तानगंज नायब तहसीलदार जितेंद्र कुमार सिंह की देखरेख में बेतिया स्टेट के भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों ने जानकारी लिया। अधिकारियों के निरीक्षण से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

बता दें कि बिहार सरकार के निर्देश पर राजस्व अधिकारी बिहार बद्री प्रसाद गुप्ता कप्तानगंज तहसील पहुंचे और तहसील के नए तहसीलदार जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में ग्राम सभा साखोपार में स्टेट की जमीनों का निरीक्षण किया।

इस दौरान नक्शे के साथ तहसील के लेखपाल कर्मचारी मौजूद थे जो बेतिया स्टेट की जमीनों का विवरण बता रहे थे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य बेतिया स्टेट की जमीन सुरक्षित रहे और उसका ठीक से देखभाल किया जाए।

बिहार सरकार के निर्देश पर निरीक्षण हो रहा है। बता दें कि बेतिया स्टेट की जमीन पर मंदिर, मठ सहित अन्य सार्वजनिक स्थल के रूप में प्रयोग हो रहा है। निरीक्षण के बाद अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। कप्तानगंज तहसील क्षेत्र के गंभीरपुर में 2.9270 एकड़, साखोपर में 1.8250, मोहनमुंडेरा में 3.4390, डोमबरवा में 0.1130 व पेमली में 0.1620 यानी कुल 8.4660 रकबा जमीन है।

निरीक्षण के दौरान लेखपाल आशुतोष कुमार विचित्रमणि अजय राव राहुल दीक्षित आदि मौजूद रहे।

बिजली के झटके से 15 वर्षीय छात्रा की दर्दनाक मौत

राजापाकड़/कुशीनगर । तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के गुरवलिया बाजार में गुरुवार शाम को एक हृदयविदारक घटना घटी, जिसमें 15 वर्षीय छात्रा की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना शाम करीब 5 बजे की है, जब बृजकिशोर मद्धेशिया की पुत्री माधुरी मद्धेशिया, जो नौवीं कक्षा की छात्रा थी, अपने घर पर टीवी चालू करने की कोशिश कर रही थी। प्राप्त जानकारियों के मुताबिक माधुरी ने टीवी चालू करने के लिए प्लग को बोर्ड में लगाते समय अनजाने में बिजली के चपेट में आ गई और तेज करंट लगने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गई तथा घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रोरोकर बुरा हाल हो गया है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 13.01.2025 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	14502024 दिनांक 18.12.2024
2	निविदा सख्या	41-Sr. DEN-IV-LKO/2024-2025
3	कार्य का नाम	वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (चतुर्थ) के अधिकार क्षेत्र मे चन्द्रौली और हरपालगंज की कोलोनियों में सहायक कार्यो (प्लांबिंग पाइप और बोर और पम्प के साथ पम्प हाउस आदि) के साथ साथ पुराने जर्जर स्टील ओवर हैड टैंक के बदले में दो (चन्द्रौली और हरपालगंज पर 1,00,000 लीटर) आरसीसी ओवर हैड वॉटर टैंक का निर्माण का कार्य।
4	अनुमानित लागत	Rs. 1,34,64,858.66
5	धरोहर राशि	Rs. 2,17,300.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 12 माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	30.12.2024
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	13.01.2025 को 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट : निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3879/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PARKING-LKO-MEM-MX-142-24-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.12.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.01.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.01.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PARKING-LKO-CIL-MX-148-24-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.12.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.01.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.01.2025 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	PARKING-LKO-SKN-MX-147-24-1 (Parking-Mixed)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	18.12.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	03.01.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	03.01.2025 समय 10:50 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3884/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ.रे.–मण्डल–वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	MSS-LKO-PRG-MCK-65-24-1 (Misc-Static-Services-Digital Mobile Charging Kiosks)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	02.12.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.12.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ADVT-LKO-BSB-OSD-524-24-3 (Advertising on station premise Digital)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	06.12.2024
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	21.12.2024 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	21.12.2024 समय 10:30 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3882/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

बिजलीकर्मियों के नाम रहा काकोरी के शहीदों का पैगाम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राणा प्रताप मार्ग स्थित फील्ड हास्टल पर विद्युत निजीकरण का विरोध कर रहे बिजलीकर्मियों के आंदोलन को नैतिक समर्थन देने वाली नाट्य प्रस्तुति की गई जिसे लगातार दर्शकों की तालियां मिलीं। लखनऊ की प्रतिष्ठित नाट्य संस्था नटराज कलामंडल के स्टेज नाटक सेनापति की झलकियों के साथ मंचित इस नाट्य प्रस्तुति का उद्देश्य आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले क्रांतिकारियों की भावनाओं को जनता तक पहुंचाना रहा। काकोरी दिवस की संध्या पर आयोजित इस मंचन में चन्द्रशेखर आजाद के रूप में विमल प्रकाश नजर आए तो अशफाक उल्ला की भूमिका युवा रंगकर्मी दीपक शर्मा ने निभाई। रामप्रसाद बिस्मिल की भावनाओं को शुभम कश्यप ने अपने अभिनय में उतारने की कोशिश की तो भगत सिंह की जानी पहचानी वेशभूषा में अनिल तिवारी दर्शकों की सराहना लेने में सफल रहे।

नाटक का प्रारंभ अंग्रेज जिलाधिकारी की भूमिका निभा रहे अन्वेष शुक्ला के संवादों से शुरू होकर क्रांतिकारियों के द्वारा इंकलाब जिंदाबाद के जयघोष पर समाप्त हुई। इस पूरे नाट्य संयोजन में संचालक की भूमिका आकाश ने निभाई और सहायक की भूमिका में रितेश पाल ने संक्षिप्त योगदान किया।विद्युतकर्मियों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे श्रमिक नेता शैलेन्द्र दुबे ने काकोरी दिवस पर इस सफल प्रस्तुति के लिए सभी कलाकारों को बधाई दी। इसी क्रम में बहुचर्चित पीपीपी मॉडल पर एक व्यंग्यात्मक प्रस्तुति भी हुई जिसमें आईएस अधिकारी के रूप में नवनीत और भ्रष्ट नेता के रूप में नरेश का नाम चर्चा में आया जो मिलकर उत्तर प्रदेश के लाभ में चलते सभी सार्वजनिक उपक्रमों को बेच डालने का षड्यंत्र रचते नजर आते हैं।

एम्स भोपाल के निदेशक ने किया गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

एजेंसी

गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के निदेशक एवं एम्स गोरखपुर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. अजय सिंह ने गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खास तौर पर गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और उपलब्ध सुविधाओं को उत्कृष्ट बताया। प्रो. अजय सिंह ने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर इस मेडिकल कॉलेज के साथ मिलकर पूर्वांचल के मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

एम्स भोपाल के निदेशक महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के परिसर और कार्य संस्कृति को देखकर काफी प्रभावित हुए और मुक्त कंठ से इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम करना नई उपलब्धियों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि एम्स भोपाल और गोरखपुर के द्वारा गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज को लाइव आसीयू सेवाएं दी जाएंगी। गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को देखकर प्रो. सिंह ने खुशी जताते हुए कहा कि एम्स भोपाल, गोरखपुर और इस मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल के साझा प्रयास से मरीजों को और भी उत्कृष्ट सुविधाएं दी जा सकती हैं। प्रो. सिंह ने कहा कि आने वाले समय में एम्स भोपाल व गोरखपुर गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ व विद्यार्थियों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण उपलब्ध कराएंगे। प्रशिक्षण के बाद इसका लाभ सीधे तौर ओर मरीजों को मिलेगा। एम्स निदेशक के निरीक्षण के दौरान महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने उन्हें बताया कि लाइव आसीयू सेवा के लिए मेदांता हॉस्पिटल भी गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज से जुड़ चुका है।

महाराजा देवी बक्श सिंह इंटर कॉलेज में सूचना विभाग ने पुस्तकालय हेतु पुस्तक की गई भेंट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर गोंडा में पुस्तकालय हेतु सूचना विभाग द्वारा पुस्तक भेंट की गई।इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला एवं मंडलीय अध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा कि किताबें हमारे जीवन की सबसे अच्छी साथी होती हैं।जब भी हमें उनकी आवश्य कता होती है वे हमारे लिए उपलब्ध होती हैं।किताबें हमारी आसपास की दुनिया को समझने,सही और गलत के बीच निर्णय लेने में हमारी मदद करती हैं।वे हमारे आदर्श, मार्गदर्शक या सर्वकालिक शिक्षक के रूप में भी हमारे जीवन में शामिल होती हैं।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदेश पुस्तिका का भी आम जन मानस में वितरण किया गया।इस दौरान मोदी योगी का विजन,दांडी यात्रा,योगी का विंध्याचल,मान सरोवर,अटल बिहारी वाजपेई चयन संग्रह,संतवाणी आदि पुस्तके पुस्तकालय हेतु सूचना विभाग द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों के साथ सूचना विभाग के मन्नू उपाध्याय एवं वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

नो पार्किंग में खड़े है वाहन,नो वेडिंग जोन में सजी दुकानें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले जिम्मेदार लापरवाह बने हुए हैं।देखकर भी अनजान बने हुए हैं।इससे अंतिक्रमण हटाने का अभियान और नो पार्किंग तथा नो वेंडिंग जोन का लगा बोर्ड निरर्थक साबित हो रहा है।शहर को खूबसूरत बनाने और जाम से मुक्त रखने के लिए नगर पालिका परिषद के साथ जिला प्रशासन की ओर से तमाम प्रयास किए जा रहे हैं।फिर भी शहर में न जाम से और न अतिक्रमण से ही मुक्त हो सका है।शहर में अतिक्रमण करने वालों का बोलबाला है।इसी वजह से प्रतिदिन शहर,में जाम लग रहा है।जाम से निजात के लिए भले ही सड़क और पटरियों का अभियान चलाकर अतिक्रमण कई बार हटाया गया है अतिक्र मण हटाने के अभियान के दौरान शहर में पार्किंग स्थल,नो पार्किंग जोन,वेंडिग क्षेत्र और नो वेंडिंग जोन का निर्धारण किया गया

है।इनसे संबंधित सूचना बोर्ड भी लगाया गया है,मगर न तो पूरी तरह अतिक्रमण हट सका है और न जाम से ही मुक्ति मिली है।नगर पालि का परिषद कि ओर से चलाया गया अभियान और लगवाया गया बोर्ड बेमतलब साबित हो रहा है। कारण जहां नो पार्किंग का बोर्ड लगा है,वहां बेधड़क वाहन पार्क हो रहे हैं और जहां नो वेंडिंग का बोर्ड खड़ा है उसके नीचे व आसपास ही ठेला तथा खोमचा की दुकानें लग रही हैं।गोण्डा नगर पालिका परिषद क्षेत्र में गुरु नानक चौराहे पर लगे नो वेड़िग जोन के बोर्ड के नीचे व अगल बगल एक दर्जन से अधिक फल,सब्जी,मुंगफली,चाट की दुकानें लगती हैं।चौक बजार क्षेत्र का भी यहीं हाल है।नो पार्किंग में वाहन पार्क होते हैं और नो वेडिंग जोन में ठेलों पर दुकानें सजती हैं।नो पार्किंग वाले इलाकों में पार्क वाहन व नो वेडिंग वाले इलाकों में लगी दुकानें बोर्ड का मजाक उड़ाती हैं।वही लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभागों की लापरवाही और नगर पालिका परिषद के अभियान चलाकर मौन साध लेने से ऐसा हुआ है।नो पार्किंग इलाकों में पार्क वाहन जाम का कारण बन रहे हैं।शहर के व्यस्त इलाकों में से एक पीपल चौराहे पर

आमतौर पर जाम आए दिन लगा रहता है।वही गुरु नानक चौराहे के पास जिला महिला अस्पताल सूरज कंपलेक्स के सामने वाहनों की अवैध पार्किंग है।जहाँ शॉपिंग मॉल में भीड़ होने की वजह से वाहन सड़क तक खड़े होते हैं जिससे कि आने जाने वाले वाहनों को समस्या होती है और जाम लगता है।सड़क पर ट्रैफिक की रेलिंग लगी हुई है।दोनों पटरियों का अतिक्र मण हटवाया गया है।बावजूद इसके आवागमन सुगम नहीं हो पा रहा है।इसका कारण सड़क पर ही वाहनों का पार्क होना है।यही हाल बड़गांव पुलिस चौकी स्टेशन रोड इलाके का भी है।पंजाब नेशनल बैंक और एचडीएफसी बैंक की मुख्य शाखा के सामने वाहन पार्क होते हैं।इससे जाम लगता है।लोगों को आवाग मन में परेशानी का सामना करना पड़ता है।अभियान चलाकर सड़क की पटरियों को खाली कराया गया है। सम्बंधित बोर्ड भी लगवाया गया है।अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गोण्डा संजय मिश्रा ने बताया कि निरन्तर निरीक्षण करके अवैध दुकान लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र किया जमीन पर अवैध कब्जा, मंडलायुक्त ने दिया जांच का आदेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले के एक गाँव में बीमार मां की मृत्यु के बाद जाल साजो ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराकर जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर पहुंची अर्चना सिंह ने मण्डलायुक्त देवीपाटन मण्डल से न्याय दिलाने की गुहार लगाई।आयुक्त ने इस प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए तर बगंज के एसडीएम को मृत्यु प्रमाण पत्रों की जांच कर दोषी के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिये है।अर्चना सिंह ने मंडल आयुक्त को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उनकी बीमार मां जानकी देवी पत्नी राज किशोर सिंह ग्राम दुर्जनपुरघा वजीरगंज की निवासी थी। उनके इलाज और देखभाल के लिए वे अपने घर बाराबंकी लेकर चली आई थी। बीते वर्ष 29 नवम्बर 2023 को उनका ग्राम पंचायत विधोपुर कला बाराबंकी में उनके ही घर पर उनका निधन हो गया।जिसके बाद ग्राम पंचायत अधिकारी शाहपुर तहसील फतेहपुर बाराबंकी ने उनकी माता का मृत्यु प्रमाण पत्र पांच अप्रैल 2024 को जारी किया गया।शिकायतकर्ता ने प्रार्थना पत्र मे बताया कि कि मेरी मां ने ग्राम पंचायत दुर्जनपुरघाट स्थित अपनी जमीन का दान लेखपत्र मेरे नाम तीन अगस्त 2023 को कर दिया है।मेरी मां के बीमार होने का फायदा उठा कर दुर्जन पुरघाट निवासी अंजनी कुमार सिंह पुत्र दयाशंकर सिंह ने मेरी मां की जमीन जो गाटा संख्या 369 है पर अवैध रुप से कब्जा कर लिया है।वहीं बड़ी जालसाजी करते हुए इन्होंने अयोध्या जिला अस्पताल से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र 29 अक्टूबर 2023 को जारी करा दिया।यह मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक सात अक्टूबर 2024 को जारी किया गया है। जिसे लेकर अंजनी कुमार सिंह ने ग्राम पंचायत दुर्जन पुरघाट के ग्राम पंचायत अधिकारी से मिलकर परिवार रजिस्टर की नकल भी जारी करा लिया है।अब अंजनी कुमार सिंह ने अवैध रुप से मेरे बैनामे की जमीन पर कब्जा कर तम्बाकू की फसल लगा रखी है।यहीं मेरे गांव जाने पर गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील ने तरबगंज एसडीएम को शिकायतकर्ता अर्चना सिंह पत्नी मुनेन्द्र सिंह निवासी विद्यीपुर कला शाहपुर थाना बददोपुर बाराबंकी के प्रार्थना पत्र के साथ ग्राम पंचायत शाहपुर से निर्गत मृत्यु प्रमाण-पत्र व जिला अस्पताल अयोध्या से निर्गत मृत्यु प्रमाण-पत्र की फोटोप्रति भेजकर अभिलेखों का भली भांति अवलोकन एवं परिशीलन कर जॉचोपरान्त नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिये।

लगातार जल रहा कूड़ा,बढ़ रहा प्रदूषण, जिम्मेदार मौन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जरवल बहराइच । किसानों के पराली जलाने पर सरकार की रोक लगी है। क्षेत्रीय राजस्व कर्मी किसानों के खेतों में

किसान पराली जलाए तो जुर्माना, नगर पंचायत जलाएं तो कौन लगाएग जुर्माना, लखनऊ बहराइच हाइवे के निकट जल रहा कूड़ा

पहुंचकर किसानों पर जुर्माना लगा रहे है। वहीं दूसरी तरफ लखनऊ बहराइच हाईवे के किनारे नायरा पेट्रोल पंप के बगल मीरगंज ग्राम पंचायत के बसहिया पाते में खुलेआम नगर पंचायत के कूड़े के ढेर में आग लगा दी गई है।नगर पंचायत के कूड़े के ढेर में आग लगने से चारों तरफ धुआं ही धुआं दिखाई दे रहा है। किसानों के ऊपर जुर्माना लगाने वाले राजस्व विभाग के अधिकारियों ने नगर पंचायत जरवल पर जुर्माना लगाने के बजाय बगल झांकने पर मजबूर है। लखनऊ बहराइच हाईवे के किनारे कूड़े के ढेर में आग लगाकर कई ट्रक कूड़ा जलाया जा रहा है। इस संबंध में एसडीएम कैसरगंज आलोक प्रसाद ने बताया कि किसानों के पराली जलाने पर रोक है,इससे प्रदूषण फैलता है। कूडे के ढेर में आग लगाकर प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर नहीं दिखे सपाई, कार्यालय के बाहर पुलिस छावनी में तब्दील

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में समाजवादी छात्र सभा ने वृहस्पतिवार को जिला मुख्यालयों पर विरोध-प्रदर्शन कर पुतला फूंकने का ऐलान किया था।इसके मद्देनजर जिला व पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया और सपा कार्यालय के साथ ही शहर में चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात कर दिया गया। खाकी की फौज देखकर खाकी सहम गयी। नतीजा यह रहा कि सपाई घरों में दुबके रहे और पुतला जलाने का साहस नहीं जुटा सके।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर को लेकर की गई टिप्पणी पर विपक्षी दलों में उबाल है। कांग्रेस के साथ ही समाजवादी पार्टी भी इसको बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाना चाह रही है। इसी के मद्देनजर समाजवादी पार्टी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा द्वारा गुरूवार को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध-प्रदर्शन कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का पुतला जलाने का आह्वान किया गया। इसकी जिम्मेदारी छात्र सभा को सौंपी गई।इस घोषणा को देखते हुए जिला व पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और शहर के गुरू नानक चौराहे पर स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय के बाहर व आस-पास पुलिस फोर्स की तैनाती कर दी गई।इसके साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर भी पुलिस के जवान मुस्तैद रहे।सपा कार्यालय में चार-छह लोग ही नजर आए।बड़े नेता व पदाधिकारी नदारद रहे। छात्र सभा के पदाधिकारी भी दूर-दूर तक नहीं दिखाई दिए। सपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन तो चुप्पी साधे रहे। उनका बयान तक नहीं आया। चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस के खौफ का असर रहा कि समाजवादी पार्टी और उसके फ्रंटल संगठनों के बड़े-बड़े सूरमा भी दुबके रहे।वे सड़क पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का पुतला फूंकने की हिम्मत नहीं जुटा सके।इस संबंध में एक पूर्व विधायक ने कहा कि पुतला जलाने का कार्यक्रम छात्र सभा का था।बहरहाल, वृहस्पतिवार को खाकी वर्दी के आगे खादी के असहाय नजर आने और सड़क पर उतरने का साहस न कर पाने से पार्टी की खूब किरकिरा हो रही है।सपा के ही एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि समाजवादियों की असल पहचान ही संघर्ष है।

ड्यूटी पर जाते समय ट्रक की चपेट में आया होमगार्ड की मौत

गोंडा । जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र के महाराजगंज पुलिस चौकी अंतर्गत मनकापुर बस अड्डे के पास एक सड़क हादसे में 52 वर्षीय होमगार्ड ओमकार मणि त्रिपाठी की मौत हो गई।बताया जा रहा है कि मृतक होमगार्ड करुआ परा थाना इटियाथोक के निवासी थे और ड्यूटी के लिए गोंडा मुख्यालय पर आ रहे थे कि रास्ते में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से उनकी जान चली गई।मृतक होमगार्ड की पहचान उनके जेब से मिले आधार कार्ड से हुई जो ओमकार मणि त्रिपाठी का था।घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर करके पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया है।पुलिस ने मृतक के परिवार को भी इस घटना की सूचना दी और वे पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे हैं।वही नगर कोतवाली पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि ट्रक चालक की पहचान की जा सके।नगर कोतवाल संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि जैसे ही परिजनों द्वारा तह रीर दी जाएगी त्वरित कार्रवाई की जाएगी और आरोपित ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।वही पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

तौल केन्द्रों पर गन्ना सचिव का अचौक निरिक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैंसरगंज बहराइच। डीसीओ के निर्देश पर गन्ना क्रय केन्द्रों पर सहकारी गन्ना समिति के सचिव ने छापेमारी कर औचक निरीक्षण किया। तौल केन्द्रों का मैनुअल चेक कराया।

सहकारी गन्ना विकास समिति जरवलरोड के सचिव पी.एन. पाण्डेय ने गन्ना क्रियान्वयन समिति बहराइच के निर्देश पर गन्ना तौल केन्द्रों का अचानक औचक निरीक्षण किया। जिला गन्ना अधिकारी आनन्द शुक्ला को किसानों से घटतौली की शिकायतें लगातार मिल रही थी। डीसीओ के निर्देश पर सचिव पी.एन.पाण्डेय ने समिति के बांसगांव प्रथम,बांसगांव द्वितीय, बरखुरद्वारा पुर,पारले चीनी मिल के गेट नम्बर तीन पर लगे तौल केन्द्रों पर अचानक पहुंच कर छानबीन शुरू कर दी। श्री पाण्डेय ने तौल केन्द्रों पर लगे कांटो की मैनुअल जांच भी की। श्री पाण्डेय ने बताया कि डीसीओ के निर्देश पर तौल केन्द्रों पर अचानक छापेमारी की कार्यवाही की गई है।तौल केन्द्रों पर घटतौली नही पाई गई है।

'सुशासन सप्ताह 2024-प्रशासन गांव की ओर अभियान का जिले में हुआ आगाज़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म दिवस के अवसर पर 19 दिसम्बर से 24 दिसम्बर 2024 तक की अवधि में जनपद में ''सुशासन सप्ताह 2024-प्रशासन गांव की ओर'' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। सुशासन सप्ताह के प्रथम दिन शासन द्वारा शीतलहरी/ठण्ड/पाला के दौरान निराश्रित/असहाय/कमजोर वर्ग के असुरक्षित/गरीब व्यक्तियों/परिवारों को राहत पहुँचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देश व डीएम मोनिका रानी के कुशल मार्गदर्शन में जिले की समस्त तहसीलों की ग्राम पंचायतों एवं नगर निकायों के वाडी में नामित नोडल अधिकारियों के पर्यवेक्षण में वृहद कम्बल वितरण कार्यक्रम संचालित हुआ।

डीएम मोनिका रानी ने बताया कि तहसील सदर बहराइच अन्तर्गत 813, कैसरगंज में 1075, महसी में 880, मिहींपुरवा (मोतीपुर) में 1035, नानपारा में 825 एवं तहसील पयागपुर में 850 कुल 5478 ज़ीरो पावर्टी स्कीम/पेंशन योजना जैसे वृद्धावस्था/विकलांग/विधवा पेंशन के लाभार्थियों को विशेष तरजीह देते हुए सभी गरीब व असहाय व्यक्तियों को नोडल अधिकारियों के पर्यवेक्षण में कम्बल का वितरण किया गया। कम्बल वितरण कार्यक्रम विशेषता यह रही कि कम्बल प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को फोटो सहित सम्पूर्ण विवरण आपदा प्रहरी ऐप पर डाउनलोड भी किया गया है। डीएम ने बताया कि तहसीलों के अतिरिक्त जनपद में अवस्थित नगर निकायों यथा नगर पालिका परिषद नानपारा अन्तर्गत 236, नगर पंचायत जरवल में 25, कैसरगंज में 185, रिसिया में 266, मिहींपुरवा में 80 व नगर पंचायत रूपईडीहा 80 कुल 872 गरीब व असहाय व्यक्तियों को कम्बल का वितरण किया गया।

डीएम मोनिका रानी ने बताया कि शासन के निर्देश पर ''सुशासन सप्ताह 2024-प्रशासन गांव की ओर'' अभियान अन्तर्गत लोक शिकायतों के निराकरण हेतु तहसील मुख्यालय/विकास खण्ड स्तर पर विशेष शिविर का आयोजन, भारत सरकार की केन्द्रीय लोक शिकायत निवारण प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) में लम्बित लोक शिकायतों का निराकरण, स्टेट पोर्टल (आईजीआरएस) में प्राप्त लोक शिकायतों का निराकरण किया जाने के साथ ''ऑनलाइन सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि कराये जाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा तथा विभिन्न योजनाओं से पात्र लोगों को लाभान्वित भी किया जायेगा।

डीएम ने बताया कि इसके अतिरिक्त 23 दिसम्बर 2024 को जनपद में एक सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा, जिसमें जनपद के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का भी प्रदर्शन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम के साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जनपद में व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। डीएम ने बताया कि भारत रत्न स्वर्गीय अटल जी के जन्म दिवस 25 दिसम्बर को विकास भवन में आयोजित वृहद कार्यक्रम में मा. जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जायेगा।

ट्रैक्टर ट्राली से टकराई बाइक, युवक की मौत

जरवल से चीनी मील होकर जरवल रोड जाने वाले सकरे व गड्ढे युक्त बाईपास मार्ग निकट गायत्री मंदिर के पास दुर्घटना मे हुई युवक की मौत। जरवल बहराइच । जरवल से चीनी मिल होकर जरवल रोड तक जाने वाला बाईपास सकरा व गड्ढों से भरा और फुटपाथ विहीन है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों की जाने जा रही है,बुधवार देर शाम को गायत्री मंदिर के पास करनैलगंज निवासी युवक की सड़क दुर्घटना में हुई हृदय विदारक मौत ने इस समस्या को और उजागर कर दिया। थाना क्षेत्र जरवल रोड के अंतर्गत जरवल क़स्बा से होकर चीनी मिल जरवल रोड जाने वाले बाईपास मार्ग पर गायत्री मंदिर के निकट शाम लगभग 6:00 बजे जरवल कस्बा से जरवलरोड आ रहे गोण्डा जिले के धौरहरा बसहिया निवासी अरुण राज (17) पुत्र जियाराम सामने से आ रही ट्राली के पिछले पहिए में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने गंभीर अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी बृजराज प्रसाद ने बताया ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में ले लिया गया है। मृतक के घर सूचना दे दी गई ।

तहसील बहराइच में 16 जनवरी को आयोजित होगा तालाब आवंटन शिविर

बहराइच । तहसील बहराइच सदर अन्तर्गत उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 व उ.प्र. राजस्व संहिता नियमावली 2016 में वर्णित उपबन्धों के अनुसार मछुआ समुदाय व अनुसूचित जाति/जनजाति के व्यक्तियों के मध्य नीलामी पद्धति से तालाबों का दस वर्षीय पट्टा किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए उप जिलाधिकारी सदर ने बताया कि तहसील बहराइच सदर स्थित सभागार में 16 जनवरी 2025 को पूर्वान्ह 11:00 से होने वाली नीलामी के लिए नायब तहसीलदार सदर को नीलाम अधिकारी नामित किया गया है। एसडीएम बहराइच ने बताया कि तहसील अन्तर्गत ग्राम कुसौर में खसरा नम्बर 465 क्षेत्र 0.5480 हे. व ख.सं. 365 क्षेत्र 0.2650 हे., सरबदहा में ख.सं. 192 क्षेत्र 1.0040 हे. व ख.सं. 247 क्षेत्र 0.4050 हे., बहादुरचक में ख.सं. 411मि. 0.3940 हे., सिटकहनाजोत केशव में ख.सं. 659मि. क्षेत्र 0.5430 हे., गौड़रिया में ख.सं. 491मि. क्षेत्र 0.6560 हे. व ख.सं. 248मि. क्षेत्र 0.4660 हे., बुलहा में ख.सं. 54ग क्षेत्र 0.3760 हे., नसरापुर में ख.सं. 59 क्षेत्र 0.4660 हे., हरिहरपुर में ख.सं. 34 क्षेत्र 0.2950 हे. व ख.सं. 298 क्षेत्र 0.2060 हे., बभनी परगना हिसामपुर में ख.सं. 121 क्षेत्र 0.5020 हे. व ख.सं. 1/1 क्षेत्र 1.0680 हे., बड़ागांव परगना बहराइच में ख.सं. 516ख क्षेत्र 0.2370 हे., कमलाजोत में ख.सं. 51 क्षेत्र 0.2370 हे. व ख.सं. 22ख क्षेत्र 0.2940 हे., लौकना में ख.सं. 519 क्षेत्र 0.2420 हे., कुरवारीमाफी में ख.सं. 285 क्षेत्र 0.6260 हे. व ख.सं. 109 क्षेत्र 0.4560 हे., अलिया बुलबुल में ख.सं. 194 क्षेत्र 0.4620 हे. व ख.सं. 209 क्षेत्र 4.7840 हे., हुडरू में ख.सं. 600ख क्षेत्र 0.7650 हे., खैरी दिकौली में ख.सं. 110मि. क्षेत्र 2.5300 हे. तथा ग्राम बनवारी गोपालपुर में ख.सं. 845 क्षेत्र 3.9580 हे. का नीलामी पद्धति से दस वर्षीय पट्टा किया जायेगा। उप जिलाधिकारी ने बताया कि 0.5 एकड़ से लेकर 02 हेक्टेयर तक के क्षेत्रफल के तालाबों की नीलामी मछुआ समुदाय के लोगों को तथा 02 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के जालाब की नीलामी सहकारी समितियों के हक में की जायेगी। एसडीएम ने बताया कि तहसील स्थित रजिस्ट्रार कानूनगो के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस में सम्पर्क कर पट्टे की शर्तों एवं नीलामी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

तैंतीस परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी । विकास खण्ड तिलोई के पूर्व माध्यमिक व कम्पोजिट विद्यालय विद्यालयों में शिक्षारत बच्चों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत एक सैकड़ा बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिये भेजा गया। ब्लाक

खण्ड शिक्षा अधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर बस को बीआरसी तिलोई से किया रवाना

संसाधन केन्द्र तिलोई के प्रांगण में खण्ड शिक्षा अधिकारी के साथ शिक्षक नेताओं ने बच्चों से सवार बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक व कम्पोजिट विद्यालय में शिक्षा दीक्षा ग्रहण कर रहे एक सैकड़ा बच्चों को गुरुवार को ब्लाक संसाधन केन्द्र तिलोई के प्रांगण से राजीव गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी फुरसतगंज व एफडीडीआई में तकनीकी जानकारी हेतु खण्ड शिक्षा अधिकारी आर के कश्यप,राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के अध्यक्ष संतोष तिवारी, प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष कामता दीक्षित, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री रमाकांत मौर्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शैक्षिक भ्रमण के लिये गये बच्चों ने राजीव गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी व एफडीडीआई को देखकर बहुत खुश नजर आये।खण्ड शिक्षा अधिकारी राम किशुन कश्यप ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण से इन बच्चों को तमाम जानकारी हासिल होगी और इनको आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।इस मौके पर एआरपी ब्रजेश कुमार सिंह, माधवेंद्र सिंह, शोभा शरण, मोहम्मद सईद,विजय सिंह, अतुल श्रीवास्तव व्यायाम शिक्षक ओंकार सिंह,शशि सिंह,अमृता जायसवाल, गोविन्द त्रिपाठी,अनुज मिश्रा, शुभम मिश्रा सहित अन्य तमाम शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति एवं पर्यावरण समिति की बैठक हुई सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। गंगा समिति की समीक्षा बैठक के दौरान गोमती नदी के किनारे स्थित ग्रामों को ओडीएफ व ओडीएफ प्लस कराना, विकेन्द्रीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व्यवस्था को लागू किये जाने पर अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया।बैठक में उन्होने कहा कि कूड़ा व प्लास्टिक नदी में प्रवाहित न हो, गोमती नदी व सहायक नदी में मिलने वाले नालों की सूची तैयार की जाये तथा प्रत्येक नाले में जाली लगाई जाये व उसकी नियमित सफाई की व्यवस्था सम्बन्धित निकाय व ग्राम पंचायत स्तर से सुनिश्चित कराई जाये तथा नालों व नदी में कूड़ा न डाला जाये इसके लिये व्यापक रूप से जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाये।बैठक में गोमती नदी के किनारे स्थित सरकारी भूमि को चिन्हित कर वृहद वृक्षारोपण तथा तालाबों को चिन्हित कर उनके जीर्णोद्वार की कार्यवाही के साथ गंगा संरक्षण के लिये अन्य आवश्यक कार्य कराये जाये। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के किनारे स्थित ग्रामों में जैविक कृषि पद्धति तथा जल संचयन सम्बन्धित सिंचाइ पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाये। बैठक में उन्होंने कहा कि गोमती संरक्षण सम्बन्धी संचालित व निर्माणाधीन सीवरेज शोधन व औद्योगिक उत्प्रवाह शोधन सम्बन्धी कार्यो के प्रभावी संचालन व प्रगति की समीक्षा किये जाने के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया। उन्होंने कहा कि गोमती उद्गम स्थल के किनारे स्थित गांव व नगर पंचायतों में गंगा आरती का आयोजन कराया जाये।जनपद में टैप्ड व अनटैप्ड नालों की स्थिति व उनके द्वारा नदी एवं जलाशयों में प्रदूषित सामग्री न प्रवाहित हो।इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के सम्बन्ध में जानकारी ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सभी निकायों को शीघ्र ही लैण्डफिल बनाये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत पकडिया नौगवां द्वारा अवगत कराया गया अभी प्राप्त नही हुई है भूमि चिन्हीकरण हेतु सर्वे कराया जाना प्रस्तावित है।ठोस अपशिष्ट के अन्तिम निस्तारण हेतु पृथक्कीकरण, एकत्रण, परिवहन,कम्पोस्टिंग व एमआरएफ सेन्टर की स्थिति की जानकारी ली। अधिशासी अधिकारी ने अवगत कराया गया नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में एमआर सेन्टर पर सूखे कचरे को पृथकीकरण का कार्य किया जा रहा है तथा नगर पंचायत पकडिया नौगवां में स्थल चिन्हिकरण की प्रक्रिया पूर्ण हो गयी है शीघ्र कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा।बैठक में कन्सट्रक्शन डिमोलेशन वेस्ट का प्रयोग स्थानीय लोगों द्वारा स्वयं कर लिया जाता है व निकाय से प्राप्त अपशिष्ट प्लास्टिक के पृथक्कीकरण, एकत्रीकरण भण्डारण एवं परिवहन का कार्य किया जा रहा है। बैठक में सीएनजी स्टेशन व पंजीकृत सीएनजी वाहनों के जानकारी प्राप्त की इस दौरान सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया कि 619 सीएनजी वाहनों का पंजीकरण किया जा चुके है। एवं 15 वर्ष से अधिक वाहनों निष्प्रोज्य किये जाने के सम्बन्ध जानकारी प्राप्त की तो सम्बन्धित द्वारा अवगत कराया गया कि 127 वाहनों को नोटिस निर्गत किये गये है।सभी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, डीएफओ, अपर जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी,अधिशासी अभियन्ता विद्युत,अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग,भूमि संरक्षण अधिकारी,समस्त अधिशासी अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे हैं।

पांच साल के मासूम की हत्या कल हुआ था घर से लापता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। पांच वर्षीय मासूम का शव घर से 100 मीटर दूर खंडहर में मिलने से हड़कंप मच गया है। गला रेतकर उसकी हत्या की गई है। मृतक मासूम बुधवार दोपहर से लापता था। पुलिस ने घटनास्थल पर जांच करते हुए शव को कब्जे में लिया है। घटना गोसाईंगंज थानाक्षेत्र के सोनवातारा गांव की है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गोसाईंगंज के सोनवातारा निवासी अरविंद का पांच वर्षीय पुत्र अखिल बुधवार दोपहर 12 बजे घर से लापता हो गया। कुछ देर तक जब बच्चा नजर नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू किया लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला।

गुरुवार सुबह घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित श्याम लाल के खंडहर नुमा मकान में उसका शव पाया गया। बच्चे के गले पर धारदार हथियार के निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुटी हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर गोसाईंगंज पुलिस और फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है मृतक मासूम कक्षा एक का छात्र था, उसके पिता परदेस में प्राइवेट नौकरी करता है। उधर सीओ जयसिंहपुर रमेश कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। थानाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया जांच कर रहे हैं, शव को पोस्टमार्टम में भेजा जा रहा है। परिजनों से तहरीर मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। आपको बता के मृत बच्चे के दादा पूर्णवासी की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की है।

ओरीपुर में फार्मर रजिस्ट्री शिविर का डीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । विकास खण्ड गौरीगंज की ग्राम पंचायत ओरीपुर में एग्रीस्टैक योजना के तहत कृषि व राजस्व विभाग द्वारा किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी के लिये पंचायत भवन में कैम्प का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निशा अनंत ने स्थलीय निरीक्षण कर फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने के कार्य का जायजा लिया एवं सम्बंधित अधिकारियों को किसानों से समन्वय कर अधिक से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने के निर्देश दिये।जिलाधिकारी निशा अनंत ने उपस्थित किसानों से अपील करते हुये कहा कि आप लोग अपनी फार्मर रजिस्ट्री आईडी जरूर बनवाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ पाये। उन्होंने बताया कि कृषि एवं राजस्व विभाग के कर्मचारियों द्वारा राजस्व गांवों में कैंप लगाकर किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री आईडी बनाये जाने का कार्य किया जा रहा है फार्मर रजिस्ट्री से किसानों को फसली ऋण एवं फसल बीमा क्षतिपूर्ति तथा आपदा राहत प्राप्त करने में सुगमता होगी साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों हेतु बार-बार भौतिक सत्यापन से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। उन्होंने जिले के सभी किसानों से नजदीकी जन सेवा केंद्र व राजस्व गांव में आयोजित होने वाले कैंप में उपस्थित होकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करा लेने की अपील की है। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने कैंप में फैमिली आईडी बनाए जाने के संबंध में भी जानकारी ली एवं संबंधित अधिकारियों को फैमिली आईडी के कार्य में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। इस दौरान उप कृषि निदेशक सत्येंद्र तिवारी, अपर सांख्यिकीय अधिकारी भूपेंद्र प्रताप सिंह, नायब तहसीलदार गौरीगंज अनुश्री त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित उपस्थित रहे।

डीएम ने तीन दिवसीय मंडलीय बाल क्रीडा प्रतियोगिता व शैक्षिक समारोह का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।बेसिक शिक्षा विभाग की तीन दिवसीय मंडलीय बाल क्रीडा प्रतियोगिताओं का उद्घाटन जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह,मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह,एडी बेसिक अजीत कुमार,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, बदायूं केकेबीएसए वीरेंद्र कुमार सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया। जिलाधिकारी सहित सभी अधिकारियों ने रंग बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया। जिलाधिकारी ने बच्चों की सलामी ली। बरेली,बदायूं, शाहजहांपुर,पीलीभीत के बच्चे कदम से कदम मिलाकर मार्च पास्ट में चल रहे थे।इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।बतौर मुख्य अतिथि हैसियत से क्रीड़ा रैली को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा खेल अनुशासन की सीख देते हैं। खेलकूद प्रतियोगिताओ से बच्चों का मानसिक विकास तो होता ही है।साथ ही सारा शारीरिक विकास भी होता है। जिलाधिकारी ने जूनियर स्तर की 100 मीटर रेस को झंडी दिखाकर दौड़ शुरू कराई। जिसमें बरेली के नितेश प्रथम,शाहजहांपुर के फैसल द्वितीय,बरेली के सुखपाल तृतीय स्थान पर रहे। तीनो विजेता खिलाड़ियों को जिलाधिकारी,मुख्य विकास अधिकारी, एडी बेसिक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। गले में मेडल पहनते ही बच्चे खुशी से झूम उठे। प्राथमिक स्तर की बाल बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में शाहजहांपुर के अनिकेत प्रथम,बदायूं के अजय द्वितीय,पीलीभीत के.के.केशव राना तृतीय, 100 मी बालक वर्ग की दौड़ में शाहजहांपुर के अनिकेत प्रथम,बदायूं के अजय द्वितीय,फैजान तृतीय स्थान पर रहे। जूनियर स्तर की बालिका वर्ग की 100 मीटर रेस में पीलीभीत की नंदनी प्रथम, बदायूं की मुस्कान द्वितीय, बरेली की निकिता तृतीय स्थान पर रही।लंबी कूद में पीलीभीत की पायल प्रथम,बरेली की अजरा द्वितीय, बदायूं की लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रही। प्राथमिक स्तर की 50 मीटर बालिका रेस में शाहजहांपुर की मीनाक्षी प्रथम,बदायूं की स्वाति द्वितीय,बदायूं की मधु तृतीय स्थान पर रही।

खपरैल गिरने से मलबे में दबकर महिला की मौत पर घर पहुँचे सयुस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार ''राजू'' परिवार को दिया हौसला मुहैया कराई आवश्यकता की सामग्री

पूरनपुर।विगत दिनों जितौरिया मे रात में परिवार पर अचानक भरभरा खपरैल गिर गई थी जिसके मलबे में दबकर महिला की मृत्यु हो गई थी एवं अन्य लोग घायल हो गए थे तेज आवाज सुनकर गांव के लोग पहुंच गए बमुश्किल बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया इलाज के दौरान महिला को मृत घोषित कर दिया आज सयूस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एव सपा नेता राजकुमार ''राजू'' पूरनपुर तहसील के घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव जितैरिया टांडा निवासी रामौतार के घर पहुँचे जहां उनकी पत्नी राजेश्वरी 50 वर्ष के निधन पर गहरा दु:ख जताया एव घायलो जिनमे बेटी सिंदूरी 14 वर्ष,जीतू 12 वर्ष और बेटी मोहिनी 8 साल का हाल भी जाना ज्ञात हो की राम औतार का परिवार साथ में खाना खाकर खपरैल पोश बरामदे में सो रहे थे। तभी करीब रात 11 बजे खपरैल भरभरा कर अचानक परिवार पर गिर गई। घटना को लेकर तेज धमाके की आवाज सुनकर लोगों की नींद टूट गई। ग्रामीणों ने मलवे में दबे दंपति और तीनों बच्चों को बमुश्किल बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया। डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर बाकी घायलों का उपचार किया जानकारी के बाद सपा नेता राजकुमार ''राजू'' ने जरूरत की सामग्री मुहैया करा कर उनका दु:ख कम करने का प्रयास किया उन्होंने कहा की पीड़ित परिवार बेहद गरीब है उन्होंने अपने स्तर से भी सहयोग किया है साथ ही प्रशासन से भी मदद की मांग की है जिनसे पीड़ितो की मदद हो सके..!

पुतला दहन की सूचना पर छात्र नेता को कोतवाली ले गई पुलिस

पूरनपुर।समाजवादी छात्र सभा उत्तर प्रदेश के आवाहन पर राज्यसभा में भाषण के दौरान देश के गृहमंत्री अमित शाह के द्वारा संविधान निर्माता डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर के सम्मान के खिलाफ दिए गए बयान बाजी के खिलाफ गृहमंत्री के इस्तीफ़े की मांग को लेकर एवं पुतला दहन के कार्यक्रम को रोकने के लिए सुबह ही पुलिस प्रशासन ने समाजवादी छात्र सभा के पूर्व प्रदेश सचिव नोमान अली वारसी को उनके आवास पर आकर हाउस अरेस्ट करके कोतवाली ले गई जहां पर लगभग दो-तीन घंटे बैठा कर रखा है।

कुड़वार थाने में तैनात उपनिरीक्षक की मौत

कुड़वार/सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के थाना कुड़वार में तैनात उपनिरीक्षक मुक्तबुद्दीन की अचानक मौत हो गई। दरोगा की हार्ट अटैक से हुई मौत बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार अचानक दोपहर में तबियत बिगड़ने पर साथी पुलिस कर्मी लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुड़वार थाने के प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान वर्मा ने बताया कि अचानक तबियत खराब होने पर मौत हुई है। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है।

धड़ल्ले से चल रहा है खनन, रात दिन हो रहा अवैध खनन पुलिस बनी मूकदर्शक

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रतापगंज पुलिस चौकी क्षेत्र के अहिमाने रेलवे क्रासिंग के किनारे हफ्तों से धड़ल्ले से अवैध खनन चल रहा है। अवैध खनन करने वाले मालिकों की माफियागिरी का बोलबाला है। क्षेत्र के कुछ लोग नाम ना छापने की शर्त पर बताया की ट्रैक्टर ट्राली की आवाज से दिनभर खेती किसानी करने के बाद में रात का सोना भी दुश्वार बना हुआ है। दिन का आलम यह है कि रास्ते पर इतनी मिट्टी उड़ रही है कि चलना भी दुश्वार हो गया है। अवैध खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। कार्रवाई ना होने की दर से रात दिन मिट्टी की खुदाई कर रहे है। खनन माफियाओं द्वारा पुलिस से मिलकर अवैध खनन का कार्य कराया जा रहा था। सूचना देने पर पुलिस तो पहुंचती है, लेकिन कार्रवाई नही की जाती है। रोड पर गिरी मिट्टी का से बाइक से निकलना भी दुर्लभ बना हुआ हैं। कहीं ना कहीं अवैध खनन माफियाओं के हौसले सातवें आसमान पर दिखाई दे रहे है। यह घटना इस बात को उजागर करती है ।

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाय : डीएम

अमेठी । जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु, श्रम बन्धु, व्यापार बंधु एवं औद्योगिक/व्यापारिक सुरक्षा फोरम तथा एम0ओ0यू0 क्रियान्वयन समिति की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आज औद्योगिक क्षेत्र की मूलभूत व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई जिस पर जिलाधिकारी ने इकाइयों/व्यापारिक बन्धुओं से प्राप्त समस्त प्रकरणों को संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने,कराने के साथ ही उन्हें अवगत कराने के निर्देश दिए। बैठक में आज जिलाधिकारी के समक्ष उद्यमियों की सुरक्षा व्यवस्था, औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर में भूखंड संख्या आठ सेक्टर इक्कीस पर अनाधिकृत व्यक्तियों से अवैध कब्जा खाली कराये जाने, होटल जेएस रेजिडेंसी के प्रकरण, औद्योगिक क्षेत्र त्रिशुंडी में पार्किंग व्यवस्था, गौरीशंकर डेयरी के विद्युत कनेक्शन तथा औद्योगिक क्षेत्र उतेलवा में आवंटित भूखंडों पर कब्जा दिलाए जाने के प्रकरण पर चर्चा की तथा संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के संबंध में शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। इसके साथ ही बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना की समीक्षा की तथा निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने औद्योगिक क्षेत्र उतेलवा में ए-वन चौराहे से ए-तेरह चौराहे तक सर्विस रोड निर्माण की समीक्षा कर सम्बन्धित को यथोचित कार्यवाही शीघ्र कराए जाने हेतु निर्देशित करने का निर्देश दिया। बैठक में निवेशकों द्वारा किये गये एमओयू के क्रियान्वयन तथा उन्हें धरातल पर उतारने के बारे में चर्चा की गई जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि उद्योग स्थापना में यदि किसी भी उद्यमी को किसी भी विभाग से कठिनाई से आ रही हो तो समिति को अवगत कराएं उसका प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पूरनपुर (पीलीभीत)

पत्रांक- 824/ न0पा0परि0पू0 / ई- टेन्डर / निर्माण / दिनांक:- 19/12/2024

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि योजना की प्राप्त धनराशि से नीचे उल्लेखित निर्माण कार्य हेतु ठेकेदारो से ई-निविदा दिनांक 26.12.2024 तक आमंत्रित की जाती है जो निविदा समिति द्वारा दिनांक 27.12.2024 को खोली जायेगी जिसके लिए ई-निविदा प्रपत्र उ0प्र0 की ई-प्रोक्योरमेंट की बेवसाइट https://etender.up.nic.in में उपलब्ध है टैक्नीकल विड खुलने के बाद फाइनेनशियल बिड खोली जायेगी।

विड प्रकाशित होने की तिथि - 19-12-2024
ऑनलाइन विड डाउनलोड / अपलोड करने की तिथि 19.12.2024
विड अपलोड करने की अन्तिम तिथि- 19.12.2024 सायं 5:00 बजे तक
टैक्नीकल विड खुलने की तिथि - 26.12.2024

क्र. सं.	कार्य का नाम	मद / योजना का नाम	कार्य की नाम आगणन धनराशि	बिड सिक्योरिटी	निविदा प्रपत्र का मूल्य (18 प्रतिशत जी0एस0 टी0 कार्य की अवधि सहित)	कार्य की अवधि
1	वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर पालिका परिषद, पूरनपुर कार्यालय में एल्कोपैनल से सौन्दर्यकरण कार्य ।	राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि	1095000/-	21900.00	1298.00	4 माह
2	वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर पालिका परिषद, पूरनपुर कोतवाली रोड पर इलेक्ट्रिक पोल गमलों के निर्माण कार्य	राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि	880000/-	17600.00	708.00	4 माह
3	वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर पालिका परिषद, पूरनपुर वार्ड सं0-06, मो0 गनेशगंज निकट पशु चिकित्सालय की दुकानों में ग्रेनाइट फर्श एवं एल्कोपैनल का निर्माण कार्य	राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि	1727000/-	34540.00	2124.00	4 माह
4	वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर पालिका परिषद, पूरनपुर वार्ड सं0-11, मो0 गनेशगंज पश्चिमी डा0 संतोष के पास दुकानों में ग्रेनाइट फर्श एवं एल्कोपैनल का निर्माण कार्य	राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि	1513000/-	30260.00	1888.00	4 माह
5	वित्तीय वर्ष 2024-25 में नगर पालिका परिषद, पूरनपुर में विभिन्न स्थान पर वाटर कूलर रूम में एल्कोपैनल से सौन्दर्यकरण का कार्य ।	राज्य वित्त आयोग/ पालिका निधि	1615000/-	32300.00	2006.00	4 माह

(लाल चन्द भारती)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
पूरनपुर - पीलीभीत।

(शैलेन्द्र गुप्ता)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
पूरनपुर - पीलीभीत।

जश्न में फायरिंग

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि विवाह आदि खुशी के मौके पर जानलेवा फायरिंग से मातम का माहौल बनने की तमाम घटनाओं के बावजूद इस बुराई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। विगत में ऐसी अनेक घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई और परिवारों के लिये जीवनभर का दुख छोड़ गए। इस बाबत कई बार अदालतों ने सख्त टिप्पणियां की और सामाजिक स्तर पर भी आवाजें उठी। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे। पिछले महीने पंजाब और हरियाणा में ऐसी ही तीन दर्दनाक घटनाएं इस आत्मघाती लापरवाही से सामने आईं। जो इस घातक प्रथा के गंभीर परिणामों को ही उजागर करती हैं। ऐसी ही एक घटना में हरियाणा के चरखी दादरी इलाके में एक बारात के दौरान तेरह साल की एक किशोरी की दर्दनाक मौत हर्ष फायरिंग में हो गई। साथ ही उसकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। ऐसे ही एक अन्य वाकये में फिरोजपुर में, एक दुल्हन तब गंभीर रूप से घायल हो गई, जब उसके भाई ने विदाई समारोह के दौरान लापरवाही से पिस्तौल चला दी। वहीं दूसरी ओर अमृतसर में ऐसी ही एक घटना सामने आई जब एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में एक महिला हर्ष फायरिंग से घायल हो गई। निश्चित रूप से संवेदनहीनता से उपजी त्रासदियों को रोकने के लिये तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। यकीनी तौर पर इस कुप्रथा को रोकने के लिये जो गंभीर पहल समाज की ओर से होनी चाहिए, वह होती नजर नहीं आ रही है। इन हालात में एक आशा की किरण तब जगी जब सर्वजातीय अठगामा खाप ने जश्न के दौरान होने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सामाजिक स्तर पर लिया। निश्चित रूप से खाप पंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। उसने चरखी दादरी की दुर्घटना में किशोरी की मौत के बाद यह प्रतिबंध लगाया है। निस्संदेह, खाप पंचायत की ओर से इस बुराई को दूर करने की यह कोशिश उसके सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। खाप ने फैसला लिया है कि ऐसी दुर्घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। उस व्यक्ति या परिवार पर जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। वक्त की नजाकत को समझते हुए लिया गया खाप का यह फैसला इस खतरनाक परिपाटी के खिलाफ शून्य सहिष्णुता को ही दर्शाता है। इस जानलेवा फायरिंग के खतरों को महसूस करते हुए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला भी खाप की ओर से लिया गया, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ठोस पहल की जा सके। निस्संदेह, समाज में इस घातक दिखावे की सोच बदलने हेतु खाप की रचनात्मक पहल से शादियों व अन्य खुशी के अवसरों पर बंदूकों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकेगा। उम्मीद करें कि पंजाब व हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस घातक प्रथा को समाप्त करने के खाप के सामूहिक संकल्प से प्रेरणा मिलेगी। बेहतर हो कि खाप की पहल का अनुपालन हो। हालांकि, सामाजिक स्तर पर यह जमीनी प्रयास महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को भी इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम व हाईकोर्ट बार-बार जश्न मनाने में गोलीबारी की अवैधता व खतरों की ओर ध्यान दिलाते रहते हैं। साथ ही इसे जीवन के प्रति लापरवाही से उपजा खतरा बताते रहे हैं। बल्कि यहां तक कि कोर्ट ने ऐसे कृत्यों में गैर इरादतन हत्या की कोशिश के रूप में कार्रवाई किये जाने की भी बात कही है। वहीं दूसरी ओर बंदूक से जुड़े नियमों को भी सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही कानूनों के उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त बंदूक लाइसेंसिंग मानदंडों के अतिक्रमण के मामलों को रोकने के लिये सुरक्षा प्रोटोकॉल की शिक्षा दी जानी अनिवार्य की जानी चाहिए। लोगों को जागरूक होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी उत्सव में हर्ष फायरिंग जैसी त्रासदियों की छाया से मुक्त होकर खुशियों के पल बरकरार रहें।

निस्तेज विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलेगा?

बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषतः कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे। क्योंकि आंबेडकर मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेस नीति से नाखुश थे। उनका मत था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है, अतः सभी मुस्लिम को भारत छोड़ देना चाहिए? गांधी और नेहरू ने इस विचारधारा का विरोध किया? गांधी तो विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए? बाबा साहेब ने गांधी से समझौता कर संविधान को मुस्लिम के अनुसार ड्राफ्ट कर दिया? फिर भी नेहरू बाबा साहेब के विरुद्ध लगातार लगे रहे। यहां तक आंबेडकर के चुनाव लड़ने पर नेहरू ने उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा कर उन्हें हरवा दिया? विडम्बना देखिये कि आंबेडकर के सचिव नारायण सदोबा काजरोलकर को उनके खिलाफ खड़ा कर दिया। कांग्रेस ने न केवल दो बार उन्हें चुनाव में हराया बल्कि केन्द्र सरकार में उनकी घोर उपेक्षा लगातार जारी रखी। इसी से नाराज होकर आंबेडकर ने मंत्री पद से इस्तिफा देते हुए नेहरू पर गंभीर आरोप लगाये। इतना ही नहीं आंबेडकर ने स्वयं के बनाये संविधान को जला देने की बात भी इसलिये कही थी कि संविधान का संचालन गलत हाथों में है।

विपक्ष बात-बात पर तू-तू, मैं-मैं करते हुए बात का बतंगड़ बनाकर देश का भारी नुकसान कर रहा है। संसद को चलने नहीं दे रहा है, आधे-अधूरे बयान के हिस्से को प्रचारित कर घटिया एवं सस्ती राजनीति करते हुए देश को गुमराह कर रही है। बेबुनियाद एवं भ्रामक मुद्दों को उछाल कैसे गुल खिलाये, कैसे देश को अंधेरों में धकेला जाये, इसी फिराक में कांग्रेस एवं समूचा विपक्ष दिनरात लगा है, इसका प्रमाण है गत दिवस संसद में गृह मंत्री अमित शाह के डा. आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर विपक्ष का हंगामा, तीखी नोकझोंक एवं होहल्ला। इस हंगामे का आधार यह है कि गृह मंत्री ने यह कह कर आंबेडकरजी का अपमान कर दिया कि यदि आंबेडकर, आंबेडकर करने वाले इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। मुश्किल यह है कि हंगामा करने वाले यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर ऐसा कहने से आंबेडकरजी का अपमान कैसे हो गया? विडम्बना देखिये कि आजादी के बाद से अब तक आंबेडकर का अपमान करने, तिरस्कार करने एवं उनकी उपेक्षा करने वाला दल एकाएक उनका इतना हिमायती कैसे हो गया? यह सारा हंगामा विपक्ष इसलिये कर रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी ने आंबेकडर को शीर्ष राष्ट्रनायकों में शुमार कर किया है और उनकी नीतियों, सिद्धान्तों एवं मूल्यों को राजनीति का अहम हिस्सा बनाया है। विपक्ष डरा हुआ है कि भाजपा आंबेडकर को आजादी के बाद प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह के बाद उचित स्थान देकर दलित समुदाय के हितों की वास्तविक चिन्ता की है, जिससे दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। इसलिये शाह के बयान को तोड़-मरोड एवं आधा-अधूरा प्रस्तुत कर बेवजह का हंगामा करने पर तुले विपक्ष एवं उनके नेताओं ने जो एवं जैसे तर्क दिए हैं, वे विचित्र ही नहीं, हास्यास्पद भी हैं। बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषतः कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे। क्योंकि आंबेडकर मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेस नीति से नाखुश थे। उनका मत था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है, अतः सभी मुस्लिम को भारत छोड़ देना चाहिए? गांधी और नेहरू ने इस विचारधारा का विरोध किया? गांधी तो विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए? बाबा साहेब ने गांधी से समझौता कर संविधान को मुस्लिम के अनुसार ड्राफ्ट कर दिया? फिर भी नेहरू बाबा साहेब के विरुद्ध लगातार लगे रहे। यहां तक आंबेडकर के चुनाव लड़ने पर नेहरू ने उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा कर उन्हें हरवा दिया? विडम्बना देखिये कि आंबेडकर के सचिव नारायण सदोबा काजरोलकर को उनके खिलाफ खड़ा कर दिया। कांग्रेस ने न केवल दो बार उन्हें चुनाव में हराया बल्कि केन्द्र सरकार में उनकी घोर उपेक्षा लगातार जारी रखी। इसी से नाराज होकर आंबेडकर ने मंत्री पद से इस्तिफा देते हुए नेहरू पर गंभीर आरोप लगाये। इतना ही नहीं आंबेडकर ने स्वयं के बनाये संविधान को जला देने की बात भी इसलिये कही थी कि संविधान का संचालन गलत हाथों में है। इतिहास की इन त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों के बावजूद आखिर कांग्रेस किस आधार पर आंबेडकर की तस्वीरें लेकर संसद परिसर में विरोध कर रही है। अपने आरोप को पुष्ट करने के लिए विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान के एक हिस्से को तो प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन उसके शेष हिस्से को सुनने के लिए तैयार नहीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि डा. आंबेडकर का नाम लेने वालों ने किस तरह उनके विचारों के खिलाफ काम किया और उन्हें अपमानित करने में भी संकोच नहीं किया। लगता है कांग्रेस को यही नागवार गुजरा और इसी कारण वह संसद के भीतर-बाहर इस मामले को तूल देने में जुट गई। इसे तूल देने के लिए उसके नेताओं की ओर से संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा बरपाया कि दोनों दलों के सांसदों के बीच मकर द्वार पर धक्कामुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी के सिर में चोट देखी गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सांसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो मेरे ऊपर गिरे। आरोप पर जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि हां! ऐसा हुआ। वे हमें प्रवेश द्वार पर रोकने की कोशिश रहे थे। ये तर्क एवं त्रासद स्थितियां संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाली है। कांग्रेस के तर्कों का स्तर न केवल राजनीतिक विमर्श का गिराने वाला ही नहीं, बल्कि यह बताने वाले भी हैं कि नेतागण किस तरह तिल का ताड़ बनाने में माहिर हो गए हैं। कांग्रेस भाजपा के बारे में तथ्यहीन एवं भ्रामक अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक गरीब और बेरोजगारी का गीत गाते रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में न तो गरीब खत्म हुए और न बेरोजगारी? नीयत में खोट और अनुभवहीनता का जब सत्ता प्राप्ति के संदर्भ में समन्वय हो जाता है, तो ऐसी हास्यास्पद स्थितियां निर्मित हो जाती हैं। भारत की राजनीति में इस समय यही स्थिति बन गई है। राजनीतिक बहस का स्तर इतना छिछलादार, स्तरहीन एवं बेबुनियाद नहीं होना चाहिए। झूठ को जोर-जोर से चिल्लाकर कहने से वह सच नहीं हो जाता। यह अच्छा हुआ कि गृह मंत्री ने अपने बयान पर कोई सफाई देने के बजाय दो टूक यह कहना उचित समझा कि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए। वैसे यह तय है कि विपक्षी नेता ऐसा नहीं करने वाले, क्योंकि उन्हें यही साबित करना है कि आंबेडकरजी का अपमान हो गया, संविधान खतरे में आ गया इसलिये गृहमंत्री को अपने पद से इस्तिफा दे देना चाहिए। आखिर इसे मूर्खतापूर्ण राजनीति न कहा जाए तो क्या कहा जाए? इस पर हैरानी नहीं कि राहुल गांधी को फिर से यह नजर आने लगा कि मोदी सरकार संविधान बदलने जा रही है। कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान को लेकर आसमान सिर पर उठाने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस सच को नहीं छिपा सकते कि उनके शासनकाल में डा. आंबेडकर की किस तरह उपेक्षा और अनदेखी की गई। इसका सबसे बड़ा प्रमाण तो यही है कि जहां जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी को तो उनके जीवनकाल में ही भारत रत्न से सम्मानित कर दिया गया, लेकिन आंबेडकरजी को यह सम्मान दशकों बाद 1990 में मिल सका। यहां तक संसद के केन्द्रीय कक्ष में मोतीलाल नेहरू, जवाहरलाल नेहरू एवं इन्दिरा गांधी की तस्वीरें तभी लग गयी लेकिन आंबेडकर की तस्वीर वी.पी. सिंह ने प्रधानमंत्री रहते लगायी गयी। क्या कांग्रेस बता सकेगी कि ऐसा क्यों हुआ? क्यों आंबेडकर की लगातार उपेक्षा होती रही? डा. आंबेडकर ने 25 नवंबर, 1949 के अपने ऐतिहासिक भाषण में यह कहा था कि संविधान कितना अच्छा होगा, यह आगे चलकर उसे चलाने वालें सत्ता नेतृत्व की मानसिकता एवं नीयत पर निर्भर करेगा। 1975-77 में यह शब्दशः सत्य सिद्ध हुआ, जब पद पर बने रहने की लालसा ने संविधान के साथ अत्याचार करते हुए आपातकाल लागू किया गया, जिसे इतिहास भूलेगा नहीं। लेकिन आज जो संविधान बचाने का शोर सुनाई दे रहा है और जिसकी प्रति संसद से संभल तक लहराई जा रही है, वह देश का ध्यान भटकाने की कोशिश मात्र है, जनता को गुमराह करने की कुचेष्टा मात्र है। निश्चित ही यह दयनीय, विडम्बनापूर्ण एवं त्रासद है कि सत्ता पाने के लिए व्याकुल लोगों की व्यग्रता अब घातक उग्रता के रूप में प्रकट हो रही है। संसद के कार्य संचालन में जैसे व्यवधान डाले जा रहे हैं, वे न तो भारत के संविधान के प्रति कोई आदरभाव प्रकट करते हैं, न ही आंबेडकर के प्रति कोई श्रद्धा प्रकट करते हैं। आज हमारे विपक्ष के पास एक भी ऐसा नेता नहीं है जो इस स्थिति से देश को बाहर निकाल सके, राष्ट्रीय चरित्र को जीवित रखने का भरोसा दिला सके। प्रश्न है कि निराश करने वाला विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलता रहेगा? – **ललित गर्ग**

बदलावों में ही संविधान की रमणीयता है

डॉ. दीपक पाचपोर

भारतीय संविधान ने अपने लिये जो जिम्मेदारियां तय की हैं, उनमें देश के भीतर एक सुगठित राजनीतिक प्रणाली बनाने, सरकार के कामों का निर्धारण, शक्ति पृथक्करण कर विभिन्न अंगों के बीच संतुलन बनाये रखने, नागरिकों के बुनियादी अधिकारों को सुनिश्चित करने, नीति निर्देशक तत्वों के अनुरूप राज्य को परिचालित करने आदि जैसे महती उत्तरदायित्व तो हैं ही, जो कि दुनिया भर के ज्यादातर लिखित-अलिखित अथवा छोटे-बड़े संविधानों में भी तय किये गये हैंय परन्तु दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य भारत के संविधान ने अपने लिये चुने हैं। पहला है एक कल्याणकारी राज्य का सृजन और दूसरे, मानवीय गरिमा को स्थापित करना। संविधान पिछले लगभग 75 वर्षों से अपने इन दोनों उद्देश्यों को हासिल करने में लगभग कामयाब रहा है। देश ने केन्द्र के साथ राज्यों में कई तरह की सरकारें देखी हैं- अच्छी और बुरी, बहुमत वाली और अल्पमत की भी, कठोर व उदार या फिर मध्यमार्गी। उनकी वैचारिक पृष्ठभूमियां भी अलग-अलग रहीं। फिर भी किसी भी सरकार ने (केन्द्र की हों या सूबों की) संविधान से ऐसी छेड़छाड़ करने का कभी प्रयास नहीं किया जिसके कारण हमारा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक ढांचें चरमरा जायें। इस मायने में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबसे अलग निकली। चाहे वह खुद इसी संवैधानिक प्रणाली की उपज हो लेकिन उसने 2014 के पहले से ही इसके लिये ऐसा कुछ करना शुरू कर दिया था कि मौका मिले और वह संविधान का बैंड बजा दे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुरू से ही मनुस्मृति का समर्थक रहा है। उसका सपना रहा कि जब भी वह सत्ता में आये, इस संविधान को दफा कर मनुस्मृति लागू कर दे। इसका मौका देशवासियों ने कभी नहीं दिया। न जनसंघ और न ही भाजपा के रूप में वह कभी इतनी सक्षम हो पायी कि डॉ. बीआर अंबेडकर रचित संविधान को रद्द कर अपनी मान्यताओं के अनुरूप या मनुस्मृति आधारित ऐसा दस्तावेज दे सके जो देश को परिचालित करे। 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार में उसकी भागीदारी ऐसी नहीं थी कि वह संविधान की ओर देखने की भी हिम्मत कर सके। पक्ष और विपक्ष में ऐसे अनेक बड़े नेता और उनकी पार्टियां थीं जो सजगता से संविधान की रक्षा में तैनात रहीं। उसके बाद 13 दिन, 13 माह और अंततरू पूरे पांच वर्षों की केन्द्र में भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी की सरकारें जरूर बनीं परन्तु वे अनेक पार्टियों के भरोसे थीं। इसलिये संविधान साफ-साफ बच निकला। अलबत्ता 2014 के लोकसभा चुनाव के काफी पहले से जिस ढंग से मोदी और भाजपा ने कांग्रेस पर हमले किये, साफ हो गया था कि पूरी व्यवस्था में जिस सुधार की बात की जा रही है, वह दरअसल संविधान में बदलाव का माहौल तैयार किया जा रहा है। कांग्रेस की यात्रा में पहले आजादी का संग्राम उसका साथी था, तो स्वतंत्रता के पश्चात संविधान उसका हमसफर बना। भारत के वैविध्यपूर्ण सामाजिक ढांचे के अनुकूल एक ऐसा संविधान देने में अंबेडकर सफल रहे जो करोड़ों लोगों का उत्थान, एक मजबूत व प्रगतिशील राष्ट्र सुनिश्चित कर सके। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार ने उसे प्रसन्नतापूर्वक लागू किया। यह पवित्र ग्रंथ ही पिछले साढ़े सात दशकों से किसी मशाल की भांति भारत का पथ प्रदर्शन करता रहा है। भाजपा-संघ की विचारधारा इस संविधान के ताप को बर्दाश्त करने में नाकाबिल थी। जब इसे लागू किया गया तभी इसके बारे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुखों की ओर से कहा गया कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है।श उनके अनुसार मनुस्मृति ही भारतीय व्यवस्था को संचालित करने वाली संहिता हो सकती है। दूसरी तरफ, गांधी के हिन्द स्वराज्य और नेहरू की भारतीय परिवेश के अनुकूल परिमार्जित की गयी समाजवादी अवधारणा से जो रसायन तैयार हुआ वह भारत के समग्र विकास के लिये रामबाण साबित हुआ। इस काढ़े को पीकर भारत में मनुस्मृति पर आधारित समाज से उपजने वाली तमाम तरह की व्याधियों से भी लड़ने की ताकत पैदा हुई। इसलिये हिंदू महासभा, संघ और उनके जैसे संगठनों व वैचारिक बुनावट वाले लोगों के लिये आवश्यक था कि कांग्रेस को कोसें, स्वतंत्रता आंदोलन की गौरवशाली विरासत को लांछित करें तथा राष्ट्रनायकों को अपमानित करें। इससे तैयार हुई मानसिकता ने संविधान के श्रेष्ठ तत्वों पर हमले किये। भाजपा के वर्तमान नेताओं और काडर की ओर से संविधान का जो सतत अपमान किया जाता रहा है, उसे नयी ऊर्जा मिली मोदी के पीएम बनने से। उनके मुख्यमंत्री रहने के दौरान गुजरात की जो दशा हुई, वह झलक मात्र थी कि मोदी के जरिये भाजपा देश का कैसा स्वरूप चाहती है।

सेहत मंत्र

वायु प्रदूषण से श्वसन तंत्र ही नहीं, आंखें भी होती हैं प्रभावित : डॉक्टर्स

अगर आप सोचते हैं कि वायु प्रदूषण से केवल फ़ेफड़े या श्वसन तंत्र प्रभावित होते हैं, तो दुबारा विचार करें। क्योंकि मेडिकल विशेषज्ञों का कहना है कि खराब वायु गुणवत्ता से आंखों में कई समस्याएं भी हो सकती है, जिसमें कोर्निया को होनेवाली क्षति भी शामिल है। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूय ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) के ऑप्थामोलोजिस्ट डॉ. राजेश सिन्हा ने आईएएनएस को बताया कि नाक और मुंह की तरह आंखों को ढकना काफी मुश्किल है। इससे फ़ेफड़ों की तरह ही आंखों पर भी वायू प्रदूषण का बुरा असर पड़ता है। उन्होंने बताया कि आंख की ओकुलर सतह वातावरण के सीधे संपर्क आती है, इसलिए यह वायु प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित होती है। सर गंगा राम हॉस्पिटल, दिल्ली के ऑप्थामोलोजिस्ट डॉ. टिंकू बाली राजदान ने बताया कि कई सालों तक प्रदूषण के संपर्क में रहने के कारण कोरोना को क्षति पहुंचती है, यह तुरंत नहीं होता है। अगर ड्राइ आई की समस्या लंबे समय तक रहती है, तो यह भी कोरोना को क्षतिग्रस्त कर सकती है, जिससे लंबे समय में दृष्टि प्रभावित होती है। खुजली होने पर आंखों को रगड़ने से भी कोरोना पर असर पड़ता है। डॉ. राजदान ने कहा कि वायु प्रदूषण के संपर्क से ड्राइ आई की समस्या या आंखों के पानी की गुणवत्ता खराब हो जाती है। इससे आंखों में खुजली, परेशानी और लाल होने की समस्याएं होने लगती है।'' सिन्हा का कहना है, ''जो लोग कांटैक्ट लेंस पहनते हैं, उन्हें जोखिम और बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी आंखें पहले से ही ड्राई होती है। ऑप्थामोलोजिस्ट्स का कहना है कि प्रदूषण बढ़ने से ओपीडी में एलर्जी के इलाज के लिए आनेवाले मरीजों की संख्या बढ़ी है। मैक्स हेल्थकेयर के आंख विभाग के निदेशक और प्रमुख डॉ. संजय धवन का कहना है कि आंखों में खुजली, परेशानी और नजर कमजोर होने की समस्या से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ी है तथा इम्युनिटी कम होने के कारण ड्राई आई और अन्य संक्रमण बढ़े हैं।

धर्म मंत्र

अनिष्ट के देवता नहीं हैं शनि श्रद्धापूर्वक पूजा से करें प्रसन्न

नव ग्रहों में सातवें ग्रह माने जाने वाले शनिदेव से लोग सबसे ज्यादा डरते जरूर हैं लेकिन वह किसी का बुरा नहीं करते हैं। वह लोगों के कर्मों के हिसाब से उनके साथ न्याय करते हैं। शायद इसलिए उन्हें न्यायाधीश के रूप में भी पहचाना जाता है। शनिवार को शनिदेव की पूजा करने से व्यक्ति पर से साढ़ेसाती और ढैया समाप्त हो जाती है। इसके अलावा कुंडली में मौजूद कमजोर शनि का प्रभाव भी खत्म हो जाता है। ऐसा समझा जाता है कि शनिदेव अनिष्टकारी, दुखदायक और अशुभ के प्रतीक हैं, परंतु ये सच नहीं है। वास्तव में वे सकारात्मक प्रभाव वाले न्याय और संतुलन करने वाले ग्रह हैं। शनिवार के दिन उनको संतुष्ट करने के लिए शुद्ध मन और विधि विधान से पूजा करनी चाहिए। उनकी पूजा का एक विशेष तरीका है जिसका पालन करना जरूरी है। शास्त्रों के मुताबिक शनिदेव सूर्य देव और देवी छाया के पुत्र हैं। इनका जन्म ज्येष्ठ मास की अमावस्या हुआ था। शुद्ध मन से प्रत्येक शनिवार को व्रत रखने से शनि अत्यंत प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने वालों पर उनकी कुपित दृष्टि नहीं पड़ती। याद रखें कि शनि में श्रद्धा रखने वाले किसी भी शनिवार से उनका व्रत एवं पूजन शुरू कर सकते हैं। शनिदेव की पूजा के लिए शनिवार को व्रत का संकल्प लेकर नहा-धोकर काले वस्त्र धारण कर पूजा शुरु करें। इस दिन सरसों या तिल के तेल से दिया जला शनिदेव को अर्पित करें। इसके साथ ही शनिदेव को तिल, काली उदड़ या कोई भी काली वस्तु भेंट में चढ़ायें। शनि गायत्री मंत्र और शनि चालीसा आदि का जाप करें। खास बात ये है कि शनि चालिसा में आपको शनि को शांत रखने के समस्त उपाय मिल जायेंगे।

पर्यटन

विश्व की सबसे सीधी टनल और स्कॉटिश स्टाइल रेलवे स्टेशन के लिए मशहूर है बड़ोग

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित बरोग बहुत ही खूबसूरत जगह है। जहां जाकर आप 2 से 3 दिनों की छुट्टियां सुकून से बिता सकते हैं। चीड़ और देवदार के जंगलों से घिरा हुआ बड़ोग, बेशक शिमला, मनाली जैसी बहुत मशहूर जगह नहीं लेकिन वीकेंड में छुट्टियां बिताने के लिए परफ़ेक्ट डेस्टिनेशन है। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित बरोग का रेलवे स्टेशन यहां देखने वाली बहुत ही खूबसूरत जगह है। जहां तक पहुंचने का रास्ता भी पहाड़ियों से होकर आता है। यहां आप टॉय ट्रेन की राइड ले सकते हैं। ज्यादातर टूरिस्ट्स शिमला की यात्रा करते समय चंडीगढ़ से 60 किलोमीटर की दूरी पर कालका-शिमला हाइवे पर स्थित बड़ोग में रुकना पसंद करते हैं। बड़ोग में कालका-शिमला रेल मार्ग पर सुरंग नंबर 33 है। इसकी लंबाई 1143.11 मीटर है। इसका निर्माण ब्रिटिश इंजीनियर एच. एस. हैरिंगटन द्वारा जुलाई 1900 से सितंबर 1903 के बीच कराया गया। दरअसल, इस शहर का नाम इसी सुरंग के निर्माता के नाम पर पड़ा है। शहर का नाम अंग्रेज इंजीनियर बड़ोग के नाम पर रखा गया है। बड़ोग रेलवे स्टेशन के निर्माण को गति देने के लिए पर्वत के दोनों ओर खुदाई करने का आदेश दिया गया था। हालांकि बाद में यह पता चला कि इंजीनियर बड़ोग का अनुमान गलत होने के कारण टनल के दोनों सिरे आपस में नहीं मिल सके। इस पर ब्रिटिश सरकार ने उन पर एक रुपये का जुर्माना लगाया। इस शर्मिंदगी के कारण उन्होंने आत्महत्या कर ली। इंजीनियर बड़ोग का शव इस टनल के पास ही दफनाया गया और बाद में उनके नाम पर इस गांव का नाम बड़ोग रखा गया। यह विश्व की सबसे सीधी टनल के रूप में जानी जाती है। यहां का रेलवे स्टेशन स्कॉटिश स्टाइल में बना है, जो बहुत आकर्षक है। रेणुका लेक- बड़ोग की ये जगह है फ़ेमस टूरिस्ट स्पॉट। जो हिमाचल प्रदेश के सबसे बड़े नेचुरल लेक में से एक है। समुद्र तल से करीब 672 मीटर की ऊंचाई वाली इस झील का नाम भगवान परशुराम की मां रेणुका के नाम पर रखा गया है। घने जंगलों से घिरी इस झील के किनारे दो मंदिर भी हैं। ऐसा माना जाता है कि ये मंदिर 18वीं सदी के हैं।

साथी की मौत से कांग्रेसियों में उबाल, भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। लखनऊ में विधानसभा घेराव के दौरान कांग्रेसियों द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन में एक व्यक्ति की मौत की सूचना

पूर्व सांसद की उपस्थिति में लोकसभा

के बाद जिले में वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं में जहां शोक की लहर दौड़ गई। तो दूसरी तरफ युवा कार्यकर्ता काफी रोष में नजर आए। गुरुवार को शहर स्थित कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया व जिलाध्यक्ष मोहसिन सहित सैकड़ो कांग्रेसियों ने अपने दिवंगत साथी के चित्र पर माल्यार्पण कर उसे अंतिम विदाई दी। इस दौरान पूर्व सांसद बोले कि भाजपा सरकार के कुशासन, जंगलराज, महंगाई के खिलाफ और बाबा साहब के संविधान को बचाने की लड़ाई कांग्रेस पार्टी देश भर में लड़ रही हैं। इसी लड़ाई में 18 दिसम्बर को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भाजपा सरकार की निरंकुश पुलिस ने युवक कांग्रेस के उत्साही कार्यकर्ता प्रभात पाण्डेय की तथा असम राज्य के गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ता मृदल इस्लाम की अन्याय, जुल्म तथा बर्बरता से जान ले ली। हम कांग्रेस परिवार के साथ भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के लखनऊ एवं असम के कार्यकर्ता की असमय हुई मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके शोकाकुल परिवारजनों के प्रति गहरी शोक संवेदनाऐं व्यक्त कर सरकार से मांग की हैं कि योगी सरकार मृतक प्रभात पाण्डेय के परिवार को एक करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता करे और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दें। इसके अतिरिक्त कांग्रेसियों ने असम राज्य के गुवाहाटी में कांग्रेस कार्यकर्ता मृदल इस्लाम के चित्र पर कांग्रेस परिवार के साथ श्रद्धासुमन अर्पित किया और देर शाम कैंडल मार्च निकालकर विरोध जताया। इस मौके पर कांग्रेस जिला मीडिया प्रभारी सरजू शर्मा राजेन्द्र वर्मा फोटोवाला, पूर्व जिलाध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, अजीत वर्मा, इरफान कुरैशी, के.सी.श्रीवास्तव, अखिलेश वर्मा, रामहरख रावत, सिकंदर अब्बास रिजवी, सियाराम यादव, अजय रावत, आनन्द गौतम, जिया खान, सुशील वर्मा, पवन यादव, संजीव मिश्रा सहित दर्जनों की संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे ।

गाजे बाजे संग धूमधाम से निकली शोभायात्रा बारात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी। नगर पंचायत जैदपुर के मोहल्ला संगत स्थित श्री राम जानकी मैदान प्रांगण में चल रहे धनुष यज्ञ के सम्पूर्ण अवसर पर श्रीराम सेवा समिति के

श्री राम के जयकारों से गूंजा वातावरण

नेतृत्व द्वारा पुष्प वर्षा व पूजा आरती कर गाजे बाजे संग ऊंट घोड़ो संग जय श्री राम का उद्घोष करते हुए श्री राम बारात निकली। श्री राम बारात श्री जानकी मंदिर प्रांगण से छोटी बाजार जैन महल बाध चौराहा गढी कदीम महमूदपुर जेपी वर्मा होते हुए शिव मंदिर पीर पंजू चौहट्टा बड़ी सरकार चमरहिया मोड होते हुए पुनः संगत मंदिर पहुंची। भ्रमण के दौरान श्री राम भक्तों द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया । इस दौरान भक्तों पर छतो से पुष्प वर्षा होती रही, कई जगहों पर समाजसेवियों द्वारा भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया। धनुष यज्ञ के दौरान स्थानीय सभासद मोहम्मद कासिम को अंग वस्त्र देखकर सम्मानित किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष प्रतिनिधि रियाज अहमद मोहम्मद कलीम अंसारी उपस्थित रहे।इस अवसर पर श्रीराम सेवा समिति के संयोजक कृष्ण गोपाल सोनी शिक्षक सरवन कुमार राकेश रावत द्वारा कठिन परिश्रम कर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई , कार्यक्रम में डब्बू जायसवाल दीपक निगम विश्वनाथ जायसवाल राधेश्याम सहित सैकड़ो भक्तगण उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम का जीवन चरित्र आदर्श, मर्यादा का प्रतीक : गौरी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भाजपा नेता ने उतारी प्रभु की आरती

देवा बाराबंकी। विकास खंड के मुरादपुर गांव में आयोजित श्रीराम कथा के अंतिम दिवस श्रद्धालुओं की धीड उमड़ी। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश वर्मा करां ने भगवान श्रीराम और कथा व्यास कथा गौरांगी गौरी जी की आरती उतारी और राम कथा गंगा में डुबकी लगाई। भगवान राम की कथा सुनने आसपास के तमाम गांवों के रामभक्त शामिल हुए। इस मौके पर पहुंचे श्री वर्मा ने कहा कि प्रभु श्रीराम के आदर्श व विचार भारतवर्ष की आत्मा में बसते हैं। उनका चरित्र व जीवन दर्शन भारतीय संस्कृति की आधार शिला है। यही नहीं प्रभु श्रीराम का जीवन का चरित्र मर्यादा का भी प्रतीक है।भगवान श्रीराम की कथा सुनने से ही मात्र जीवन धन्य धन्य हो जाता है। राम कथा का आयोजन गांव निवासी डॉ मनोज वर्मा रामू द्वारा किया गया था। इस मौके पर सूर्य प्रकाश वर्मा मँचू ,पुनीत मिश्रा, गिरीश वर्मा, रंजीत वर्मा, मनीष परिहार, बउनी भेड़हापुर, तेज प्रकाश, राममिलन यादव, मुकेश, हिमांशु वर्मा सहित कई सैकड़ा राम भक्त उपस्थित रहे।

गड्ढो में समाया, राजमार्ग गड्ढा मुक्त सरकारी अभियान

फोटो 449

निंदूरा बाराबंकी। विकासखंड क्षेत्र में बदहाल सड़कें लोगों के लिए समस्या का कारण बनी हुई हैं। एक ओर योगी सरकार व्यवस्था को सुधारने के लिए लगातार कार्य कर रही है और गड्ढा मुक्ति अभियान चला रही है लेकिन क्षेत्र की कुछ सड़को की स्थित देखकर ऐसा लगता है मानो गड्ढा मुक्ति अभियान खुद गड्ढे में जाता नजर आ रहा है।

प्रमाण एक - कस्बा टिकैतगंज के कुंडवा चौराहा से शिव विशाल ब्रिक फील्ड , दौलतपुर,मदीनपुर होते हुए शारदा सहायक नहर पर जाने वाला संपर्क मार्ग जर्जर हो चुका है मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे है कही कही तो आलम यह है कि डामर गायब हो चुका है केवल उखड़ी हुई गिट्टी ही बची है ऐसे में राहगीरों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

कई बार तो लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे है।पर इन दोनों सड़कों पर जनप्रतिनिधि से लेकर विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

प्रमाण दो - ग्राम अहमदनगर से ग्राम गढ़िया को जाने वाले संपर्क मार्ग और धौरहरा के पुल को जाने वाले संपर्क मार्ग की हालत खस्ता है।इस रास्ते से गुजरने वाले राहगीर मार्ग की ओर जाने से पहले चार बार सोचते है कि जाए कि न जाए। रास्ते पर गिट्टी उखड़ी पड़ी है लोग गिरकर चोटिल हो रहे है पर सुध लेने वाला कोई नहीं है। प्रमाण तीन - ग्राम बसारा से मुनीमपुर बरतरा मार्ग पर मुनीमपुर और आगापुर गांव को जोड़ने वाली करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क जर्जर हो चुकी है सड़क पर गिट्टी ही गिट्टी बची है।अक्सर ही बच्चों से लेकर बड़े तक गिरकर चोटिल हो रहे है।

मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों की मदद करेगी एलएसयूएमल्ल टीम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जनपद न्यायालय के मीटिंग हॉल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज सम्पन्न हो गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों और बौद्धिक अक्षमताओं वाले व्यक्तियों को विधिक सेवांए योजना-2024,पर विभिन्न विद्वानों ने प्रकाश डाला। प्रशिछण कार्यक्रम में जिला न्यायधीश लक्ष्मीकांत शुक्ल ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। बुधवार को उन्होंने पैनल लायर्स/पैरा लीगल वालेंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए हर एक इंसान को दृण संकल्प करना जरुरी होता है। जिला जज श्री शुक्ल ने उदाहरण देते हुए कहा कि माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला बछेंद्री पाल, अरुणिमा सिन्हा, माउंटेन मैन दशरथ माझी, बिग बी अमिताभ बच्चन जैसे लोग आज लोगों के लिए रोल मॉडल हैं। जिन्होंने इच्छा शक्ति और मजबूत दृण संकल्प के जरिये मुकाम हांसिल किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि मानसिक रूप से पीड़ित व्यक्ति के परिजनों या उसके रिश्तेदारों की सहमति लेने के बाद उसकी मदद करनी चाहिए। मनोचिकित्सक डॉ सहाबुद्दीन अम्मार ने तमाम कानून की जानकारी को देते हुए बताया कि मानसिक रूप से अक्षम लोगों को वही अधिकार और रिजर्वेशन दिए जाने का प्रावधान है। जिससे दिव्यांग व्यक्ति समान जीवन जी सके। उन्होंने कहा कि छह से आठ साल तक के मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चे को मुफ्त में शिक्षा तथा न्यायिक अधिकार और सुविधा पाने का अधिकार है। डॉ अम्मार ने बताया कि विकसित और मानसिक रूप से अक्षम इलाज कर रहे व्यक्ति को पूरा अधिकार है कि उसे उसकी बीमारी की विस्तृत जानकारी दी जाए।मेंटल रोगी को उसी तरह इलाज मिलने का प्रावधान है जैसे शारीरिक बीमार व्यक्ति को। उन्होंने कहा कि कोई भी भर्ती मरीज अस्पताल में जिसे मिलाने से मना कर सकता है। चाहे मिलने वाले व्यक्ति को मन कर सकता है।चिकित्सक सहाबुद्दीन अम्मार ने जोड़ा कि आज मानसिक रोगी को कुछ विशेष परिस्थितियों को छोडकर करंट (ईसीटी) देना बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि मेंटल हेल्थ केयर एक्ट में 18 साल से कम उम्र के बच्चे को करंट देना प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि 21 डिसेबिलिटी की केटेगरी चिन्हित हैं जिसमें एसिड अटैक पीड़ित/पीड़िता भी है।

दबंग से त्रस्त वृद्ध द्वारा राजधानी में आत्मदाह का असफल प्रयास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। राजधानी के हजरतगंज स्थित जीपीओ पार्क में जनपद के एक व्यक्ति ने आत्मदाह करने का प्रयास किया। गनीमत रही कि घटनास्थल के आसपास मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने फुर्ती दिखाते हुए व्यक्ति को बचाया और तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। फिर पुलिस द्वारा की गई मामले की जांच पड़ताल में सामने आया कि एक जमीनी विवाद में दबाव बनाने के लिए व्यक्ति ने ऐसा कदम उठाया था। जिसके बाद आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मामले में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि थाना घुंघटेर के ग्राम बंदेला मजरे घुंघटेर निवासी प्रथम पक्ष के सुधीर पुत्र बजरंग, बब्लू, राजेश, मुन्ना, छोटकन पुत्रगण बाबू एवं द्वितीय पक्ष के रऊफ के मध्य सहन की जमीन को लेकर विवाद है। विवादित भूमि की प्रकृति आबादी श्रेणी के अंतर्गत आती है। द्वितीय पक्ष के रऊफ पुत्र शहजाद का कहना है कि उक्त भूमि प्रथम पक्ष के सुधीर की मां ने उसे बीती 06 अप्रैल 2011 को स्टाम्प पेपर पर लिखकर दे दिया था। जबकि प्रथम पक्ष का कहना है कि मेरी मां द्वारा स्टाम्प पेपर पर कोई ऐसा विक्रय नहीं किया गया है। जिनकी मृत्यु लगभग 10 वर्ष पूर्व हो चुकी है। पुलिस व राजस्व टीम पूर्व में घटना स्थल का निरीक्षण किया कर चुकी है। मामला दीवानी का होने से न्यायालय में विचारधीन है । पुलिस ने दोनों पक्षों के विरुद्ध कार्यवाही की है। इसके अतरिक्त इस मौके पर कोई निर्माण कार्य किसी भी पक्ष द्वारा नहीं किया जा रहा है। फिर भी स्थानीय प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए रऊफ ने राजधानी में ऐसा करने का दुस्साहस किया है। फिलहाल आरोपी पुलिस के हिरासत में है, जिसके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म का असफल प्रयास, तहरीर

निंदूरा बाराबंकी। घुंघटेर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि बीते मंगलवार को वह घर में अकेली थी।तभी गांव का ही एक युवक घर मे घुस आया।उसका हाथ पकड़कर छेड़-छाड़ करने लगा।विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी।उसके चिल्लाने पर आसपास के लोग आ गए। लोगों को आते देख युवक भाग निकला। पीड़िता ने जब आरोपी की मां से इसकी शिकायत की तो उल्टे उसकी ही पिटाई कर दी। जिससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। घुंघटेर थानाध्यक्ष ने बताया कि मामला संदिग्ध है। दोनों एक ही गांव में रहते हैं।मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

राम जन्म कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

मसौली बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। ग्राम पंचायत सिसवारा स्थित श्री दिगम्बर नाथ मंदिर मे स्वामी विनोदाचार्य दासजी महाराज की अध्यक्षता में चल रहे श्रीरुद्रात्मक हनुमत महायज्ञ एवं मानस वेदान्त संत सम्मेलन अमृत महोत्सव में नैमिषारय से आये कथावाचक अरुण व्यास मानस लहरी ने भगवान राम जन्म कथा का मानोहारी वर्णन किया। कहा कि अवधपुरी में एक रघुकुलशिरोमणि दशरथ नाम के राजा थे, जिनका नाम वेदों में विख्यात है। इनकी तीन रानियां है। कौशल्या , कैकई और सुमित्रा । इनके हृदय में भक्ति भरी हुई है। तीन विवाह हुए है लेकिन दुःख एक बात का है। एक बार भूपति मन माहीं। भै गलानि मोरें सुत नाहीं ? एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। एक बार माता अरुन्धति , जो वशिष्ठ जी की धर्मपत्नी है उनके गोद में एक बालक है- अपने पुत्र को लेकर राजमहल में आई तो दशरथ जी ने गालों को छुआ दशरथ जी बोले की माँ- मैंने तो धीरे से छुआ। यह रो क्यूं रहा है ?माता अरुन्धति बोली की इसलिए रो रहा है आपको संतान नही है तो ये बालक किसका गुरु बनेगा। आपकी गद्दी तो सूनी रह जाएगी और परम्परा टूट जाएगी जैसे ही दशरथ जी ने बात सुनी तो उनके मन में ग्लानि आई है। जैसे ही हृदय में ग्लानि आई है तो गुरु वशिष्ठ जी के चरणों में जाकर चरण पकड़ लिए है। राजा ने जाकर अपना दुःख-सुख गुरु को सुना दिया है। गुरुदेव ने तुरंत आशीर्वाद दिया है। धीरज रखो- आपके चार पुत्र होंगे। इस मौके पर पुजारी शिव कुमार वर्मा,गजेंद्र नाथ वर्मा, सुरेन्द्र नाथ वर्मा, महेंद्र वर्मा, दिलीप कुमार,राजेश कुमार, रामकृपाल, ओमकार यादव, चौधरी शैलेन्द्र कुमार वर्मा, किशोरी लाल,रिषी यादव, अरविंद वर्मा, सहित भारी संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

नर्सिंग होम में बालक की मौत, हंगामा, लापरवाही का आरोप

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली बदोसराय क्षेत्र के ग्राम मरकामऊ क़स्बे में संचालित शिव पटेल नर्सिंग होम में ग्राम फरेन्दहा मजरे अमराई गांव थाना रामनगर के निवासी प्रदीप ने अपने तीन वर्षीय पुत्र रिषु को बतौड़ी के आपरेशन के लिए भर्ती कराया था। गुरुवार को लगभग 11 बजे आपरेशन से पूर्व बच्चे को डाक्टर द्वारा दो इंजेक्शन लगाये गए । इंजेक्शन लगाने के कुछ पलों बाद ही बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद आक्रोषित परिजनों ने हंगामा काटा। भयभीत अस्पताल के डाक्टर व कर्मचारी फरार हो गए। इस सम्बंध में कोतवाली प्रभारी सन्तोष कुमार ने बताया है कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने बाद कार्रवाई की जाएगी।

बीडीओ व अभियंता ने किया स्थलीय सत्यापन

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। जीरो पावर्टी के तहत गुरुवार को सिद्धौर खंड विकास अधिकारी/उपजिलाधिकारी पूजा गुप्ता ने ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत रसूलपुर, भिटौरा लखन में स्थलीय सत्यापन किया।इस दौरान ग्राम पंचायत सचिव जनार्दन चौहान, ग्राम प्रधान आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में विकास खंड सिद्धौर क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 के कराए जा रहे हौज निर्माण व बोरिंग कार्यों का स्थलीय सत्यापन गुरुवार को सिद्धौर लघु सिंचाई अवरअभियंता सोमवीर सिंह यादव ने किया। सत्यापन दौरान लघु सिंचाई अवर अभियंता श्री यादव ने ब्लाक क्षेत्र की ग्राम पंचायत लोहारपुर,पारा, भिटौरा लखन,बम्भौरालोदी में कराए गए हौज निर्माण व बोरिंग कार्य का सत्यापन किया।इस दौरान बीटी संदीप गौड़, हरेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान व लाभार्थी मौजूद रहे।

पंचकुंडीय यज्ञ पूर्ण, भावभीनी विदाई

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। मां गायत्री संस्कार पीठ के 25वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर कस्बा तिलोकपुर में आयोजित पावन प्रज्ञा पुराण कथा एवं पंच कुंडीय यज्ञ का चार दिवसीय कार्यक्रम पूर्ण हुआ।सोमवार से चल रहे कथा यज्ञ एवं विभिन्न संस्कारों के इस सुंदर कार्यक्रम का गुरुवार को यज्ञ व भंडारे में प्रसाद वितरण के बाद समापन हुआ।गायत्री परिवार तिलोकपुर के सभी सदस्यों द्वारा संगीतमय कथा सुनाने वाली टोली को भावभरी विदाई दी गई।इस मौके पर पवन कुमार नाग शुशील कुमार शुक्ला रामकुमार वर्मा मोनू नाग आदि गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं सहित अन्य क्षेत्रवासी व गुरुभक्त उपस्थित रहे।

विद्युत उपभोक्ताओं को सहूलियत, एकमुश्त योजना

जैदपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विद्युत विभाग ने अपने उपभोक्ता बकायेदारों को राहत के लिए एकमुश्त समाधान योजना के तहत शिविर आयोजित किए हैं। जैदपुर उपकेंद्र के एसडीओ संदीप सिंह ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर बुधवार को ग्राम पंचायत अजपुरा में कैम्प लगाकर उपभोक्ताओं को एकमुश्त समाधान योजना के फायदों के बारे मे जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर से लगातार कभी गुलहरिया तो कभी शेखपुर मझियावां सहित अन्य ग्राम पंचायतों में कैम्प लगाकर ओटीएस के तहत रजिस्ट्रेशन करने के साथ बकाया बिल जमा कराने का कार्य विभाग के लोगों द्वारा जारी है।

बालाजी ग्रुप स्कूल! गायन प्रतियोगिता में आदित्य अव्वल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । स्थानीय के.डी सिंह बाबू स्टेडियम में चल रही बालाजी ग्रुप आफ स्कूल की स्पोर्ट्स मीट ?उड़ान' प्रतियोगिता के सातवें दिन बृहस्पतिवार को कैरम , शतरंज ,गायन तथा वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई । गायन प्रतियोगिता में ग्रुप 'ब' से प्रथम स्थान बालाजी का बचपन से आदित्य वर्मा, द्वितीय स्थान बालाजी अकैडमी से अनंत कुमार तथा तृतीय स्थान रोहन ने प्राप्त किया । ग्रुप ?स' से प्रथम स्थान बालाजी का बचपन से हदिया असलम , द्वितीय स्थान अंशिका सिंह तथा तृतीय स्थान पर बालाजी अकैडमी से लकी आगे रहे। वही कैरम प्रतियोगिता में ग्रुप ?अ' से प्रथम स्थान पर बालाजी अकैडमी से शिवाय सिंह, अयान रजा, द्वितीय स्थान पर रजत यादव, तेजस वर्मा तथा तृतीय स्थान बालाजी के बचपन से अपराजिता सिंह एवं कृतार्थ ने प्राप्त किया ।वही ग्रुप ?ब' से प्रथम स्थान पर बालाजी अकैडमी से अबू हुजैफा, मोहम्मद आतिफ, द्वितीय स्थान पर मोहम्मद अर्श रजा , फराज तथा तृतीय स्थान पर बालाजी का बचपन से उत्कर्ष शर्मा एवं विराट यादव रहे। ग्रुप ?स' से प्रथम स्थान बालाजी का बचपन से मेधांश बाजपेई , अमृत राज, द्वितीय स्थान बालाजी अकैडमी से रिशु मौर्य , वंश कुमार,तृतीय स्थान साहिब अंसारी एवं अब्दुल अहद आरफी ने प्राप्त किया । शतरंज प्रतियोगिता ग्रुप ?अ' से प्रथम स्थान पर बालाजी का बचपन से आदविक शुक्ल , द्वितीय स्थान बालाजी अकैडमी से आयुष मौर्य, तृतीय स्थान पर कार्तिक जायसवाल रहे। ग्रुप ?ब' से प्रथम स्थान बालाजी का बचपन से आदित्य यादव, द्वितीय स्थान यथार्थ कपिल, तृतीय स्थान पर अथर्व वर्मा रहे । ग्रुप ?स' से प्रथम स्थान पर बालाजी का बचपन से श्रेष्ठ श्रीवास्तव, द्वितीय स्थान विनायक मिश्रा,तृतीय स्थान राजवीर गुप्ता ने प्राप्त किया। इस अवसर पर बालाजी किड्स की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नाजिया ,गायिका तानिया भारद्वाज एवं अन्य अध्यापिकाएँ उपस्थित रही।

बिना डॉक्टर संचालित हो रहा जनता डायग्नोस्टिक सेंटर

गोण्डा । जिले के कटरा बजार थाना क्षेत्र में बिना डॉक्टर के संचालित हो रहे जनता अल्ट्रासाउन्ड व डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ आखिर कब कार्रवाई होगी यह सवाल अब उठने लगा है।आंकडे के अनुसार कटरा बजार थाना क्षेत्र में बिना रजिस्ट्रेशन हुआ बिना डॉक्टर के पैथोलॉजी और डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित हो रहे हैं।जहां डॉक्टर नहीं हैं।ऐसे अल्ट्रासाउन्ड व डायग्नोस्टिक सेंटरों की रिपोर्ट भी सही नहीं होती।सूत्रों के अनुसार यह दावा लखनऊ मेडि कल कालेज में तैनात बाल रोग विशेषज्ञ ने किया है डाक्टर ने बताया कि उनके पास आने वाले मरीज की हिस्ट्री व रिपोर्ट में काफी अंतर रहता है।डॉ.राम मनोहर लोहिया के स्त्री रोग विशेषज्ञ की माने तो गोण्डा जिले से एक लोग एक महिला को लेकर परिजन डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल आए थे।परिजनों के पास रिपोर्ट के अनुसार महिला का हीमोग्लोबीन 5.5 था।जबकि शक होने पर जांच कराई गई तो महिला में हीमग्लोबिन 10.5 मिला।वही सूत्रों के मुताबिक लोहिया अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि गोण्डा जिले के एक अल्ट्रासाउंड से आई एक रिपोर्ट में गर्भस्थ शिशु को मृत बताया गया था जबकि गर्भ में बच्चा जीवित था।

अश्विन ने स्वदेश लौटने पर कहा किसी तरह का कोई खेद नहीं

एजेंसी

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बीच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करने के एक दिन बाद रविचंद्रन अश्विन गुरुवार को जब स्वदेश लौटे तो यहां फूलों की पंखुड़ियों और बैंड बाजे के साथ उनका स्वागत किया गया जिसके बाद इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर किसी तरह का खेद नहीं है। अश्विन गुरुवार को तड़के चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे जहां राज्य क्रिकेट संघ के अधिकारी उन्हें बाहर लेकर आए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 765 विकेट लेने वाले इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने यहां पर मीडियाकर्मियों से बात नहीं की तथा वह अपनी कार की तरफ चले गए जहां उनकी अपनी पृथी और दोनों बेटियां उनका इंतजार कर रही थी। घर पहुंचने पर उन्होंने अपने माता-पिता का आशीर्वाद लिया और फिर इंतजार कर रहे पत्रकारों से भी बात की। ब्रिस्बेन में तीसरे

टेस्ट मैच के बाद संन्यास लेने की घोषणा करने वाले अश्विन ने कहा कि यह कई लोगों के लिए भावनात्मक हो सकता है और उन्हें इसे पचा पाने में थोड़ा समय लग सकता है लेकिन जहां तक मेरा सवाल है तो मेरे लिए यह बहुत राहत और संतुष्टि की बात है। मेरे लिए यह सहज फैसला था और पिछले कुछ समय से मैं इस पर विचार कर रहा था। मैच के चौथे दिन मुझे इसका एहसास हुआ और फिर मैंने इस फैसले की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि जहां तक मेरी बात है तो मेरे लिए यह (संन्यास लेना) बहुत बड़ा फैसला नहीं था क्योंकि मैं अब एक नई डगर पर आगे बढ़ रहा हूं। अश्विन से पूछा गया क्या उन्हें इस बात का खेद है कि वह कभी राष्ट्रीय टीम की कप्तानी नहीं कर पाए तो उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अब मैं ऐसा नहीं कर सकता। मुझे इस तरह का कोई खेद नहीं है। सच्चाई यह है कि मुझे रत्ति भर भी खेद नहीं है। मैंने लोगों को पछतावा करते हुए देखा है लेकिन मुझे किसी तरह का कोई पछतावा नहीं है। अश्विन जब घर पहुंचे तो उनके माता-पिता ने उन्हें गले लगा दिया। उन्हें फूल माला पहनाई गई। वहां मौजूद लोगों ने उनसे ऑटोग्राफ लिए और उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई दी। अश्विन ने कहा, मुझे विश्वास नहीं था कि इतने अधिक लोग यहां पहुंचेंगे। मैं चुपचाप घर पहुंच कर आराम करना चाहता था लेकिन आप लोगों ने मेरा दिन बना दिया। मैं इतने वर्षों तक टेस्ट क्रिकेट खेलता रहा लेकिन आखिरी बार मैंने 2011 में वनडे विश्व कप के बाद इस तरह का माहौल देखा था। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो हमें अपने करियर में काफी उतार चढ़ाव से गुजरना पड़ता है। अमूमन जब मैं सोने के लिए जाता हूं तो विकेट लेना, रन बनाना जैसी कई चीजों को याद करता हूं लेकिन पिछले दो वर्षों से ऐसा नहीं हो रहा था। अश्विन ने कहा,''इसलिए यह स्पष्ट संकेत था कि मुझे अब अलग रास्ता अपनाना है। मैंने अभी तक किसी तरह के लक्ष्य निर्धारित नहीं किए हैं। मैं अभी आराम करना चाहता हूं। मेरे लिए ऐसा करना थोड़ा मुश्किल होगा लेकिन मैं अब ऐसी कोशिश करना चाहता हूं।

घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ केवल बल्लेबाज के रूप में खेलेंगी हीली

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली के घुटने में दर्द के कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगी। लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह जनवरी में होने वाली एशेज सीरीज के लिए खुद को तैयार करने के लिए तीनों मैचों में बल्लेबाज के तौर पर खेल पाएंगी। बेथ मूनी गुरुवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में होने वाले सीरीज के पहले मैच में बतौर विकेटकीपर हीली की जगह लेंगी। हीली ने कहा, मैं इस सीरीज में विकेटकीपिंग नहीं करूंगी... लेकिन एशेज से पहले बहुत ज्यादा क्रिकेट नहीं है, इसलिए मेरे लिए यह एक मौका है कि मैं एक बल्लेबाज के तौर पर मैदान पर वापसी करूं और कुछ रन बनाने की कोशिश करूं। मुझे लगता है कि मैंने पिछले आठ या नौ महीनों में शायद ही कोई क्रिकेट खेला हो और ऐसा करने का

यह अच्छा मौका है। घुटने की स्थिति ठीक है, यह दिन-प्रतिदिन की बात है और हम आगे बढ़ने के साथ ही आकलन करेंगे। हीली की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए हाल ही में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज में जॉर्जिया वोल के पदार्पण का रास्ता खुल गया। वोल, जिन्होंने अपने पहले तीन वनडे मैचों में नाबाद 46, 101 और 26 रन बनाए थे, हीली की वापसी के साथ बाहर होने वाली बदकिस्मत खिलाड़ी बनने वाली हैं। हीली ने कहा, हम कुछ समय से बदलाव कर रहे हैं, टीम में कुछ युवा खिलाड़ी शामिल कर रहे हैं। लेकिन इस समय कुछ चोटों के कारण हमें मजबूरन खेलना पड़ रहा है। मुझे लगता है कि हम वाकई बहुत अच्छी स्थिति में हैं, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में गहराई बहुत मजबूती है। और जो भी आगे बढ़ता है, खासकर मेरा काम संभालने के लिए, वह मेरे लिए रन बनाता है या विकेट लेता है, इसलिए हम इस समय अच्छी स्थिति में हैं। न्यूजीलैंड अक्टूबर में टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोज़ बाउल की लड़ाई में शानदार तरीके से उतरेगा, यह उस ऐतिहासिक क्षण के बाद से उसका पहला घरेलू क्रिकेट है। हालांकि, उन्होंने 1999 में द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला या 2017 के बाद से एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया को नहीं हराया है।

बीसीसीआई ने सहयोगी स्टाफ के साथ अश्विन के मस्ती भरे पलों को याद किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। मैदान पर बेहद दृढ़ और कड़क नजर आने वाले रविचंद्रन अश्विन ड्रेसिंग रूम में पूरी तरह बदले हुए नजर आते हैं जहां उन्हें अपने साथियों और सहयोगी स्टाफ के साथ मस्ती करने के लिए जाना जाता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अश्विन के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के एक दिन बाद कुछ फुटेज जारी किए हैं जिसमें इस ऑफ स्पिनर को इनडोर नेट सुविधा में सहयोगी स्टाफ से गेंदबाजी का सबक लेते हुए दिखाया गया है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट किया, ''मैदान पर कई मुकाबले यादगार रहे। लेकिन ये कुछ ऐसे पल भी हैं जो अश्विन को अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की याद दिलाएंगे। अश्विन ने बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन में बारिश

से प्रभावित तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ छूटने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के घोषणा करके सभी को चौंका दिया था। वीडियो फुटेज में अश्विन को फील्डिंग कोच टी दिलीप, ट्रेनर सोहम देसाई, विश्लेषक हरि प्रसाद मोहन और मालिशिए अरुण कनाडे के साथ मस्ती करते हुए दिखाया गया है। अश्विन ने बुधवार को खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं इस बदलाव को लेकर रोमांचित हूँ। ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलना और अनुभवी सीनियर्स और कोचों से

जूनियर एशिया कप जीत ने हमें मानसिक मजबूती के बारे में बहुत कुछ सिखाया : कनिका सिवाच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी की उभरती स्टार कनिका सिवाच ओडिशा वारियर्स के साथ पहली महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में खेलने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न महिला जूनियर एशिया कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के बाद (जहाँ उन्होंने आठ गोल किए और चैंपियन भारत के लिए दूसरी और कुल मिलाकर चौथी स्कोरर रहीं) कनिका इस प्रतिष्ठित लीग में जूनियर रैंक से सीनियर चरण में जाने के लिए उत्सुक हैं। जूनियर एशिया कप से लेकर एचआईएल तक के अपने सफर को लेकर कनिका ने अपनी का मानना ??है कि उनकी हालिया सफलता ने एचआईएल के लिए उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ''जूनियर एशिया कप मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला रहा।

सीखना कुछ ऐसा है जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रही थी। यह मेरे लिए एक नई यात्रा है और मैं इसके ज़रिए आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हूँ। जूनियर एशिया कप में आठ गोल करने वाली 19 वर्षीय फारवर्ड हीरो हॉकी इंडिया लीग में इस अगली चुनौती के लिए तैयार होने में मैंने वहां जो अनुभव हासिल किया, वह अमूल्य होगा। ओडिशा वॉरियर्स में शामिल होकर कनिका टीम की सफलता में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं ओडिशा वॉरियर्स जैसी टीम का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस करती हूं, जिसमें कुछ बेहतरीन खिलाड़ी और कोच हैं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार हूं, ताकि हम दिखा सकें कि महिला खिलाड़ी के रूप में हम क्या करने में सक्षम हैं। अपने गोल स्कोरिंग कौशल के लिए जानी जाने वाली कनिका ने अपने फॉर्म को बनाए रखने में टीमवर्क के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया, ''हॉकी में स्कोर करना हमेशा एक टीम प्रयास होता है। अपने साथियों पर भरोसा करना और साथ मिलकर काम करना हीरो एचआईएल में मेरे स्कोरिंग स्ट्रीक को जारी रखने की कुंजी होगी। हीरो एचआईएल के तेज-तर्रार और गतिशील प्रारूप को अपनाना एक चुनौती है जिसका कनिका खुले दिल से स्वागत करती हैं। वह अपनी तैयारी में मदद करने के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों और कोचों के मार्गदर्शन का श्रेय देती हैं। उन्होंने कहा, मैं अनुभवी खिलाड़ियों और हमारे कोचों की सलाह पर भरोसा करने की योजना बना रही हूं, जो हमें लीग की गतिशील प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने में मदद कर रहे हैं। एक स्ट्राइकर के रूप में मेरी भूमिका में उनका समर्थन महत्वपूर्ण होगा। कनिका भारत में खेल के लिए पहली बार आयोजित होने वाले महिला एचआईएल के महत्व को लेकर विशेष रूप से उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह लीग भारतीय महिला हॉकी के लिए गेम-चेंजर है।

द हंड्रेड: नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम की मुख्य कोच नियुक्त हुईं लिसा केइटली

लंदन। लिसा केइटली को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स महिला टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। केइटली, जो 2019 से 2022 तक इंग्लैंड महिला टीम की मुख्य कोच थीं, डैनी हेज़ेल की जगह लेंगी, जो टीम के साथ चार साल बिताने के बाद अपने अनुबंध के अंत में सुपरचार्जर्स को छोड़ रही हैं। उन्होंने कहा, नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का हेड कोच बनने का अवसर एक बहुत बड़ा सम्मान है और मैं पिछले चार वर्षों में रखी गई ठोस नींव पर आगे बढ़ने के लिए उत्साहित हूं। हंड्रेड एक गेम-चेंजर रहा है। इसने महिलाओं के खेल को एक शानदार मंच प्रदान किया है और खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए वह मंच दिया है जिसकी वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, हेडिंग्ले इस बात का एक शानदार उदाहरण रहा है कि प्रशंसकों ने इस रोमांचक प्रतियोगिता को कैसे अपनाया है।

आरसीबी ने 'मेड ऑफ बोल्ड' खेल विकास कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रतिभाओं को उजागर करने और विभिन्न क्षेत्रों से एथलेटिक चैंपियनों को विकसित करने के उद्देश्य से, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आरसीबी के उपाध्यक्ष और प्रमुख राजेश मेनन ने कहा, ''मेड ऑफ बोल्ड पहल आरसीबी के स्पोर्ट्स फॉरवर्ड नेशन के व्यापक दृष्टिकोण का एक अभिन्न अंग है, जो भारत के लिए एक स्थायी और मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना चाहता है। इस प्रयास का उद्देश्य एथलीटों की पहचान करना और उनका पोषण करना और देश में सक्रिय खेल विकास के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के बीच बातचीत शुरू करना है। उन्होंने कहा, ''हम वास्तव में मानते हैं कि खेल और समुदाय एक साथ आने से सभी को दीर्घकालिक लाभ मिलता है। यह न केवल पहचानी गई और पोषित प्रतिभा के लिए है, बल्कि समुदाय पर सामाजिक-आर्थिक प्रभाव के लिए भी है। हम आरसीबी के मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम के साथ ऐसा करने का लक्ष्य रखते हैं, जो खेल के माध्यम से वंचित समुदायों के साथ अंतराल को पाटने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दीर्घकालिक विकास का समर्थन करता है। इस पहल पर आरसीबी की शीर्ष क्रिकेटर श्रेयंका पाटिल ने कहा, ''मैं आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम' के लॉन्च को देखकर रोमांचित हूं। यह वास्तव में वही है जिसकी हम भारतीय खिलाड़ियों को जरूरत है - समावेशिता का निर्माण करना और एथलीटों और उनके समुदायों को आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान करना। भारत एक विशाल देश है जिसमें बहुत सारी अप्रयुक्त खेल क्षमताएं हैं, और यह पहल सही दिशा में एक कदम है। आरसीबी मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम की यात्रा उत्तर कन्नड़ जिले के एक छोटे से शहर मुंडगोड से शुरू होती है। इस क्षेत्र के आदिवासी समुदायों (विशेष रूप से सिद्दी समुदाय) में स्प्रिंटिंग के लिए भारत की सबसे अधिक प्रतिभा घनत्व है। इस सुदूर क्षेत्र के बच्चे ओलंपिक चैंपियन उसैन बोल्ट और नोआ लाइल्स को अपना आदर्श मानते हैं, और दौड़ना उनके लिए सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक है। मेड ऑफ बोल्ड स्पोर्ट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम को आरसीबी ने गैर-लाभकारी खेल संगठनों, जैसे कि गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन और ब्रिजेस ऑफ स्पोर्ट्स फाउंडेशन के साथ साझेदारी में बनाया था। सावधानीपूर्वक तैयार किया गया यह कार्यक्रम शिक्षा, प्रशिक्षण और पोषण सहित व्यापक सहायता प्रदान करता है, साथ ही उत्तरी कर्नाटक के इस आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा के खेलों में एकीकृत करने में मदद करने के लिए खेल की शक्ति का लाभ उठाता है।

स्विट्जरलैंड के भारत का एमएफएन का दर्ज़ा वापस लेने का हम पर कोई असर नहीं : नेस्ले इंडिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि स्विट्जरलैंड द्वारा भारत को दिए गए एमएफएन (सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र) के दर्जे को निलंबित करने का कंपनी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। एफएमसीजी कंपनी ने बयान में कहा, दोहरे कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत एमएफएन दर्जे का निलंबन भारत और स्विट्जरलैंड सरकार के बीच एक नीतिगत मुद्दा है। इसका सीधे तौर पर नेस्ले से कोई नाता नहीं है। नेस्ले इंडिया के पास मैगी, नेस्कैफ़े और किटकैट जैसे लोकप्रिय ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी पहले से ही सीमापार भुगतान पर '10 प्रतिशत 'विदहोल्डिंग कर' की कटौती' कर रही है। स्विट्जरलैंड ने 11 दिसंबर को दोहरे कराधान से बचाव के लिए भारत के साथ हुए समझौते में 'सर्वाधिक तरजीही राष्ट्र' (एमएफएन) के प्रावधान को निलंबित कर दिया था। स्विट्जरलैंड के वित्त मंत्रालय ने 11 दिसंबर को बयान में एमएफएन दर्जा वापस लेने की जानकारी देते हुए कहा था कि यह कदम भारत के उच्चतम न्यायालय के पिछले साल आए एक फैसले के संदर्भ में उठाया गया है। उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि अगर किसी देश के 'आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन' (ओईसीडी) में शामिल होने से पहले भारत सरकार ने उस देश के साथ कर संधि पर हस्ताक्षर किए हैं तो एमएफएन प्रावधान अपने-आप लागू नहीं होता है। इससे स्विट्जरलैंड में परिचालन करने वाली भारतीय कंपनियों की कर देनदारियां बढ़ गई थीं। नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, यह मामला नेस्ले से संबंधित नहीं है, बल्कि यह भारत तथा स्विट्जरलैंड के बीच नीतिगत मामला है।

अदाणी समूह ने 'हम करके दिखाते हैं' अभियान का नया संस्करण किया पेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने बृहस्पतिवार को अपने अभियान 'हम करके दिखाते हैं' का नया संस्करण पेश किया। इस अभियान को अदाणी समूह पर अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए रिश्वत के आरोपों तथा कठोर अभियोग से उबरने की कोशिश माना जा रहा है। समूह ने बयान में कहा, '' अपने पिछले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाते हुए यह मल्टी-मीडिया, मल्टी-प्लेटफॉर्म अभियान सांख्यिकी तथा आंकड़ों पर जोर देने की पारंपरिक कॉर्पोरेट रणनीति से आगे बढ़कर मानव-हित की प्रेरक कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। ये कहानियां लाखों भारतीयों के जीवन पर अदाणी की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के व्यापक व सकारात्मक प्रभाव को बयां करती हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा, '' यह अभियान वास्तव में अदाणी समूह के सार को दर्शाता है। हमें हमारे आकार, गति तथा पैमाने के लिए जाना जाता है। इस पहल की खासियत यह है कि यह दिलों को छूने की शक्ति रखती है। यह सार्थक बदलाव के उत्प्रेरक के रूप में बुनियादी ढांचे का इस्तेमाल करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारे व्यवसायों के पीछे मानवीय कहानियों पर जोर देकर, हमारा मकसद गहरे भावनात्मक संबंध स्थापित करना और लाखों भारतीयों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमारे समर्पण को रेखांकित करना है। गौरतलब है कि अमेरिका के न्याय मंत्रालय और अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने 20 नवंबर 2024 को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले में अमेरिकी जिला न्यायालय में समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी, उनके भतीजे सागर अदाणी और प्रमुख कार्यकारी विनीत जैन के खिलाफ क्रमशः अभियोग तथा एक दीवानी शिकायत दाखिल की थी।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार सोने-चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। सोने की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,500 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज भी 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

रियाल मैड्रिड ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता, कोच एंसेलोटी ने बनाया रिकॉर्ड

लुसैल (कतर)। रियाल मैड्रिड ने मैक्सिको की टीम पचुका को 3-0 से हराकर इंटरकांटिनेंटल कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता, जिससे कार्लो एंसेलोटी क्लब के इतिहास में सर्वाधिक ट्राफियां जीतने वाले कोच बन गए। रियाल मैड्रिड ने एंसेलोटी के कोच रहते हुए अपना 15वां खिताब जीता। एंसेलोटी ने इस तरह से मिगुएल मुनोज़ को पीछे छोड़ा जिन्होंने 1960 और 70 के दशक में स्पेन के इस क्लब का कोच रहते हुए 14 खिताब जीते थे। एंसेलोटी ने मैच के बाद कहा, ''मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। हमारी शुरुआत बहुत अच्छी नहीं रही लेकिन हमने अच्छा अंत किया। किलियन एम्बाप्पे, रोड्रिगो और विनीसियस जूनियर ने एक-एक गोल किया जिससे रियाल मैड्रिड चार खिताबों के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल क्लब बन गया। इससे पहले उसने 1960, 1998 और 2002 में भी यह टूर्नामेंट जीता था।

सिमोना हालेप को ऑस्ट्रेलियाई ओपन क्वालीफाइंग के लिए वाइल्ड कार्ड

मेलबर्न। डोपिंग के कारण निलंबन झेलने के बाद वापसी की कवायद में लगी दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप और पूर्व टेनिस दिग्गज लेटिन हेविट के 16 वर्षीय बेटे क्रूज़ उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग के लिए वाइल्ड कार्ड दिया गया है। रोमानिया की 33 वर्षीय हालेप ने 2018 में फ्रेंच ओपन और 2019 में विंबलडन खिताब जीते थे। वह एक समय विश्व की नंबर एक खिलाड़ी थी लेकिन अभी 877वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 2018 में उपविजेता रही हालेप ने 2022 के बाद किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के छह से नौ जनवरी तक होने वाले क्वालीफाइंग मुकाबलों के लिए जिन अन्य खिलाड़ियों को वाइल्ड कार्ड दिया गया है उनमें पुरुष वर्ग में 2023 में विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले क्रिस यूबैंक, डैन इवांस और बर्नार्ड टॉमिच, जबकि महिला वर्ग में पेरिस ओलंपिक की युगल स्वर्ण पदक विजेता सारा इरानी, पेट्रा मार्टिच और एना कोन्जुह शामिल हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 12 जनवरी से खेले जाएंगे।

हैदराबाद एफसी ने मुख्य कोच थांगबोई सिंगतो को बर्खास्त किया

हैदराबाद। हैदराबाद एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के वर्तमान सत्र में अभी तक टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए मुख्य कोच थांगबोई सिंगतो को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। हैदराबाद एफसी अभी 11 मैचों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ अंक तालिका में 12वें स्थान पर है। सिंगतो 2020 में सहायक कोच और तकनीकी निदेशक (युवा) के रूप में क्लब से जुड़े थे। उन्हें जुलाई 2023 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। क्लब ने बयान में कहा, ''हैदराबाद एफसी सिंगतो का उनके समर्पण, पेशेवरपन और क्लब में योगदान के लिए आभार व्यक्त करता है तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।'' इस पद पर अगली नियुक्ति तक सहायक कोच शमील चेम्बकथ अंतरिम मुख्य कोच की भूमिका निभाएंगे। हैदराबाद एफसी आईएसएल में अपना अगला मैच सोमवार को नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एचसी के खिलाफ खेलेगा।

माइक्रोमैक्स, फिसन ने भारत में स्टोरेज चिपसेट के डिजाइन विनिर्माण के लिए मिलाया हाथ

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी माइक्रोमैक्स और ताइवान की स्टोरेज चिप कंपनी फिसन ने स्थानीय स्तर पर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित 'स्टोरेज चिपसेट मॉड्यूल' के डिजाइन व विनिर्माण के लिए एक संयुक्त उद्यम एमआईपीएचआई की स्थापना की है। माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स के सह-संस्थापक राहुल शर्मा ने बताया कि कंपनी ने अपने नोएडा संयंत्र में उत्पादन शुरू कर दिया है। शर्मा ने कहा, फिसन एनएएनडी कंट्रोलर और एनएएनडी स्टोरेज प्रौद्योगिकियों में अग्रणी है। हमने भारत में एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए उनके साथ साझेदारी की है, जिसमें माइक्रोमैक्स की 55 प्रतिशत और फिसन की 45 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। उन्होंने कहा कि कंपनी सर्वर के लिए स्टोरेज चिपसेट डिजाइन करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो सुरक्षा तथा रणनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से किसी भी देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। शर्मा ने कहा, इस उद्यम के साथ हमारा लक्ष्य जीपीयू की लागत को दसवें हिस्से तक कम करना है३ जो दुनिया में प्रति टोकन लागत सबसे कम होगी। इससे हमें न केवल भारत में बल्कि विशिष्ट सहमत क्षेत्रों में भी एआई परिदृश्य को बदलने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में कुछ अग्रणी संगठनों के साथ परीक्षण इसी महीने पूरा हो जाएगा।

नीतीश ने परिवहन विभाग की 43 डीलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज परिवहन विभाग की 43 डीलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री कुमार ने गुरुवार को यहां एक, अणे मार्ग से परिवहन विभाग की 43 डीलक्स बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इससे पहले डीलक्स बस का निरीक्षण किया और बस में दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली।

उल्लेखनीय है कि नयी डीलक्स बसों के परिचालन से राज्य के विभिन्न हिस्से में लोगों को सुविधाजनक और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। सस्ती, सुलभ, सुगम, सुरक्षित अत्याधुनिक सुविधायुक्त परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए इन 43 डीलक्स बसों का परिचालन राज्य के विभिन्न अंतरक्षेत्रीय मार्गों पर किया जाएगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार सहित परिवहन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल क्षेत्र चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

एजेंसी

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला में देश की सबसे बड़ी नक्सली वारदात हुई थी। इसमें 76 जवान बलिदानी हो गए थे। आज उस गांव और आसपास के इलाके ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को भारत सरकार के राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया है। इसे 89.69 प्रतिशत का उत्कृष्ट स्कोर मिला है, यह उपलब्धि पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गई है। उल?लेखनीय है कि 15-16 नवंबर 2024 को भारत सरकार की टीम ने चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र का मूल्यांकन किया। ओपीडी, आईपीडी लैब, लेबर रूम और प्रशासनिक कार्य जैसे सभी विभागों की समीक्षा में उच्च रैंक हासिल किया है।

राज्य के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्र चिंतागुफा ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में वह कर दिखाया है, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी। यह क्षेत्र बुनियादी संसाधनों से दूर है। सड़कें, नेटवर्क और बाजार जैसी सुविधाएं सीमित हैं। लंबे समय तक नक्सल प्रभाव ने विकास कार्यों और भवन निर्माण को रोके रखा था। बारिश के मौसम में क्षेत्र टापू में बदल जाता है, जिससे पहुंचना कठिन हो जाता है। वर्ष 2020 में स्वास्थ्य भवन और आवासीय सेवाओं का विस्तार हुआ। राज्य और जिला के अधिकारियों, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट्स और स्थानीय लोगों के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर के मानकों को पूरा करने की तैयारी हुई। चिंतागुफा स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत पांच उप-स्वास्थ्य केन्द्र हैं, जिसमें 45 धुर नक्सल प्रभावित गांव आते हैं। चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने औसतन 20 संस्थागत प्रसव, 1000 से अधिक ओपीडी और 100 से ज्यादा भर्ती मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिंतागुफा अब इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रतीक बन चुका है। उल्लेखनीय है कि कोंटा ब्लॉक का यह क्षेत्र धुर नक्सल प्रभावित है, जिसके अंदरूनी गांवों में आज भी नक्सलियों की दहशत है। इस इलाके के गांव ताड़मेटला में देश की सबसे बड़ी नक्सली वारदात हुई थी, जिसमें 76 जवान बलिदानी हुए थे। वह ताड़मेटला गांव भी इसी सेक्टर में आता है, इसके अलावे सुकमा के कलेक्टर का अपहरण सहित बुरकापाल में हुए बड़ा नक्सली हमला भी इसी इलाके की घटना है।

भाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर का किया अपमान : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया।

श्री केजरीवाल ने यहाँ मंदिर मार्ग स्थित भगवान बाल्मीकि मंदिर जाकर पूजा-अर्चना के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा , ह्लभाजपा ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है इसलिए जो बाबा साहब से करे प्यार, वो भाजपा से करे इन्कार। मैं बाबा साहब को अपना आदर्श मानता हूं और उनका अपमान करने वाली भाजपा का हर स्तर पर विरोध करूंगा। अमित शाह ने बाबा साहब को लेकर जो कहा, वह बेहद पीड़ादायक है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उनका समर्थन करना बाबा साहब के प्रति भाजपा की भावनाओं को बताता है। बाबा साहब हमारे लिए भगवान हैं। हम उनका अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। अब यह चुनने वक्त आ गया है कि बाबा साहब से प्यार करने वाला भाजपा से प्यार नहीं कर सकता।ङ्क

उन्होंने कहा कि संसद इस देश की सबसे बड़ी पंचायत है। जहां पूरे देश के लोग जाकर बैठते हैं और देश की समस्याओं पर चर्चा करते हैं। मंगलवार की शाम संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर पर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर-अंबेडकर कहना आजकल एक फैशन हो गया है, इतनी बार अगर भगवान का नाम लोगे तो सात जन्म तक स्वर्ग मिलेगा। यह शब्द अपने आप में बहुत पीड़ादायक थे। यह बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करने वाले शब्द थे। जिस लहजे में अमित शाह ने यह कहा, ऐसे लग रहा था कि उनके अंदर बाबा साहब के प्रति भारी नफरत भरी पड़ी है। उनके लहजे से लग रहा था कि वो बाबा साहब अंबेडकर से कितनी नफरत करते हैं। श्री केजरीवाल ने कहा , ह्लबाबा साहब अंबेडकर आधुनिक भारत के भगवान से कम नहीं हैं। वह आधुनिक भारत के भगवान हैं। मुझे नहीं पता कि मरने के बाद स्वर्ग मिलता है या नहीं। लेकिन अगर बाबा साहब अंबेडकर नहीं होते और उन्होंने यह संविधान नहीं बनाया होता तो इस देश में वंचितों, पिछड़ों और दलितों का जीना मुश्किल हो जाता। उन्होंने हम लोगों को जीने का अधिकार दिया है।ङ्क

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि किस तरह भाजपा और देश के गृह मंत्री बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। बाबा साहब के संविधान को तार-तार कर रहे है यह किसी से छिपा नहीं है। इनके मन की यह घृणा एक दिन की घटना नहीं है। आरएसएस की कोख से भाजपा का जन्म हुआ है, उस आरएसएस ने 11 दिसंबर 1949 को दिल्ली के रामलीला के मैदान में बाबा साहब और संविधान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इन्होंने पूरे देश में बाबा साहब के पुतले जलाए थे। यह ऐसी विचारधारा के लोग हैं जो हमेशा से बाबा साहब से घृणा करते रहे, समाज के वंचित, दलित, आदिवासियों से घृणा करते रहे। इन्होंने हमेशा आरक्षण, संविधान और दलितों को दिए जाने वाले अधिकारों का विरोध किया। श्री केजरीवाल ने श्री कुमार और श्री नायडू को गुरुवार को लिखे पत्र में कहा है कि मैं आपको यह पत्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर लिख रहा हूं, जो न केवल हमारे संविधान, बल्कि बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा है कि हाल ही में संसद में, देश के गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहब के नाम पर की गई टिप्पणी ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनका यह कहना कि 'अम्बेडकर- अम्बेडकर बोलना आजकल फैशन बन गया है' न केवल अपमानजनक है बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बाबा साहब और हमारे संविधान के प्रति सोच को उजागर करता है। आप नेता ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर, जिन्हें कोलंबिया विश्वविद्यालय ने 'डॉक्टर्स ऑफ लॉ' से सम्मानित किया था, जिन्होंने भारत के संविधान को रचा और समाज के सबसे वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने का सपना देखा।

राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान में संदिग्ध 13 संगठन थे सक्रिय : देवेन्द्र फडणवीस

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान में संदिग्ध 13 संगठन सक्रिय रहे हैं। इन संगठनों पर कार्रवाई करने की मांग कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही की गई थी। चुनाव जीतने के लिए इस तरह के देशविरोधी कृत्य करने वालों का सहयोग लेना कितना देशहित में इस पर कांग्रेस को विचार करना चाहिए।

मुख्यमंत्री फडणवीस गुरुवार को नागपुर विधानसभा में संबोधन दे रहे थे। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में पूर्व गृहमंत्री आरआर पाटिल ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में लोगों को सरकार विरोध में उकसाने वाले 48 संगठनों की सूची तैयार की थी और तत्कालीन केंद्रीय सरकार को भेजी गई थी। इसी तरह देश के अन्य क्षेत्रों से भी इस तरह की सूची मंगवाई गई थी। इसके बाद 18 फरवरी 2014 को लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार के दौरान 72 फ्रंटल संगठनों के नामों की घोषणा की गई थी। इनमें से सात महाराष्ट्र से हैं। यह सभी राहुल गांधी के भारत जोड़ो अभियान में सक्रिय रहे हैं। इसी तरह पूरे देश के इस तरह के 13 संगठन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल थे।

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इसी तरह के लोगों ने ही विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को 17 मांगों की सूची सौंपी थी, जिसे बिना पढ़े स्वीकार किया गया था। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम आपकी देशभक्ति पर कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं, लेकिन हम चुनाव जीतने के लिए किस कंधे का इस्तेमाल कर रहे हैं। उसके बाद कब आपके कंधे का उपयोग किस काम के लिए करेगा, यह सोचना जरुरी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि यह वो लोग हैं , जो सरकार, संविधान के बारे में युवकों को भडक़ाते हैं। यह सभी विदेशी ताकतों के बल पर देश में अशांति फैलाना चाहते हैं, लेकिन सरकार ने इन पर कड़ी कार्रवाई शुरू की है और यह सभी बचने की जगह तलाश रहे हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन रहे हैं। कई देश खुश नहीं हैं। वो देश इस देश में अशांति फैलाना चाहते हैं। इसलिए ऐसे लोगों को अपने कंधे का प्रयोग न कर दें। शायद वे हमारे कंधे का भी इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे, इसलिए हम भी सावधान रहते हैं।

मोदी की चार्ल्स तृतीय से फोन पर बातचीत, दोनों भारत-ब्रिटेन संबंध और मजबूत करने को प्रतिबद्ध

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को ब्रिटेन नरेश चार्ल्स तृतीय से फोन पर बातचीत की और इस दौरान दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस बातचीत के बारे में एक बयान में कहा, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को याद करते हुये, दोनों (श्री मोदी और ब्रिटेन के महामहिम राज चार्ल्स तृतीय ने) भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री मोदी और महामहिम चार्ल्स तृतीय ने राष्ट्रमंडल देशों और समोआ में हाल ही में सम्पन्न राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक पर विचारों का आदान - प्रदान किया। दोनों के बीच जलवायु परिवर्तन और स्वस्थ विकास के विषय सहित आपसी हित के कई विषयों पर भी चर्चा हुई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उपरोक्त विषयों पर ब्रिटेन नरेश के निरंतर आग्रह और पहलों के लिये श्री मोदी उनकी सराहना की और इन क्षेत्रों में भारत द्वारा की गयी पहलों की जानकारी दी। दोनों ने आगामी क्रिसमस और नववर्ष की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी किया और श्री मोदी ने ब्रिटेन के राजा को उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं उनकी खुशहाली के लिये शुभकामनायें दीं।

युवा कांग्रेस ने किया अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन

नयी दिल्ली। युवा कांग्रेस ने गुरुवार को यहां बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के खिलाफ गृह मंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया और कहा कि श्री शाह अपने बयान के लिए माफी मांगें वरना संगठन के कार्यकर्ता अब सड़कों पर उतर कर देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे। युवा कांग्रेस के प्रवक्ता वरुण पांडे के अनुसार संगठन के कार्यकर्ता प्रदर्शन के लिए युवा कांग्रेस के कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए और उन्होंने वहां विरोध प्रदर्शन शुरु कर दिया, लेकिन पुलिस ने कडी बैरिकेडिंग कर सभी कार्यकर्ताओं को आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नियत बाबा साहब अम्बेडकर और संविधान विरोधी है। श्री शाह ने बाबा साहब का अपमान किया है और ये सब पूरी दुनिया ने देखा है। बाबा साहब का अपमान देश सहन नहीं कर सकता इसलिए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता श्री शाह के बयान के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सदन में बाबा साहब का अपमान करने के लिए श्री शाह देश से माफ़ी मांगे। लोकतंत्र के मंदिर में भाजपा तानाशाही कर रही है। भाजपा सांसद हाथों में डंडे लगे प्लेकार्ड लेकर विपक्ष के सांसदों को सदन में जाने से रोक रहे हैं, इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संत चावरा कुरियाकोस एलियास सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनसेवकों के लिये आदर्श हैं: डॉ.थरूर

नयी दिल्ली। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ शशि थरूर ने कहा है कि संत चावरा कुरियाकोस एलियास ने वंचितों और हाशिये पर खड़े लोगों के उत्थान और शिक्षा की खातिर जीवन भर काम किया और वह देश में सामाजिक कार्यकर्ताओं और जनसेवकों के लिये एक आदर्श हैं। डॉ थरूर ने यहां बुधवार शाम चावरा सांस्कृतिक केंद्र द्वारा महान संत चावरा कुरियाकोस एलियास की याद में चावरा लेक्चर सीरीज से जुड़े विशेष कार्यक्रम में कहा कि शिक्षा समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिये सबसे महत्वपूर्ण साधन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिये संत चावरा कुरियाकोस ने चर्च परिसरों में पल्लीकूडम (स्कूल) स्थापित किये। उन्होंने पहली बार भारत में शिक्षकों को वेतन पर नियुक्त किया और बच्चों को मुफ्त मिडडे भोजन देने की व्यवस्था की। उन्होंने कहा कि संत चावरा ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव लाये और यह सब भारत की स्वतंत्रता से सौ साल पहले हुआ।

पेज एक का शेष

अम्बेडकर मुद्दे ...

और वे सारंगी जी की हालत देखने भी नहीं गए। उन्होंने (कांग्रेस ने) हमेशा बीआर अंबेडकर के साथ अन्याय किया है। उन्होंने हमेशा उनका अपमान किया है। हम अस्पताल से रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करेंगे। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, संसदीय इतिहास में यह एक काला दिन है। मर्यादा को तार-तार कर दिया गया है। लोकतंत्र को तार-तार कर दिया गया है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की गुंडागर्दी जैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है। भारत के संसदीय इतिहास में ऐसा आचरण कभी नहीं देखा गया। अगर वे हरियाणा और महाराष्ट्र हार गए तो वे संसद में अपनी हताशा क्यों निकाल रहे हैं? राहुल गांधी और कांग्रेस के लोगों को लोकतंत्र में आचरण को समझने के लिए एक कार्यशाला बुलाई जानी चाहिए। मैं दुखी हूं। श्री अमित शाह के भाषण ने कांग्रेस को बेनकाब कर दिया है। वे इससे इतने हताश हो गए हैं कि अब गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। हम इस गुंडागर्दी की निंदा करते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि मकर द्वार लोकसभा और राज्यसभा दोनों में सांसदों के प्रवेश का मुख्य द्वार है। कांग्रेस और उनके अन्य सांसद उस विशेष स्थान पर खड़े रहे और पूरे सत्र के दौरान वे तख्तियां दिखाते रहे और नारे लगाते रहे। आज पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसद 1951 के बाद से कांग्रेस पार्टी द्वारा अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध करने वहां गए थे। जब राजग के सांसद मकर द्वार, मुख्य द्वार पर विरोध कर रहे थे, तब राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के सांसद आए और भाजपा के दो सांसदों पर हमला किया, उन्हें धक्का दिया और अन्य सांसदों के साथ भी धक्का-मुक्की की। भाजपा के दो सांसद प्रताप सिंह सारंगी और मुकेश राजपूत को गंभीर चोटें आई हैं। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूं कि अगर आप इस तरह की शारीरिक हिंसा का सहारा लेंगे, अगर अन्य सांसद भी शारीरिक हिंसा का सहारा लेने लगेंगे, तो क्या होगा? हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को अन्य सांसदों के खिलाफ अपनी शारीरिक शक्ति का उपयोग करने का अधिकार किसने दिया है। इसका मतलब यह नहीं है कि अन्य सांसद कमजोर हैं। यह सिर्फ़ इसलिए है क्योंकि हम अहिंसा में विश्वास करते हैं और हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी द्वारा सांसदों पर शारीरिक हमला निंदनीय है। यह उनके गुस्से, उनकी हताशा का घोर दुरुपयोग है और जिस तरह से राहुल गांधी ने संसद के साथ व्यवहार किया है, उससे पता चलता है कि राहुल गांधी लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते हैं। मैं राहुल गांधी से कहना चाहता हूँ कि हम देखेंगे कि हम क्या उचित कार्रवाई कर सकते हैं। लेकिन उन्हें देश से माफ़ी मांगनी चाहिए कि उन्होंने दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल किया है। हम सिर्फ़ इसलिए शारीरिक जवाबी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। हम दूसरे सांसदों के खिलाफ़ अपनी शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं क्योंकि हम उसमें विश्वास नहीं करते हैं। हम अहिंसा में विश्वास करते हैं। राहुल गांधी को समझना चाहिए और देश से और उन सांसदों से माफ़ी मांगनी चाहिए जिन्हें उन्होंने सबसे गंभीर चोट पहुँचाई है। उचित कार्रवाई की जाएगी। सबसे पहले, हम चोट के स्तर को देखेंगे क्योंकि रिपोर्ट के अनुसार चोट काफी गंभीर थी और थोड़ा खून भी बह रहा था। अभी चिकित्सा उपचार चल रहा है। हम अब स्थिति देखेंगे। उधर राममनोहर लोहिया अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शुक्ला ने कहा कि हम दोनों (प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत) को स्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, जांच की जा रही है। टेस्ट किए जाएंगे। लक्षणात्मक उपचार शुरू हो गया है। चूंकि दोनों के सिर में चोट लगी है, इसलिए उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रताप सारंगी को बहुत ज़्यादा रक्तस्राव हो रहा था और उन्हें गहरा घाव भी हुआ था। इसलिए उन्हें टाँके लगाने पड़े। उनकी जांच की जा रही है। मुकेश राजपूत बेहोश हो गए थे। अभी वे होश में हैं, लेकिन उन्हें चक्कर आ रहे हैं और बेचैनी हो रही है। उनका रक्तचाप बढ़ गया था। श्री खरगे तथा श्री गांधी ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के सदस्य संसद में 14 दिन से विरोध प्रदर्शन कर प्रयास कर रहे हैं कि सदन चले और देश को लूटने वाले उद्योगपति अडानी के भ्रष्टाचार पर सदन में चर्चा हो लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे से ध्यान भटकाने का बराबर प्रयास किया है और आज कांग्रेस नेताओं के साथ संसद परिसर में धक्का मुक्की की गई। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि 'जितना आप लोग अम्बेडकर अम्बेडकर करते हैं उतना भगवान का नाम लेते तो सात जन्मों के लिए स्वर्ग मिलता।' उनका कहना था कि आज के युग में इस तरह की सोच निंदनीय है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अम्बेडकर को इस तरह से अपमानित करने वाले मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए था लेकिन हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐसा करने वाले नहीं है इसलिए कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया और कहा कि श्री शाह ने जो कुछ सदन में कहा है उसके लिए वह माफी मांगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा भाजपा सरकार की कोशिश असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की है। विपक्षी दलों के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से संसद भवन परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन उनके सांसदों ने हमें अचानक मकर द्वार पर रोका और वहां धक्का मुक्की शुरु कर दी। विपक्ष की महिला सांसदों को भी रोका गया और हम पर हमला किया गया। खुद मुझे धक्का दिया गया और मैं अपना संतुलन नहीं संभाल सका और गिर गया लेकिन अब हम पर इल्जाम लगाया जा रहा है कि हमने धक्का दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने जो माहौल संसद भवन परिसर में बनाया उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके खिलाफ कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन शुरु करेगी। भाजपा सांसदों पर उन्होंने शांति भंग करने का आरोप लगाया और कहा कि गृहमंत्री का वह आरोप गलत है जिसमें वह कहते हैं कि कांग्रेस ने उनकी बात को तोड़मरोड़ कर पेश किया है। उनका कहना था कि कांग्रेस जनता के मुद्दों को उठा रहे हैं और भाजपा के लोग हम पर वह आरोप लगा रहे हैं जो हमने किया ही नहीं है। श्री गांधी ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र शुरु होने से पहले अमेरिका में अडानी का मामला आया और कांग्रेस उसे संसद में उठाना चाहती थी लेकिन पूरे सत्र में भाजपा की पूरी कोशिश रही कि यह मामला संसद में नहीं उठे। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री ने जो कुछ कहा है उससे बाबा साहेब अम्बेडकर का अपमान किया है और श्री शाह को इसके लिए माफी मांगते हुए इस्तीफा देना चाहिए।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में इंडिया समूह और राजग सांसदों के बीच हुई धक्का-मुक्की मामले में पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। श्री ठाकुर ने कहा, हमने दिल्ली पुलिस में राहुल गांधी के खिलाफ मारपीट और उकसावे की शिकायत दर्ज कराई है। इससे पहले, नये संसद भवन के मकरद्वार की सीढ़ियों के पास सत्तारूढ़ राजग और इंडिया समूह के नेताओं के बीच धक्का-मुक्की तथा हाथपाई में कथित तौर पर भाजपा के दो सांसद घायल हो गए। भाजपा ने राहुल गांधी पर धक्का देने का आरोप लगाया। हालांकि, कांग्रेस नेताओं ने इन आरोपों को खारिज कर दिया। शिकायत में बताया गया कि ओडिशा के बालासोर से भाजपा सदस्य 69 वर्षीय प्रताप सारंगी के सिर में चोट लगी है। वहीं भाजपा के एक और सांसद मुकेश राजपूत भी घायल हुए हैं। दोनों सांसदों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी तरफ संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसदों ने उन्हें और अन्य विपक्षी सदस्यों को संसद भवन में जाने से रोका और उनके साथ धक्का-मुक्की की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद की इस घटना में भाजपा सांसद सारंगी और राजपूत को फोन कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। दोनों ही सांसद दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती है। दोनों को आईसीयू में रखा गया है और उनका उपचार किया जा रहा है।

हंगामें के चलते ...

इसके साथ ही विधानसभा शीतकालीन सत्र के चौथे दिन अनिश्चिकाल के लिए स्थगित कर दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आज महाकुम्भ पर दोपहर तीन बजे बोलना था। लेकिन सपा के विरोध के चलते इसकी नौबत नहीं आ पाई। शोरशराबे के बीच भाजपा के सिद्धार्थनाथ सिंह ने कुम्भ पर चर्चा शुरू की। उन्होंने इसके महत्व को बताते हुए सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वह इस आध्यात्मिक पर्व में शामिल हों। भारी शोर के कारण उनकी बात सुनी नहीं जा सकी। अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि कुम्भ विपक्ष का एजेंडा नहीं है, इसलिए वह इस पर चर्चा नहीं चाहता है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने इस बीच कहा कि भाजपा ने सबसे ज्यादा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का सम्मान किया है। उनके सम्मान में पंचतीर्थ बनाए हैं। लेकिन सपा के लोग उनका सम्मान नहीं करना चाहते हैं। विपक्ष ने बाबा साहेब के बनाए संविधान की प्रस्तावना भी बदल दी।

कुलगाम मुठभेड़: ...

इरफान लोन, आदिल हुसैन, मुश्ताक इट्टू और यासिर जावेद के रूप में हुई है और ये सभी स्थानीय निवासी थे। इलाके में तलाश अभियान जारी है और पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए स्थानीय लोगों से मुठभेड़ स्थल के करीब न जाने की अपील की है।

उपराष्ट्रपति के विरुद्ध...

चलाये जाने की बात कही गयी है और इस संबंध में गत 12 दिसंबर को कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल के नेता और मुख्य सचेतक की टेलीविजन पर प्रसारित संवाददाता सम्मेलन का भी उल्लेख किया गया है।

प्रभारी निरीक्षक के ...

पाया गया। याची द्वारा प्रचलित विवेचनाओं का गहनता पूर्वक पर्यवेक्षण नहीं किया गया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याची प्रभारी निरीक्षक था। उसकी भूमिका मामूली है जिस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिये। इसके अलावा दण्डाधिकारी ने इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया कि किसी मामले में आरोप पत्र सर्किल ऑफिसर के माध्यम से न्यायालय में जायेगा। सर्किल ऑफिसर ने भी इस मामले में जॉच में कोई दोष नहीं पाया। इसके बजाय अनुशासनिक प्राधिकारी ने यह टिप्पणी की है कि याची का स्पष्टीकरण संतोष जनक नहीं हैं, जिसके आधार पर उसे दोषमुक्त किया जा सके। पुलिस उपायुक्त जिन्होंने अनुशासनात्मक प्राधिकारी के रूप में कार्य किया है उन्होंने आदेश पारित करने में विवेक का प्रयोग नहीं किया। कम से कम पर्याप्त विवरण के साथ कोई ठोस कारण दिया जाना चाहिये था। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला स्वीकार करने योग्य है। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता ने उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि इस मामले में अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा नियम व कानून का पालन नहीं किया गया है तथा दण्डादेश नियम व कानून तथा विधि की व्यवस्था के सिद्धान्तों के विपरीत है। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए पुलिस के आला अधिकारियों को नोटिस जारी किया है तथा उनसे दो सप्ताह में जवाब मांगा है। कोर्ट ने तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक, नवाबगंज, प्रयागराज यशपाल सिंह के विरूद्ध पारित परिनिन्दा प्रविष्टि का दण्डादेश अग्रिम आदेशों तक के लिए स्थगित कर दिया है एवं यह भी आदेशित किया है कि उक्त परिनिन्दा प्रविष्टि अग्रिम आदेशों तक प्रभावी नहीं होगी।

कथित 'धर्म संसद' ...

अदालत अदालत ने सभी सक्षम और उपयुक्त अधिकारियों को सांप्रदायिक गतिविधियों और नफरत भरे भाषणों में लिप्त व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। याचिका में दावा किया गया है, ह्लयह यति नरसिंहानंद फाउंडेशन द्वारा 17-21 दिसंबर के बीच गाजियाबाद में आयोजित की जा रही धर्म संसद के मद्देनजर है। इस संसद की वेबसाइट और विज्ञापनों में इस्लाम के अनुयायियों के खिलाफ कई सांप्रदायिक बयान शामिल हैं, जो मुसलमानों के खिलाफ हिंसा भड़काते हैं। शीर्ष अदालत ने 28 अप्रैल, 2023 को शाहीन अब्दुल्ला की एक रिट याचिका पर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को बिना किसी शिकायत के नफरत भरे भाषण के मामलों में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153ए, 153बी, 295ए और 506 आदि के तहत स्वतः संज्ञान लेते हुए आपराधिक मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया था।

कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल को मिला भारत गौरव पुरस्कार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल को नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार उन्हें राजनीति में उनके लंबे अनुभव, कार्यक्षेत्र में सक्रियता, सामाजिक योगदान और आध्यात्मिक क्षेत्र में उनकी भूमिका के लिए प्रदान किया गया।भारत गौरव पुरस्कार के आठवें अधिवेशन का आयोजन नई दिल्ली में हुआ। सम्मान समारोह में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, केंद्रीय राज्य मंत्री नीमूबेन बंभानिया, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम, डॉ. संदेश यादव और आकाश पांडेय ने डॉ. अग्रवाल को यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ.

अग्रवाल ने कहा कि यह पुरस्कार मेरे लिए न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह मेरे कार्यों के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता और सेवा भावना का प्रतीक है। यह मुझे समाज की सेवा में और अधिक समर्पण के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। पुरस्कार समारोह की विशेषताएंइस कार्यक्रम का आयोजन भारत गौरव अवॉर्ड फाउंडेशन द्वारा किया गया, जिसमें देशभर के 14 राज्यों से आए प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों में दो लोकसभा सदस्य, दो राज्यसभा सदस्य, पद्मश्री, पद्म विभूषण से सम्मानित हस्तियां और सामाजिक व आध्यात्मिक क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने वाले व्यक्ति शामिल थे। डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल का योगदानडॉ. अग्रवाल राजनीति में अपने लंबे अनुभव और कार्यक्षेत्र में सक्रियता के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा, वे सामाजिक कार्यों और आध्यात्मिक गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। उनका यह सम्मान राज्य के लिए गर्व का विषय है। यह पुरस्कार डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल के समाजसेवा और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान की स्वीकार्यता का प्रतीक है। उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेशवासियों ने गर्व व्यक्त किया है।

गुरदासपुर की सीमावर्ती पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला

- खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली हमले की जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के जिला गुरदासपुर की एक पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला किया गया है। बीते 26 दिन में यह छठी घटना है। बुधवार की रात हुए इस हमले की जिम्मेदारी गुरुवार को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने ली है। इससे पूर्व भी गुरदासपुर व अमृतसर में ग्रेनेड हमले व धमाके की घटनाएं हो चुकी हैं। पुलिस इस मामले में चुप है। जानकारी के अनुसार भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे पंजाब के गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते कलानौर कस्बे की बख्शीवाल चौकी पर बीती रात ग्रेनेड फेंका गया। इस धमाके में कोई जनहानि नहीं हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह ग्रेनेड ऑटो में सवार व्यक्ति ने फेंका है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे

और जांच शुरू कर दी। गुरुवार को दिन में बख्शीवाल चौकी में आलाधिकारी पहुंचे, लेकिन किसी ने भी हमले को लेकर अधिकारिक बयान नहीं दिया। इस बीच खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने इस धमाके की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जत्थेदार भाई रणजीत सिंह जम्मू के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। भाई जसविंद्र सिंह बागी उर्फ मनु अगवान की देखरेख में यह ऑपरेशन चलाया गया है। पोस्ट में लिखा है कि पंजाब के युवाओं का शिकार खेलने वाले पुलिस अधिकारी सिखों के बारे में अपशब्द बोलते हैं, उन्हें इसका जवाब मिलता रहेगा। पंजाब को बर्बाद करने का प्रयास किया जा रहा है। यह पोस्ट जारी करने वाले ने अपना नाम खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स का फतेह सिंह बागी बताया है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में बीते 26 दिन में यह छठा हमला है, जिसमें खालिस्तानी समर्थक आतंकी संगठन पांच धमाके करने में कामयाब रहा है। वहीं पुलिस एक बम बरामद करने में सफल रही है, जिसे अजनाला थाने से बरामद किया गया था।

उत्तराखंड निवास आम जनता के लिए भी होगा सुलभ : मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली स्थित नवनिर्मित उत्तराखंड निवास को आम जनता के लिए उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। इस कदम से अब उत्तराखंड के आम नागरिक भी राजधानी दिल्ली में स्थित इस आधुनिक भवन की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने मीडिया में प्रकाशित खबरों का संज्ञान लेते हुए उत्तराखंड निवास में कक्ष आरक्षण प्रक्रिया में आमूल-चूल परिवर्तन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आरक्षण के लिए जारी शासनादेश को तत्काल संशोधित किया जाए, ताकि उत्तराखंड के आम व्यक्ति को भी कक्ष मिल सके। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कक्षों की उपलब्धता और पारदर्शिता प्राथमिकता पर हो। दरों का पुनर्निर्धारण होगासीएम धामी ने कक्ष आरक्षण की मौजूदा दरों का पुनर्निर्धारण करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दरें ऐसी होनी चाहिए, जो आम जनता के लिए सुलभ हों और उनकी आर्थिक क्षमताओं को ध्यान में रखकर तय की जाएं। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि गुणवत्ता और सेवाओं में कोई समझौता न हो। आम जन के लिए बड़ी राहतउत्तराखंड निवास अब तक केवल सरकारी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट व्यक्तियों के उपयोग के लिए आरक्षित था। लेकिन सीएम धामी के इस फैसले के बाद उत्तराखंड से दिल्ली जाने

वाले छात्रों, व्यापारियों, तीर्थयात्रियों और सामान्य नागरिकों को ठहरने के लिए एक किफायती और सुरक्षित विकल्प मिलेगा। उत्तराखंड निवास की विशेषताएंनई दिल्ली स्थित यह भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें आरामदायक कक्ष, सम्मेलन हॉल, कैफ़ेटेरिया और आवासीय सुविधाएं शामिल हैं। यह भवन दिल्ली में उत्तराखंड की पहचान और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। सीएम का जनहित पर जोर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड निवास केवल विशिष्ट व्यक्तियों के लिए नहीं, बल्कि राज्य के हर नागरिक के लिए है। हमारी सरकार हर निर्णय में जनहित को सर्वोपरि रखती है। यह कदम जनता की जरूरतों और सुविधाओं को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। जनता ने की प्रशंसामुख्यमंत्री धामी के इस फैसले का प्रदेशभर में स्वागत किया जा रहा है। आम जनता ने इसे ''जनहितैषी निर्णय'' बताते हुए सराहना की। यह कदम दिल्ली में राज्य के लोगों को रहने के लिए एक भरोसेमंद ठिकाना प्रदान करेगा और उनके लिए राहत का काम करेगा।

ऋषिकेश बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ, ईमानदारी से काम करने का संकल्प

ऋषिकेश। बार एसोसिएशन ऋषिकेश के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सजवाण समेत पूरी कार्यकारिणी ने गुरुवार को शपथ ग्रहण की। कोर्ट परिसर में आयोजित इस समारोह में मुख्य चुनाव अधिकारी ओंकार सिंह चौधरी और राजीव खेड़ा ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।गौरतलब है कि बार एसोसिएशन के शांतिपूर्ण चुनाव गत 16 दिसंबर को संपन्न हुए थे। इसमें राजेंद्र सिंह सजवाण ने अध्यक्ष पद पर 18वीं बार जीत हासिल की। शैलेंद्र सेमवाल महासचिव निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर कुमारी तारा राणा, सह सचिव पद पर प्रदीप ठाकुर, और कोषाध्यक्ष पद पर कुलदीप रावत निर्विरोध चुने गए।पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर अंजू और ऑडिटर पद पर कमलेश को विजयी घोषित किया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में ऋषि कुमार अंथवाल, नरेश कुमार शर्मा, राघवेंद्र भटनागर, और पवन शर्मा ने शपथ ली।

अतिक्रमण पर प्रभावी कार्रवाई होगी, नहीं चलेगा पीपी एक्ट का बहाना : डीएम

सख्त दिशा-निर्देश, 15 जनवरी से पहले सभी विभाग हटा लें सरकारी भूमि पर अतिक्रमण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सर्वजनिक संपत्तियों पर अतिक्रमण हटाने के लिए जिलाधिकारी ने विभागों को किया जवाबदेह
- सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए 21 दिन का अल्टीमेटम, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बंसल ने सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए आज ऋषिपर्णा सभागार में राजस्व और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए और पीपी एक्ट के तहत अतिक्रमणों को रोकने के लिए कठोर कदम उठाने का आदेश दिया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पीपी एक्ट अतिक्रमण पर कोई बहाना नहीं स्वीकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक्ट सरकारी भूमि पर लागू नहीं होता, बल्कि यह केवल भवनों पर लागू होता है। किसी भी विभाग को पीपी एक्ट का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारियों से विमुख होने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों से 21 दिन के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों में प्रचलित पीपी एक्ट के मामलों को निस्तारित करने की हिदायत दी और अगले बैठक में इन मामलों को न देखने की चेतावनी दी।सविन बंसल ने सभी विभागों को सरकारी भूमि पर चिह्नित

अतिक्रमण को 15 जनवरी से पहले हटाने का आदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भूमि विवादों का समाधान तेजी से करें और सुनिश्चित करें कि विभागों की भूमि से अतिक्रमण हटाने का कार्य समय पर पूरा हो।उन्होंने यह भी कहा कि विभागों को अपने अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया का विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से कहा कि लैंड बैंक तैयार करने के लिए भूमि का अद्यतन डेटा सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने का कार्य शीघ्र पूरा करें, ताकि सरकारी संपत्तियों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि सरकारी भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं होना चाहिए और इसके लिए समयबद्ध योजना तैयार की जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी नीरज कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन जयभारत सिंह, नगर निगम देहरादून के अपर नगर आयुक्त बीर सिंह बुदियाल, उप जिलाधिकारी कालसी गौरी प्रभात, नगर आयुक्त ऋषिकेश शैलेन्द्र सिंह नेगी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अंबेडकर पर टिप्पणी, कांग्रेस ने गृहमंत्री का पुतला फूंका

गोपेश्वर। राज्यसभा में संविधान की गौरवशाली यात्रा पर हुई चर्चा में गृहमंत्री अमित शाह की ओर से संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी किए जाने पर गुरूवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के तिराहे पर प्रदर्शन करते हुए गृह मंत्री का पुतला फूंका। कांग्रेस नगर अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि डा. अंबेडकर भारतीयों के साथ ही विदेशों में निवास कर रहे लोगों के लिए प्रेरणा के साथ आस्था और पूज्यनीय है। बाबा साहेब संविधान निर्माता भी कहे जाते हैं। ऐसे में उन पर टिप्पणी किया जाना लाखों भारतीयों की आस्था के साथ खिलवाड़ है जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री की टिप्पणी किए जाने पर प्रधानमंत्री का मौन भी लोगों के लिए प्रश्नवाचक बना हुआ है। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह पंवार, महिला जिलाध्यक्ष ऊषा रावत, जिला उपाध्यक्ष धीरेन्द्र गरोडिया, मनीष नेगी, गिरीश आर्य, गोवद्धन टम्टा आदि थे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के साथ कोहरे की मार, एक्यूआई 448 पार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण के साथ अब कोहरे की समस्या भी देखने को मिल रही है। गुरुवार को प्रदूषण की स्थिति और भी चिंताजनक हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 448 रिकॉर्ड किया गया, जो कि 'अति गंभीर' श्रेणी में आता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। विशेषकर सांस के तकलीफ वाले मरीजों और छोटे बच्चों के लिए। प्रदूषण के साथ-साथ दिल्ली में धुंध भी छाई रही। मौसम विज्ञान विभाग ने 19 और 20 दिसंबर के लिए धुंध का ऑरेंज अलर्ट

जारी किया है। इसके साथ ही शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न शहरों में भी प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा है। गुरुग्राम में एक्यूआई 370, गाजियाबाद में 386, ग्रेटर नोएडा में 351 और नोएडा में 366 दर्ज किया गया। दिल्ली के तकरीबन सभी सेंटर्स पर एक्यूआई 400 के पार रहा। आईटीओ में यह 474, चांदनी चौक में 386, इंडिया गेट में 456,पटपड़गंज में 446,मंदिर मार्ग में 441, लोधी रोड में 394, आनंद विहार में 478, विवेक विहार में 476, नेहरू नगर में 485,अशोक विहार में 474, नॉर्थ कैंपस डीयू में 450, मथुरा रोड में 467, शादीपुर में 439, अलीपुर में 450 एक्यूआई दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि 0-50 के बीच एक्यूआई अच्छा माना जाता है, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बहुत खराब और 401-500 गंभीर होता है।

पाकिस्तान में कटासराज दर्शन के लिए रवाना हुआ 72 श्रद्धालुओं का जत्था

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय श्रद्धालुओं का एक जत्था गुरुवार को अमृतसर स्थित अटारी-बाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में कटासराज दर्शन के लिए रवाना हुआ। देशभर से 72 श्रद्धालु इस बार पाकिस्तान यात्रा पर गए हैं।

गुरुवार को देश के विभिन्न हिस्सों से आए हुए श्रद्धालु अमृतसर के दुर्गियाना तीर्थ पर इकठ्ठा हुए, जहां प्रधान लक्ष्मीकांता चावला के नेतृत्व में उन्हें पाकिस्तान की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना किया गया। यह जत्था 25 दिसंबर को भारत वापस लौटेगा। इस दौरान दुर्गियाना तीर्थ कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री लक्ष्मी कांता चावला ने कहा कि टाटा नगर से शिव परिवार ग्रुप आज कटासराज की यात्रा के लिए पाकिस्तान रवाना हो रहा है। 72 हिंदू श्रद्धालु जो भारत के अलग-अलग राज्यों से आए हैं, वे पाकिस्तान स्थित अपने गुरुधामों के दर्शनों के लिए जा रहे हैं। कुल 116 लोगों ने पाकिस्तान की यात्रा के लिए वीजा अप्लाई किया था, लेकिन 82 लोगों को ही वीजा मिला सका है। 10 यात्री वीजा मिलने के बावजूद अपने व्यक्तिगत कारणों से यात्रा पर नहीं जा रहे हैं।

दूसरा जत्था शिवरात्रि पर पाकिस्तान के लिए रवाना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक हिंदू तीर्थयात्रियों को वीजा मिलने चाहिए, ताकि वे अपने गुरुओं के तीर्थों के दर्शन कर सकें। 25 दिसंबर को यह जत्था अपने गुरुओं के दर्शन के बाद अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भारत पहुंचेगा।

हरिद्वार में फिर गरमाई धर्म संसद की बहस! अनुमति से इनकार, संत हुए मुखर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जूना अखाड़े में आज गुरुवार से शुरू होने वाली संतों की धर्म संसद को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। जबकि संत धर्म संसद को लेकर मुखर हैं। इससे टकराव की आशंका भी बनी हुई है। संतों ने इसकी अनुमति को लेकर रक्त से लिखे पत्र भी मुख्यमंत्री को भेजे हैं। तीन साल पहले हरिद्वार में हुई ऐसी ही धर्म संसद में हेट स्पीच का मामला दिल्ली तक गूंजा था, जिसके बाद प्रशासन धर्म संसद को लेकर पूरी तरह सतर्क है। प्रशासन के साथ हुई संतों की बैठक के बाद प्रशासन ने साफ-साफ कह दिया है कि धर्म संसद के आयोजन की अनुमति नहीं दी जा सकती। जबकि संतों का कहना है कि वह आयोजन सार्वजनिक स्थल पर नहीं बल्कि जूना अखाड़े में कर रहे हैं इसलिए उन्हें इसकी अनुमति मिलनी

चाहिए। संतों की ओर से कहा गया है कि वह कोई राजनीतिक या विद्वेष कार्यक्रम नहीं कर रहे, बल्कि बंग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ रोष को लेकर कार्यक्रम कर रहे हैं। इसलिए उन्हें जूना अखाड़े में विश्व धर्म संसद आयोजित करने की अनुमति मिलनी ही चाहिए। प्रशासन की सख्ती के बाद फिलहाल संतों की कोई टिप्पणी नहीं आई है, लेकिन जूना अखाड़ा में टेंट लगा है जहां बगुलामुखी यज्ञ जारी है। इसी स्थल को धर्मसंसद के लिए निश्चित किया गया है। फिलहाल प्रशासन संतों के आयोजन पर नजर रखे हैं। पुलिस और अभिसूचना तंत्र ने भी संतों के आयोजन पर नजर गड़ा रखी है। हरिद्वार कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि प्रशासन की ओर से धर्म संसद की अनुमति नहीं दी गई है। उसका पूरी तरह से पालन कराया जाएगा।

थमी योजनाओं को मिलेगी नई गति, एसडीजी कार्यशाला का संदेश

गोपेश्वर। चमोली जिले में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) और पीएम गति शक्ति पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में किया गया। परियोजना निदेशक आनंद सिंह की अध्यक्षता में हुई इस कार्यशाला में अधिकारियों को एसडीजी की प्रगति और पीएम गति शक्ति पोर्टल के महत्व पर जानकारी दी गई।एसडीजी विशेषज्ञ करुणाकर सिंह ने कार्यशाला के दौरान बताया कि उत्तराखंड ने गत वर्ष सतत विकास लक्ष्यों में पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया था। उन्होंने इस उपलब्धि को बनाए रखने और धीमी प्रगति वाले लक्ष्यों में सुधार लाने पर जोर दिया। पीएम गति शक्ति विशेषज्ञ ऐश्वर्या ने पोर्टल के उपयोग और इसकी नियोजन क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों से योजनाओं का समयबद्ध डाटा अपडेट करने की अपील की।परियोजना निदेशक आनंद सिंह ने कहा कि पीएम गति शक्ति और सतत विकास लक्ष्य भारत सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और प्रधानमंत्री कार्यालय एवं नीति आयोग इनकी नियमित मॉनिटरिंग करता है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को योजनाओं को धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन और सटीक डाटा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी विनय जोशी ने सतत विकास लक्ष्यों को 2030 तक पूरा करने के लिए बनाए गए विजन डॉक्यूमेंट की जानकारी दी।

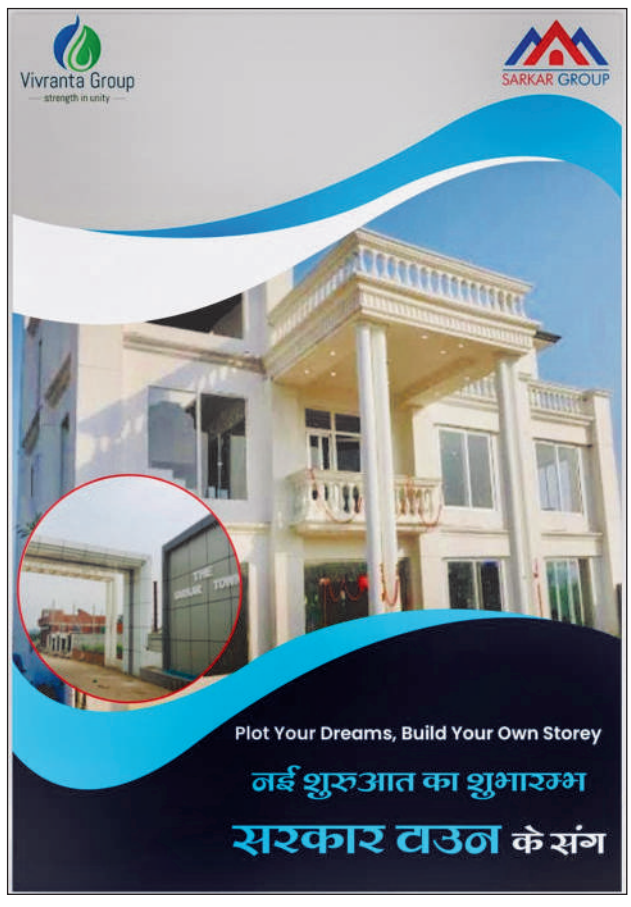

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063